वार्षिक प्रतिवेदन
2019-20

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)

वार्षिक प्रतिवेदन

2019 - 20

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)

संपादक एवं समन्वयक:

डॉ. बलवन्त सिंह राजपुरोहित

निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

सम्पादक मण्डल:

डॉ. सीताराम कुम्हार, निदेशक, अनुसंधान एवं शिक्षा

डॉ. ईश्वर सिंह, निदेशक, प्रसार शिक्षा

डॉ. भारत सिंह भीमावत, संकाय अध्यक्ष (कृषि) एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मण्डोर–जोधपुर

डॉ. एस.डी. रतनू, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली

डॉ. वी.एस. जैतावत, निदेशक, मानव संसाधन विकास एवं छात्र कल्याण

डॉ. महेश पूनिया, अधिष्ठाता सह विशेष कार्य अधिकारी, कृषि महाविद्यालय, नागौर

डॉ. मनमोहन सुंदरिया, परीक्षा नियंत्रक

डॉ. मदनमोहन कुमावत, उप निदेशक, प्रा. नि. व मूल्यांकन एवं शिक्षा

प्रकाशक:

निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

Email: drpmeaujodhpur@gmail.com

मुद्रक:

एवरग्रीन प्रिण्टर्स, जोधपुर 9414128647

विषय सूची

	प्राक्कथन	i
	कार्यकारी सारांश	iii
1.	विश्वविद्यालय मुख्यालयः एक परिचय	1
2.	अनुसंधान निदेशालय	14
3.	प्रसार शिक्षा निदेशालय	25
4.	कृषि शिक्षा	
	(अ) कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर	36
	(ब) कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली	43
	(स) कृषि महाविद्यालय, नागौर	49
5.	प्रकाशन	56
6.	पुरस्कार एवं सम्मान	59
7.	प्रबन्ध मण्डल, अकादमिक परिषद व अध्ययन मण्डल	60

प्रो. बी.आर. चौधरी
कुलपति

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)
टेलीफैक्स : 0291-2570711 **ई-मेल** : vcunivag@gmail.com

प्राक्कथन

सर्वप्रथम मैं राजस्थान सरकार तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा उत्कृष्टता के लिए प्राप्त हुए भरपूर समर्थन और निरन्तर मार्गदर्शन के प्रति आभार प्रकट करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता प्रकट करता हूँ साथ ही राजस्थान की नवीन व अग्रसर कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वार्षिक प्रतिवेदन 2019–20 को प्रकाशित करते हुए मुझे संतोष व हर्ष की अनुभूति हो रही है।

विश्वविद्यालय ने शिक्षा में सराहनीय कार्य किया जिसके फलस्वरूप भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को मान्यता प्राप्त हुई साथ ही साथ कृषि महाविद्यालय जोधपुर व सुमेरपुर का भी प्रत्यायन प्राप्त हुआ। शैक्षणिक सुधार के लिए प्रतिबद्ध रहते हुए विश्वविद्यालय द्वारा नवीन पाठ्यचर्या रूप रेखा को विकसित किया गया है। विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की बैठकों के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में कई प्रकार के सुधार किये गये। विश्वविद्यालय ने परीक्षा कार्यक्रम पंजीकरण फार्म को ऑनलाइन भरवाने का कार्य प्रारम्भ किया जिससे विद्यार्थियों द्वारा केशलेस मुद्रा हस्तान्तरण का कार्य शत प्रतिशत सफल रहा। विश्वविद्यालय के तीनों संघटक महाविद्यालय की सभी कक्षाओं में स्मार्ट कक्ष विकसित किये गये जिससे पठन–पाठन की दक्षता में उन्नति हो सकें। राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना के माध्यम से संघटक महाविद्यालयों में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं तथा प्रक्षेत्रों के आधारभूत ढ़ाचे का विकास किया गया। राज्य सरकार के द्वारा पोषित विभिन्न सहायता से भी महाविद्यालयों तथा अनुसंधान इकाइयों को विकसित किया गया।

अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की नई परियोजनाओं में सराहनीय परिणाम रहा है। विश्वविद्यालय के द्वारा तैयार तिल नई किस्म आर.टी. 372 ने स्थानीय कृषक क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों में भी उत्कृष्ट परिणाम दिया है। यह किस्म अल्टररिया पत्ती धब्बा, जीवाणु पत्ती धब्बा और पाउड्री मिल्ड्यू रोगों के लिए प्रतिरोधी है। इसी के साथ संकर बाजरा विकसित नवीनतम किस्म एम.पी.एम.एच. 17 किसानों द्वारा सर्वाधिक स्वीकार की जाने वाली किस्म रही, जिसके बहुत ही सराहनीय परिणाम रहे और किसानों में हर्ष की लहर रही। किसानों के लिए जायद में संकर बाजरा एम. पी.एम.एच. 17 का 117 क्विंटल बीज का उत्पादन किया

गया। अन्य फसलों जैसे मूंग, मोठ, ग्वार, गेहूँ, राया, चना, जीरा, धनिया, मैथी, ईसबगोल एवं मिर्च का कुल 879 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया।

कृषि तकनीकी स्थानान्तरण के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी आधारभूत ढ़ांचे के विकास कार्य किये गये। विश्वविद्यालय के तीन कृषि विज्ञान केन्द्रों के नवीन भवन तैयार करवाने के साथ कृषक प्रशिक्षण भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण होने जा रहा है। जिससे दूरस्थ किसानों को प्रशिक्षण देने में आसानी रहेगी।

विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षान्त समारोह भी विगत वर्ष मे आयोजित किया गया। इस समारोह में 5 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक सहित 154 विद्यार्थियों को स्नातक व 11 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। विश्वविद्यालय ने गत वर्ष में विभिन्न सेमीनार व कार्यशालाओं का भी आयोजन कराया, जिसमें देश के विभिन्न संस्थाओं के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय ने जोधपुर में प्रथम सब्जी विज्ञान कांग्रेस का आयोजन कराया, जिसमें देश के विभिन्न भागों से 300 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय ने स्वच्छता अभियान में भी उत्कर्ष योगदान दिया है। विश्वविद्यालय के गोदित ग्राम लूणी में विश्वविद्यालय की देखरेख में सफाई कार्य किये गये और ग्राम विकास में योगदान दिया जिसके फलस्वरूप विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अुनदान आयोग की तरफ से स्वच्छता पुरस्कार–2019 प्रदान किया गया।

इस प्रतिवेदन में मूलतः अधिकारियों, वैज्ञानिक सदस्यों व अन्य कर्मचारियों द्वारा किये गये प्रयासों का प्रतिफल प्रतिबिंबित होता है, जिन्होंने समपर्ण और उत्साह के साथ दिन–रात कार्य किया। मैं विश्वविद्यालय के प्रत्येक कर्मचारी को उसके द्वारा किये गये परिश्रम और प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूँ जिसके कारण विश्वविद्यालय ने वर्ष 2019 में सराहनीय प्रगति की है। मैं आशा करता हूँ कि आने वाले वर्षों में सभी अधिकारी, वैज्ञानिक व कर्मचारीगण पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगें, जिससें विश्वविद्यालय प्रगतिशील रहे और कृषि लाभकारी कृषि तकनीकों को विकसित किया जा सके।

(बी.आर. चौधरी)

कार्यकारी सारांश

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना वर्ष 2013 में राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्रों में विकास कार्यों को निष्पादित कर क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रिया–कलापों का उन्नयन कर विकासोनोमुखी बनाने हेतु की गई।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में छः जिलों जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही एवं नागौर का भू–भाग सम्मिलित है। कृषि जलवायु खण्डों के आधार पर यह क्षेत्र तीन भागों में विभक्त किया गया हैं। खण्ड–I अ में जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों का 'शुष्क पश्चिमी मैदान' का भू–भाग आता हैं। खण्ड–II ब में जालोर, पाली, सिरोही (पिण्डवाड़ा तथा आबूरोड़ तहसील के अतिरिक्त) तथा जोधपुर की बिलाड़ा एवं भोपालगढ़ तहसील का 'लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान' का भू–भाग आता हैं। खण्ड–II अ में नागौर जिले का 'भीतरी जल निकास के मैदान' का भू–भाग आता हैं।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि के लिये काफी चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में वर्षा अल्प तथा अनियमित, अधिक तापमान, गरम तेज हवाऐं, भूमी अपरदन, सिंचाई हेतु पानी की कमी तथा समस्याग्रस्त पानी एवं भूमि इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड–I अ में औसत वर्षा 100 से 300 मि.मी., उच्चतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता हैं। लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड–II ब में औसत वर्षा 330 से 591 मि.मी. तथा अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1 से 5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। इस भू–भाग में औद्योगिकीकरण कम है। कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन कृषि जलवायु खण्डों में कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एवं मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का न्यायोचित उपयोग तथा अनुसंधान कार्य एवं कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्र (मण्डोर–जोधपुर, केशवाना–जालोर) तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों (सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर) द्वारा कार्य किया जा रहा हैं। इन केन्द्रों पर बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, मूंगफली, सरसों, राजगीरा, गेंहूँ, जीरा, इसबगोल, मैथी इत्यादि फसलों पर अनुसंधान कार्य जारी हैं। विश्व स्तरीय निर्यात योग्य फसलें तथा उससे प्राप्त उत्पाद जैसे– जीरा, अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उद्यानिकी फसलों जैसे– प्याज, लहसुन, गाजर, आलू पर भी अनुसंधान प्रारंभिक स्तर पर शुरू किया जा चुका हैं।

नवीनतम कृषि तकनीकों के प्रचार–प्रसार तथा आवश्यक आंशिक संशोधन हेतु विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीनस्थ छः कृषि विज्ञान केन्द्र (मौलासर–नागौर, अठियासन–नागौर, फलौदी–जोधपुर, केशवाना–जालोर, गुड़ामालानी–बाड़मेर एवं सिरोही) किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा नवीन तकनीकों की जानकारी व कृषि संबंधित समस्याओं का निराकरण करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों हेतु बजट राज्य सरकार की योजना, गैर–योजना तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। यह विश्वविद्यालय अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की प्रगति हेतु अनुसंधान, कृषि प्रसार तथा कृषि शिक्षा जैसे विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकारकी योजनाओं के अनुसार सतत् प्रयासरत हैं।

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रबंध मंडल की अष्टम्, नवम् एवं दशम् बैठक क्रमशः दिनांक 26.12.2018, 2.03.2019 एवं 2.08.2019 को क्रमानुसार आयोजित कर विभिन्न प्रस्तावों के प्रेषण सम्बन्धित जानकारी देकर सहमति प्राप्त की गई।

अकादमिक परिषद की नवम् (1.03.2019) तथा दशम् (6–7.07.2019) बैठक की गई। इन बैठकों में विश्वविद्यालय में शिक्षा, अनुसंधान व प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में की गई प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया तथा बुनियादी ढांचा विकास, बाह्य वित पोषण परियोजनाओं एवं अन्य गतिविधियों के बारे में सदस्यों को अवगत कराया।

कृषि महाविद्यालय, नागौर का नवनिर्मित भवन का कार्य पूर्ण हो गया है तथा महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र सुचारू रूप से चलाया जा रहा है। यह भवन लोकार्पण के लिए तैयार हैं। कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, फलोदी और गुडामलानी के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन लोकार्पण/समर्पण के लिए तैयार हैं।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कौशल विकास केंद्र, बीज प्रसंस्करण इकाई एवं कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (ATIC) के भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

बीज हब परियोजना के अन्तर्गत कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, सुमेरपुर बीज गोदाम का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

राजभवन राजस्थान से प्राप्त निर्देशों के अनुसार जोधपुर जिले का लूणी गाँव को ग्राम गोद कार्यक्रम के अर्न्तगत कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा गोद लेकर स्मार्ट गाँव के रुप में विकसित किया जा रहा है।

माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने जय नारायण व्यास विश्वविद्याल द्वारा गोदित गाँव नांदड़ा कल्ला में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा उन्नत कृषि तकनीकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर में प्रथम राष्ट्रीय स्तरीय सब्जी विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया, जिसमें सब्जी विज्ञान से संबंधित देश के विभिन्न भागों से लगभग 300 वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रथम दीक्षान्त समारोह का आयोजन दिनांक 04.08.2019 को आयोजित किया गया। इस समारोह में वर्ष 2017 के स्नातक के 69 विद्यार्थियों एवं 2018 के 85 विद्यार्थियों को कृषि स्नातक की उपाधि दी गई। इसके साथ ही 11 विद्यार्थियों को कृषि स्नातकोत्तर की उपाधि दी गई। इस समारोह में 5 छात्र–छात्राओं को स्वर्ण–पदक भी प्रदान किया गया।

दिनांक को 14.09.2019 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का सप्तम् स्थापना दिवस उल्लासपूर्ण रूप से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ भगीरथ सिंह, कुलपति, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर, विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति डॉ एल.एन. हर्ष ने सीमित समय में प्रगति की प्रशंसा की।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड, जोधपुर के उच्च स्तरीय अधिकारियों के बीच औपचारिक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड, जोधपुर के ग्रुप जनरल मैनेजर श्रीमान सुनील वाधवा एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के माननीय कुलपति डॉ बी.आर. चौधरी के मध्य औपरिक बैठक के दौरान दोनों संस्थानों के मध्य आपसी सहयोग की जरूरत पर जोर दिया गया।

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर की स्वच्छता गतिविधियों से प्रभावित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह ने दिनांक 07.12.2019 को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का भ्रमण किया तथा कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को राष्ट्रीय स्वच्छता अंकेक्षण में प्राप्त हुई उल्लेखनीय सराहना के लिए बधाई दी।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रबंध मण्डल के माननीय सदस्य एवं लूणी विधायक श्री महेन्द्र बिश्नोई ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं व कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड.आर.ई.ऐ.सी.) खरीफ–2019 एवं रबी–2019–20 की बैठकें सफलतापूर्वक आयोजित की गई जिसमें शस्य विज्ञान, पादप विज्ञान, कीट विज्ञान सम्बन्धित बारह विभिन्न तकनीकी विकसित की गई तथा विभिन्न फसलों

की नौ किस्मों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज में शामिल किया गया ।

विश्वविद्यालय द्वारा सफेद बीज वाली तिल की नई किस्म आर.टी. 372 विकसित की जिसको देश के जोन–1 में खरीफ मौसम की वर्षापोषित स्थिति के लिए राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड और कर्नाटक तथा तेलंगाना राज्यों के कुछ हिस्सों में उगाने हेतु जारीकिया गया।

कृषि विश्वविद्यालय अधीनस्थ विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों/संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों पर खरीफ, रबी व जायद में विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के प्रजनक (64.48 क्विंटल), आधार/प्रमाणितबीज (117.40 क्विंटल) एवं सत्यापित (ट्रयूथफुली लेवल्ड) (64.48 क्विंटल) बीजों का उत्पादन किया गया। इस बीज द्वारा किसानों के खेतों पर उगाई गई फसल के परिणाम अन्य किस्मों के मुकाबले बहुत ही प्रभावशाली व उत्साहवर्द्धक रहे हैं।

कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर पर आत्मा परियोजना के अंतर्गत 11 कृषक प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया, जिसमें 325 प्रगतिशील किसानों के भाग लिया।

कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर पर कम प्रचलित दलहनी फसलों पर किसान प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन दिनांक 01.10.2019 को किर्क हाउस ट्रस्ट (KIRK House Trust) प्रोजेक्ट के तहत् किया गया, जिसमें बावड़ी क्षेत्र के 60 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

कृषि इनपुट डीलर्स के लिए 40 कक्षा सत्रों एवं 8 क्षेत्र यात्राओं के साथ 48 सप्ताह की अवधि का डिप्लोमा पाठ्यक्रम कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधुपर, प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोधपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन (नागौर), कृषि विज्ञान केन्द्र, फलौदी एवं कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, नागौर सहित विश्वविद्यालय में कुल पांच डीलर्स डिप्लोमा कोर्स, 2019 में शुरू किये गये।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि विश्वविद्यालय को फार्मर फर्स्ट परियोजना परियोजना स्वीकृत की गई जिसमें नवीनतम तकनीकी कौशल आधारित ज्ञान पर एक हजार प्रर्दशनों, 25 कृषक प्रशिक्षणो, 5 कृषक वैज्ञानिक संवादव अन्य प्रसार गतिविधियों का आयोजन कर ग्रामवासियों को लाभान्वित किया गया।

प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं अटारी जोन–II जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत दलहनी फसलों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कुल 62 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

प्रसार शिक्षा निदेशालय के तहत् कृषि विज्ञान केन्द्रों पर 125 संस्थागत, 152 असंस्थागत तथा 57 प्रयोजित प्रशिक्षणों का आयोजन किया जिसमें कुल 11102 किसान, कृषक महिलाएं व प्रसार कार्यकर्त्ता लाभान्वित हुए।

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित जल शक्ति अभियान मेलों का आयोजन दिनांक 03.09.2019 को किया गया जिसमें लगभग 5000 किसानों ने भाग लिया।

दिनांक 05.12.2019 को सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के आयोजन पर 2500 किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्रों पर चल रही मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया तथा उन्हें मृदा स्वास्थ्य के बारे जागरूकता बढ़ाने हेतु व्याख्यान दिलाये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्र जालोर, सिरोही, अठीयासन, मौलासर, फलोदी एवं गुढ़ामालानी द्वारा लगभग 1000 मृदा और जल नमूनों का परीक्षण वर्ष 2019 के दौरान किया गया।

नवीनतम कृषि तकनीकी– उन्नत बीज, पंक्तिबद्ध बुवाई, बीजोपचार, जिंक सल्फेट का प्रयोग, पौध संरक्षण को प्रदर्शित करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों के खेतों पर विभिन्न फसलों पर 2346 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा का कार्य तीन कृषि महाविद्यालयों (मण्डोर–जोधपुर, सुमेरपुर–पाली तथा

नागौर) में संचालित किया जा रहा हैं। वर्तमान में कृषि महाविद्यालय, मण्डोर– जोधपुर में स्नात्तक, स्नातकोत्तर तथा विद्यावाचस्पति शिक्षण स्तर, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली में स्नात्तक स्तर तथा कृषि महाविद्यालय, नागौर में स्नात्तक वस्नातकोत्तर स्तर का उच्च स्तरीय शिक्षण कार्य किया जा रहा है।

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.) के तहत अगले 3 वर्षों में कृषि विश्वविद्यालय के तीनों महाविद्यालयों में बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, कक्षाओं और संकाय के सुधार को मजबूत करने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी मोड में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को कुल 495.82 लाख रूपये मंजूर किए गए हैं। इस परियोजना के क्रियान्वयन के तहत विश्वविद्यालय को मान्यता प्राप्त हुई है जो कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य था।

शैक्षणिक सत्र 2019 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा कीट विज्ञान और कृषि प्रसार शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री शुरू की गई है।

वित्त वर्ष 2019–20 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 856 लाख रूपये प्राप्त हुए तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित एस सी – एस पी परियोजना की स्वीकृती मिली।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में तीन विषयों आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन, शस्य विज्ञान और बागवानी में स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम के 11 विद्यार्थियों ने इस वर्ष डिग्री पूर्ण कर ली है। इसी वर्ष कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के तीनों कृषि महाविद्यालयों से 126 विद्यार्थियों ने स्नात्तक डिग्री पूर्ण कर ली हैं।

विश्वविद्यालय केअध्यापकों व वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न शोध पत्र–पत्रिकाओं में 61 अनुसंधान–पत्र, 5 पुस्तकें, 13 पुस्तक अध्याय, 46 तकनिकी/लोकप्रिय प्रकाशित लेख, 8 तकनिकी बुलेटिन, 7 प्रायोगिक गाइड, 36 फोल्डर्स, 42 संगोष्ठी, सम्मेलन, सेमिनार में प्रकाशित शोध पत्र/सारांश प्रकाशित किये गये हैं।

विश्वविद्यालय के अध्यापकों व वैज्ञानिकों को विभिन्न संस्थाओं तथा विभागों द्वारा 18 पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किये गये।

1. विश्वविद्यालय मुख्यालय: एक परिचय

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना वर्ष 2013 में राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्रों में विकास कार्यों को निष्पादित कर क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रिया–कलापों का उन्नयन कर विकासोनोमुखी बनाने हेतु की गई।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में छः जिलों जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही एवं नागौर का भू–भाग सम्मिलित है। कृषि जलवायु खण्डों के आधार पर यह क्षेत्र तीन भागों में विभक्त किया गया हैं। खण्ड–I अ में जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों का 'शुष्क पश्चिमी मैदान' का भू–भाग आता हैं। खण्ड–II ब में जालोर, पाली, सिरोही (पिण्डवाड़ा तथा आबूरोड़ तहसील के अतिरिक्त) तथा जोधपुर की बिलाड़ा एवं भोपालगढ़ तहसील का 'लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान' का भू–भाग आता हैं। खण्ड–II अ में नागौर जिले का 'भीतरी जल निकास के मैदान' का भू–भाग आता हैं।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि के लिये काफी चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में वर्षा अल्प तथा अनियमित, अधिक तापमान, गरम तेज हवाऐं, भूमि अपरदन, सिंचाई हेतु पानी की कमी तथा समस्याग्रस्त पानी एवं भूमि इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड–I अ में औसत वर्षा 100 से 300 मि.मी., उच्चतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता हैं। लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड–II ब में औसत वर्षा 330 से 591 मि.मी. तथा अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1 से 5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। इस भू–भाग में औद्योगिकीकरण कम है। कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन कृषि जलवायु खण्डों में कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एवं मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का न्यायोचित उपयोग तथा अनुसंधान कार्य एवं कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्र (मण्डोर–जोधपुर, केशवाना–जालोर) तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों (सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर) द्वारा कार्य किया जा रहा हैं। इन केन्द्रों पर बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, मूंगफली, सरसों, राजगीरा, गेंहूँ, जीरा, इसबगोल, मैथी इत्यादि फसलों पर अनुसंधान कार्य जारी हैं। विश्व स्तरीय निर्यात योग्य फसलें तथा उससे प्राप्त उत्पाद जैसे– जीरा,

अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उद्यानिकी फसलों जैसे– प्याज, लहसुन, गाजर, आलू पर भी अनुसंधान प्रारंभिक स्तर पर शुरू किया जा चुका हैं।

नवीनतम कृषि तकनीकों के प्रचार–प्रसार तथा आवश्यक आंशिक संशोधन हेतु विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीनस्थ छः कृषि विज्ञान केन्द्र (मौलासर–नागौर, अठियासन–नागौर, फलौदी–जोधपुर, केशवाना–जालोर, गुड़ामालानी–बाड़मेर एवं सिरोही) किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा नवीन तकनीकों की जानकारी व कृषि संबंधित समस्याओं का निराकरण करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा का कार्य तीन कृषि महाविद्यालयों मण्डोर–जोधपुर, सुमेरपुर–पाली तथा नागौर में संचालित किया जा रहा हैं। वर्तमान में कृषि महाविद्यालय, मण्डोर– जोधपुर में स्नात्तक, स्नातकोत्तर तथा विद्यावाचस्पति शिक्षण स्तर, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली में स्नात्तक स्तर तथा कृषि महाविद्यालय, नागौर में स्नात्तक व स्नातकोत्तर स्तर का शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं।

विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों हेतु बजट राज्य सरकार की योजना, गैर–योजना तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। यह विश्वविद्यालय अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की प्रगति हेतु अनुसंधान, कृषि प्रसार तथा कृषि शिक्षा जैसे विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के अनुसार सतत् प्रयासरत हैं।

1.1 विश्वविद्यालय के उद्देश्य

(क) अध्ययन की भिन्न–भिन्न विधाओं में, विशिष्टतः कृषि, उद्यानिक व मत्स्य पालन में शिक्षा प्रदान करने के लिए उपबंध करना।

(ख) विशिष्टतः कृषि एवं अन्य सहबद्ध विज्ञानों में शिक्षा का अभिवर्धन और अनुसंधान करना।

(ग) ऐसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकियों की विस्तार शिक्षा को बढ़ावा देना जिससे राज्य की ग्रामीण जनता को लाभ मिले।

(घ) ऐसे अन्य उद्देश्य जिन्हें विश्वविद्यालय समय समय पर अवधारित करे।

1.2 संगठनात्मक / संस्थात्मक ढाँचा

संगठनात्मक ढाँचा

- कुलपति
  - कुलसचिव, सचिव प्रबन्ध मण्डल
  - वित्त नियंत्रक, सचिव वित्त समिति
  - भू-सम्पति अधिकारी
  - निदेशक
    - अनुसंधान
    - प्रसार शिक्षा
    - प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
    - मानव संसाधन विकास
    - शिक्षा
    - छात्र कल्याण
  - परीक्षा नियंत्रक
  - अधिष्ठाता
    - कृषि महाविद्यालय- मण्डोर, जोधपुर
    - कृषि महाविद्यालय- सुमेरपुर, पाली
    - कृषि महाविद्यालय- नागौर
    - (कृषि डिप्लोमा संस्थान)

संस्थागत ढाँचा

- शिक्षा
  - कृषि महाविद्यालय (3)
    - मण्डोर, जोधपुर स्थापना - 2012
    - सुमेरपुर, पाली, स्थापना - 2012
    - नागौर, स्थापना - 2015
  - कृषि डिप्लोमा संस्थान (1) → लांडनू, नागौर, स्थापना - 2013
- अनुसंधान
  - कृषि अनुसंधान केन्द्र (2)
    - मण्डोर, (जोधपुर), स्थापना - 1983
    - केशवाना, (जालोर), स्थापना - 1989
  - कृषि अनुसंधान उप केन्द्र (3)
    - सुमेरपुर (पाली), स्थापना - 1972
    - नागौर, स्थापना - 1993
    - समदड़ी (बाड़मेर), स्थापना - 1995
- विस्तार
  - कृषि विज्ञान केन्द्र (6)
    - केशवाना (जालोर), स्थापना - 1985
    - सिरोही, स्थापना - 1989
    - अठियासन (नागौर), स्थापना - 1992
    - फलोदी, जोधपुर स्थापना - 2012
    - मौलासर (नागौर), स्थापना - 2012
    - गुड़ामालानी (बाड़मेर), स्थापना - 2012

1.3 स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण

राज्य योजना, गैर योजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदद्वारा संचालित परियोजनाऐं एवं विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों के पदों का विवरण निम्न प्रकार हैं:–

1.3.1 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर : प्रशासनिक पदों का विवरण (राज्य योजना)

पदनाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
कुलपति	1	1	0
कुल सचिव	1	1	0
वित्त नियंत्रक	1	1	0
अधिष्ठाता / निदेशक	5	3	2
भू–सम्पदा अधिकारी	1	1	0
परीक्षा नियंत्रक	1	0	1
अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज)	1	0	1
पुस्तकालयाध्यक्ष	1	0	1
सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा)	1	0	1
सहायक कुलसचिव	1	0	1
सहायक अभियन्ता (सिविल)	1	0	1
कोषाधिकारी	1	0	1
कुल योग	**16**	**7**	**9**

1.3.2 शैक्षणिक पदों का विवरण

पदनाम	आई.सी.ए.आर. अनु. परियोजना, पी.सी. ईकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	आयोजना मद (State Plan)	गैर–आयोजना मद (Non-Plan)	कुल योग		
				स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
आचार्य	0	5	3	8	1	7
सह–आचार्य / वरिष्ठ वैज्ञानिक	13	16	17	46	10	36
सहायक आचार्य	12	55	31	98	62	36
प्रधानाध्यापक / व्याख्याता	0	5	0	5	0	5
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	0	3	0	3	0	3
	महायोग			160	73	87

1.3.3. तकनीकी एवं अशैक्षणिक पदों का परियोजनात्मक विवरण

पदनाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
आई.सी.ए.आर. अनु. परियोजना, पी.सी. ईकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	117	82	35
राज्य योजना	118	54	64
गैर योजना	47	37	10
कुल योग	**282**	**173**	**109**

विश्वविद्यालय में कुल 458 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से वर्तमान में 253 पद नियुक्त हैं तथा शेष 205 पद रिक्त हैं। कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय सेवा छोडनें तथा सेवानिवृति के कारण गणना में आंशिक अन्तर सम्भव हैं।

1.4 प्रमुख विभागीय कार्य तथा वर्ष में प्रत्येक कार्य के समदर्श प्रगति

विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों में से प्रबंधन मंडल, अकादमिक परिषद् तथा वित्त समिति की विभिन्न बैठकों में लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नानुसार हैं:–

1.4.1 प्रबंध मंडल

1.4.1.1 प्रबंध मंडल की बैठकें

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रबंध मंडल की अष्टम्, नवम् एवं दशम् बैठक क्रमशः दिनांक 26.12.2018, 02.03.2019 एवं 02.08.2019 को क्रमानुसार आयोजित की गई। इनमें निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए–

- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के नवनिर्मित अधिनियमों को राजभवन, जयपुर को अनुमोदनार्थ भेजे जाने का प्रस्ताव पारित किया गया है।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रशासनिक भवन तथा कृषि महाविद्यालय, नागौर के द्वितीय चरण के भवन निर्माणकार्यों हेतु कार्यकारी निर्माण एजेन्सी आर.एस.आर. डी.सी. लिमिटेड को गुणवत्तायुक्त एवं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने तथा इन कार्यो की निगरानी के लिए एजेन्सी द्वारा दोनों जगह अपने किसी अधिशाषी अथवा कनिष्ठ अभियन्ता को लगाये जाने के प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

- केरियर एडवांसमेंट स्कीम (C.A.S.) के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सहायक प्राध्यापकों के (Stage –I) AGP- Rs. 6000/- एवं (Stage –II) AGP- Rs. 7000/- का लाभ Due Date से दिये जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।
- विश्वविद्यालय के बढ़ते कार्यभार को देखते हुए अशैक्षणिक वर्ग के नवीन स्वीकृत पदों एवं भर्ती उपरांत रिक्त रहे पदों की भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करके अतिशीघ्र भरे जाने का प्रस्ताव पारित किया गया है।
- अनुसंधान निदेशालय द्वारा निजी कंपनी के साथ किये गये MoU का अनुमोदन तथा उत्पाद अनुसंधान परीक्षण शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।
- विद्या परिषद् की बैठकों के कार्यवाही विवरणों पर विस्तार से चर्चा उपरान्त विभिन्न प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रथम दीक्षान्त समारोह आयोजन किये जाने के प्रस्ताव को पारित किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रथम दीक्षान्त समारोह में प्रदान किये जाने वाले स्वर्ण पदकों, उपाधियों व योग्यता प्रमाण पत्रों का प्रबंध मंडल द्वारा विस्तृत विचार विमर्श उपरान्त आम सहमति से अनुमोदन किया गया।
- सेवारत शैक्षणिक कार्मिकों को उच्च अध्ययन (पीएचडी) के लिये विश्वविद्यालय में दो वर्ष की नियमित सेवा उपरान्त शैक्षणिक अवकाश (Study Leave) की स्वीकृति प्रदान किये जाने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के संघटक कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में पेयजल कनेक्शन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा संचालित परियोजना National Agricultural Higher Education Project में से अथवा छात्र निधि में से भुगतान किये जाने के प्रस्ताव को पारित किया गया।
- शैक्षणिक, अशैक्षणिक संवर्ग के पदों पर भर्ती व प्रवेश प्रक्रिया में जो आरक्षण व्यवस्था वर्तमान में राजस्थान राज्य में लागू है, उसे नियमानुसार पूर्ण रूप कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में लागू करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

1.4.2 अकादमिक परिषद एवं अध्ययन मण्डल

1.4.2.1 अकादमिक परिषद

अकादमिक परिषद की नवम् (1.3.2019) तथा दशम् (6–7.07.2019) बैठक की गई। इन बैठकों में विश्वविद्यालय में शिक्षा, अनुसंधान व प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में की गई प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया तथा बुनियादी ढांचा विकास, बाह्य वित पोषण परियोजनाओं एवं अन्य गतिविधियों के बारे में सदस्यों को अवगत कराया। उक्त बैठकों में चर्चा के बाद निम्नलिखित कार्यसूची मदों पर विचार कर स्वीकृति प्रदान की गयीः–

- अकादमिक सत्र 2016–17 के 69 विद्यार्थियों तथा सत्र 2017–18 में 85 उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आगामी प्रथम दीक्षान्त समारोह में कृषि स्नातक की उपाधि देने को स्वीकार किया गया।
- स्नातकोत्तर कृषि संकाय के सत्र 2018 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को भी उपाधि प्रदान करने को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इसमें 4 शस्य विज्ञान, 4 उद्यान विज्ञान तथा 3 पादप प्रजनन व आनुवांशिकी विषय के विद्यार्थी थे।
- विश्वविद्यालय के उपाधि प्रारूप पर विचार करने और अनुमोदन करने लिए दिशा–निर्देशों के साथ मेरिट प्रमाण पत्र व उसका प्रारूप, विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा कुलाधिपति पदक के प्रारूपों का अनुमोदन भी किया गया। कुलाधिपति पदक देने के लिए यह निर्णय लिया गया कि पिछले पांच वर्षों में औसत योग्यता और संकाय में औसत प्रतिशत अंकों के आधार पर पदक दिया जाना अनुमोदित हुआ जिसके औसत अंक 85 प्रतिशत से कम नहीं होने चाहिए। विभिन्न संकायों के नियमित आवर्तन (रोटेशन) द्वारा दिया जाना तय किया गया।
- वर्ष 2017 और 2018 में उत्तीर्ण कृषि स्नातकों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और मेरिट प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अनुग्रह किया और पात्र उम्मीदवारों की सूची को मंजूरी दे दी गई।
- वर्ष 2018 में उत्तीर्ण कृषि स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और मेरिट प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अनुग्रह किया और पात्र उम्मीदवारों की सूची को मंजूरी दी गई।

- वर्ष 2018 में कृषि संकाय में एक मेधावी स्नातकोत्तर छात्र को कुलाधिपति स्वर्णपदक से सम्मानित करने के लिए स्वीकार किया गया परन्तु उसके लिए कोई भी छात्र योग्य नहीं पाया गया।
- विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान उपाधियां प्राप्त करने वाले छात्रों से शुल्क माफ करने का प्रस्ताव लाया गया। परन्तु इसमें यह निर्णय लिया गया कि अन्तिम सेमेस्टर में उपाधि प्रमाणपत्र शुल्क लिया जाना तय किया गया।
- स्नातक की दो सीटों के लिए J&K अलौकिक कोटा (हिस्सा) पर प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृति योजना के प्रावधान के तहत मंजूरी दी गई।
- UGC के दिशा निर्देशों के अनुसार किसी भी शोध ग्रंथ या प्रकाशन प्रस्तुत करने से पहले साहित्यिक चोरी के दिशा–निर्देशों पर विचार किया तथा चोरी परिक्षण करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इसके लिए एक निदेशक व अधिष्ठाता, जोधपुर, सुमेरपुर व नागौर की कमेटी का गठन किया जाना पारित किया गया।
- आई.सी.ए.आर. और अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के अनुसार एम.एस.सी. खाद्य प्रौद्योगिकी को एम.एस.सी. खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नामकरण को मंजूरी दी गई।
- स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति के लिए शिक्षकों को शिक्षण व मार्गदर्शन के लिए मान्यता प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।
- स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए Post Graduate Studies Regulation 2019 हेतु दिशा–निर्देश बनाने के लिए कमेटी का गठन किया गया एवं यह निर्णय लिया गया की गठित कमेटी आगामी विद्या परिषद की बैठक हेतु इसे माननीय कुलपति महोदय को एक माह में प्रस्तुत करें।
- वर्ष 2019–20 से नये स्नातकोत्तर अध्ययन पाठ्यक्रम का अनुमोदन किया गया।

1.4.2.2 अध्ययन मण्डल

विश्वविद्यालय की कृषि संकाय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 26.06.2019 को आयोजित की गयी। जिसमें निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए:–

- आईसीएआर की 5वीं डीन कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार 6वें सेमेस्टर के पूरा होने के बाद सेमेस्टर ब्रेक में शैक्षणिक दौरे को अधिमानतः आयोजित किया जाएगा। इसकी अवधि 10 दिनों की होगी तथा बोर्डिंग और लॉजिंग चार्ज विधार्थीयों द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा, जबकि परिवहन और ईंधन शुल्क का भुगतान कॉलेज द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया।
- शैक्षणिक सत्र 2020–21 से मेरिट के आधार पर दाखिला लेने वाले सभी वर्ग के छात्रों से आवेदन पत्र के लिए राशि रू 1500/– लेने का निर्णय हुआ।
- शैक्षणिक सत्र 2020–21 से पंजीकरण शुल्क में 10 प्रतिशत राशि बढ़ाने का निर्णय लिया गया।
- बी.एस.सी. (ऑनर्स) कृषि में ओपन मेरिट के आधार पर सीधे प्रवेश होने वाले छात्रों की संख्या में राज्य सरकार के कार्मिक विभाग की अधिसूचना क्रमांक F.7(1) DOP/A-II/2019 दिनांक 19.02.2019 के तहत ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने और कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रत्येक घटक कॉलेजों के लिए 01 अतिरिक्त सीट बढ़ाने का निर्णय लिया गया।
- जैव रसायन विषय (BIOCHEM-111) के वर्तमान पाठ्यक्रम को बिना किसी संशोधन के जारी रखने का निर्णय लिया। साथ ही संकाय अध्यक्ष व अधिष्ठाता को सम्बन्धित शिक्षकों की समिति का गठन कर प्राप्त विस्तृत रिपोर्ट पर भविष्य में होनें वाली अध्ययन बोर्ड की मिंटिग में चर्चा करने का निर्णय लिया गया।
- सदन ने एम.एस.सी. खाद्य प्रौद्योगिकी के सम्बन्ध में निम्नलिखित निर्णय लिए गये:
  - एम.एस.सी. खाद्य प्रौद्योगिकी के वर्तमाान कोर्स का नाम एम.एस.सी. खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में परिवर्तन करने का प्रस्ताव किया।
  - शैक्षणिक सत्र 2018–19 से पाठ्यक्रमों के नामकरण को FT से बदल FST में किया जाना प्रस्तावित किया गया।
  - इस पाठ्यक्रम में पहले से भर्ती विद्यार्थियों को भी प्रदान की जाने वाली डिग्री नए नाम/ शीर्षक यानि

एम.एस.सी. खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रदान किए जाने का निर्णय लिया।

- एम.एस.सी. खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छात्रों के प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया गया।
- इस पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रवेश की क्षमता की सीमा को दिशा निर्देशों से हटा दिये जाने का निर्णय ले लिया गया।
- विश्वविद्यालय के अन्य कॉलेजों/विभागों से खाद्य प्रौद्योगिकी के संबंधित विषयों के संकायों को खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के साथ संबद्ध किया जाना चाहिए और संबंधित संकाय अनुसंधान समिति के प्रमुख सलाहकार/सलाहकार/समिति सदस्य के रूप में काम करने का निर्णय लिया गया।
- विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता और संकाय अध्यक्ष ही खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अधिष्ठाता और संकाय अध्यक्ष हाने का निर्णय लिया गया।
- स्नाकोत्तर के विभिन्न विषयों जैसे शस्य विज्ञान, जेनेटिक्स और प्लांट ब्रीडिंग, पौध रोग विज्ञान, बागवानी एवं कीट विज्ञान, प्रसार शिक्षा से सम्बन्धित पाठयक्रमों, क्रेडिट घंटों एवं अन्य मुदों पर निर्णय लिए गये।

1.4.3 वित्तीय लेखा

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन शिक्षा, प्रसार शिक्षा एवं अनुसंधान से सम्बन्धित ईकाइयों के लिये वित्त वर्ष 2019–20के परियोजनावार एवं संस्थावार बजट प्रावधान एव दिसम्बर 2019 तक हुए व्यय का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैं:–

बजट मद	बजट प्रावधान दिसम्बर 2019 तक व्यय (रूपये लाखों में)	
	बजट प्रावधान	दिसम्बर 2019 तक व्यय
गैर राज्य आयोजना	600.00	455.79
राज्य आयोजना	2250.00	827.17
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)	856.00	342.40
ए.आई.सी.आर.पी. प्रोजेक्ट (AICRP)	164.51	122.55
पी.सी. यूनिट (बाजरा) मण्डोर	350.00	147.55
समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र	690.15	343.76
सीड हब (केवीके, मण्डोर, सुमेरपुर, नागौर, जालौर)	100.00	5.65
एन.ए.एच.ई. प्रोजेक्ट (NAHEP)	193.90	36.16
MIDH प्रोजेक्ट	21.7	13.00
अन्य परियोजनाएं (अनुसन्धान केन्द्रों एवं केवीके पर संचालित)	90.00	45.00

1.4.4 अन्य प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियाँ

1.4.4.1 अनुसंधान

- कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर तिल की उन्नत किस्म आर. टी. 372 को राष्ट्रीय स्तर पर जारी किया गया। बीज, तेल उपज और रोग प्रतिरोधी गुणों को देखते हुए इस किस्म को देश के जोन–1 में खरीफ मौसम की वर्षापोषित स्थिति के लिए राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड और कर्नाटक तथा तेलंगाना राज्यों के कुछ हिस्सों में उगाने हेतु जारी किया गया।
- 12 फसल उत्पादन एवं परिक्षण तकनीकी तथा विभिन्न फसलों की नौ किस्मों को पैकेज एवं प्रेक्टीसेज में सम्मिलित किया गया।

- इस वर्ष अन्य फसलों जैसे मूंग, मोठ, ग्वार, गेहूँ, राया, चना, जीरा, धनिया, मैथी, ईसबगोल एवं मिर्च का कुल 879 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया। इसी तरह जायद में संकर बाजरा एम.पी.एम.एच. 17 का 117 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया।
- MIDH योजना अन्तर्गत बीजीय मसालों का उच्च गुणवत्तायुक्त बीजोत्पादन विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर किया गया।
- कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर पर आत्मा परियोजना के अंतर्गत 10 कृषक प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया, जिसमें 295 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

1.4.4.2 तकनीकी विस्तार/हस्तांतरण

- प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं अटारी जोन–II जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत दलहनी फसलों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कुल 62 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- वर्ष 2019 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के सभी छः कृषि विज्ञान केन्द्रों पर "सुरक्षित भंडारण" डब्ल्यू.डी. आर.ए. कार्यशालाएं/कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित जल शक्ति अभियान मेलों का आयोजन दिनांक 3.09.2019 को किया गया। इसका उद्देश्य किसानों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। सभी 6 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित मेलों में लगभग 5000 किसानों ने भाग लिया।
- दिनांक 11.09.2019 को सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुओं में फैलने वाली खुरपका, मुँहपका एवं ब्रुसोलिस रोग के नियंत्रण हेतु पालतु पशुओं का टीकाकरण किया गया एवं कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी उपलब्ध कराई गई।
- दिनांक 17.09.2019 सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों ने वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत किसानों को आमंत्रित कर वृक्षों और जंगल के महत्व के बारें जानकारी प्रदान की तथा प्रत्येक केन्द्र द्वारा 10,000 रूपये की वृक्षों की किसानों को मांग अनुसार वितरित की गई।
- दिनांक 2.10.2019 को गांधीजी की 150वीं जयंती के अवसर पर सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों ने स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया। अपने केन्द्रो तथा गांवों में सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाये। इस कार्यक्रम में लगभग 2000 किसानों ने भाग लिया।
- दिनांक 5.12.2019 का सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन पर किसानों को आमंत्रित कर उन्हें मृदा स्वास्थ्य के बारे जागरूकता बढ़ाने हेतु व्याख्यान दिलाये गये तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों पर चल रही मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। इस अभियान में लगभग 2500 किसानों ने भाग लिया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र जालोर, सिरोही, अठीयासन, मौलासर, फलोदी एवं गुढ़ामालानी द्वारा लगभग 1000 मृदा और जल नमूनों का परीक्षण वर्ष 2019 के दौरान किया गया।

1.4.4.3 बुनियादी ढांचे का विकास

- कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में कन्या छात्रावास का निर्माण शुरू कर दिया गया है।
- कृषि महाविद्यालय, नागौर का नवनिर्मित भवन का कार्य पूर्ण हो गया है तथा महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र सुचारू रूप से चलाया जा रहा है। यह भवन लोकार्पण के लिए तैयार है।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, फलोदी और गुडामलानी के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन लोकार्पण/समर्पण के लिए तैयार है।
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कौशल विकास केंद्र, बीज प्रसंस्करण इकाई एवं कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (ATIC) के भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- बीज हब परियोजना के अन्तर्गत कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, सुमेरपुर बीज गोदाम का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

1.4.5 ग्राम गोद कार्यक्रम

राजभवन राजस्थान से प्राप्त निर्देशों के अनुसार जोधपुर जिले का लूणी गाँव को ग्राम गोद कार्यक्रम के अर्न्तगत कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा गोद लेकर स्मार्ट गाँव के रुप में विकसित किया जा रहा है। इस गाँव में निम्न लिखित प्रशिक्षण आयोजित किये गयेः–

प्रशिक्षण	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
स्वास्थ्य शिविर	18.01.2019	300
कृषक वैज्ञानिक सवांद	07.03.2019	100
पशुपालन जागरूकता एवं पशुचिकित्सा शिविर	30.05.2019	60
खरीफ फसलों की उन्नत खेती	04.07.2019	100
पौध रोपण अभियान के तहत पौध रोपण पर कृषक प्रशिक्षण	09.08.2019	150

1.4.6 नवीन योजनाऐं/नीतियाँ/नवाचार

- राष्ट्रीय उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.) के तहत अगले 3 वर्षों में कृषि विश्वविद्यालय के तीनों महाविद्यालयों में बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, कक्षाओं और संकाय के सुधार को मजबूत करने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी मोड में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को कुल 495.82 लाख रूपये मंजूर किए गए हैं।
- वर्तमान शैक्षिक सत्र 2019 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा कीट विज्ञान और कृषि प्रसार शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री शुरू की गई है।
- कृषि इनपुट डिलर्स के लिए 40 कक्षा सत्रों एवं 8 क्षेत्र यात्राओं के साथ 48 सप्ताह की अवधि का डिप्लोमा पाठ्यक्रम कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधुपर, प्रसार शिक्षा निदेशालय, जोधपुर, कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन (नागौर), कृषि विज्ञान केन्द्र, फलौदी एवं कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, नागौर सहित विश्वविद्यालय में कुल पांच डिलर्स डिप्लोमा कोर्स, 2019 में शुरू किये गये।
- वित्त वर्ष 2019–20 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 856 लाख रूपये प्राप्त हुए।
- वित्त वर्ष 2019–20 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित एस सी – एस पी परियोजना की स्वीकृती मिली।

1.4.7 राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP)

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजना स्वीकृत की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षा स्तर को बढ़ाना है जिसमें आधारभूत संरचना, प्राध्यापकों को एवं विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर को उठाना हैं जिससे की यह एक वैश्विक स्तरीय मानको पर खरी उतर सके। इसमें कृषि से संबंधित गुणवता एवं प्रासंगिकता पर जोर देना निहीत हैं। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को कुल 495.82 लाख की वित्तिय स्वीकृति पांच वर्षों के लिए (वित्तिय वर्ष 2017–18 से 2021–2022 तक) प्रदान की गई है। इसके क्रियान्वयन के तहत विश्वविद्यालय को मान्यता प्राप्त हुई है जो कि विश्वविद्यालय का इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य था। इस परियोजना में विश्वविद्यालय के संघटक तीनों महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम, सीसीटीवी कैमरा,

स्मार्ट गाँव लूणी में स्वच्छता जागरूकता रैली

स्मार्ट गाँव लूणी में कृषक वैज्ञानिक सवांद

आधुनिक प्रयोगशाला उपकरणों की स्थापना के साथ प्रयोगशाला नवीनीकरण, फ्यूमीगेशन चेम्बर, पशुशाला एवं कम्पोस्ट खाद इकाई की स्थापना की गई। इसके अन्तर्गत प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के समुचित विकास के लिए देश–विदेश के विभिन्न संस्थानों में सम्मेलनों, सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। विश्वविद्यालय के तीनों संघटक महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में हर विषय की प्रर्याप्त संख्या में पुस्तकें उपलब्ध करवानें में भी राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना का प्रशंसनीय योगदान हैं।

1.4.8 माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र द्वारा उन्नत कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन

माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने जय नारायण व्यास विश्वविद्याल द्वारा गोदित गाँव नांदड़ा कल्ला में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा उन्नत कृषि तकनीकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर इस प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को प्रचार–प्रसार की जा रही उन्नत तकनीक जैसे मृदा परीक्षण, जल संरक्षण, वेस्ट डिकम्पोजर द्वारा जैविक खेती, संरक्षित खेती इत्यादी उन्नत तकनीकों की जानकारी राज्यपाल महोदय को अवगत कराई। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा विकसित संकर बाजरे की उन्नत किस्म एम.पी.एम.एच 17 एवं एम.पी.एम.एच 21 तथा तिल की किस्म आर.टी. 351 एवं आर.टी. 372 के बारे में भी जानकारी दी जो नवीनतम विकसित किस्में है और किसानों में अत्यंत लोकप्रिय हो रही हैं। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के गोदित गाँव नेवरा रोड़ में की गई गतिविधियों की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

1.4.9 प्रथम राष्ट्रीय सब्जी विज्ञान कांग्रेस का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर में प्रथम राष्ट्रीय स्तरीय सब्जी विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया। जिसमें सब्जी विज्ञान से संबंधित देश के विभिन्न भागों से लगभग 300 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी , भारतीय सब्जी विज्ञान समिति, समन्वित कृषि विकास समिति एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में 1–3 फरवरी, 2019 तक चला। विभिन्न सत्रों में सब्जी उत्पादन में वृद्धि, इनकी गुणवत्ता में उन्यन, फसल कटाई उपरान्त प्रबंधन, सब्जी उत्पादक किसानों की समस्याओं इत्यादि पर चर्चा की गई।

1.4.10 प्रथम दीक्षान्त समारोह का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रथम दीक्षान्त समारोह का आयोजन दिनांक 04.08.2019 को आयोजित किया गया। इस समारोह में वर्ष 2017 के स्नातक के 69 विद्यार्थियों एवं 2018 के 85 विद्यार्थियों को कृषि स्नातक की उपाधि दी गई। इसके साथ ही 11 विद्यार्थियों को कृषि स्नातकोत्तर की उपाधि दी गई। इस समारोह में 5 छात्र–छात्राओं को स्वर्ण–पदक भी प्रदान किया गया। दीक्षान्त समारोह के दौरान स्वर्ण–पदक प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राएँ सूची निम्नानुसार हैः–

नाम	उपाधि	वर्ष
रामराज कड़वासरा	कृषि स्नातक	2017
भावना सिंह राठौड़	कृषि स्नातक	2018
अंजली जींगर	कृषि स्नातकोत्तर (शस्य विज्ञान)	2018
निर्मला	कृषि स्नातकोत्तर (उद्यान विज्ञान)	2018
गोविन्द गोयल	कृषि स्नातकोत्तर (पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी विज्ञान)	2018

1.4.11 स्थापना दिवस

दिनांक को 14.09.2019 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का सप्तम् स्थापना दिवस उल्लासपूर्ण रूप से मनाया गया। इस शुभअवसर पर मुख्य अतिथि डॉ भगीरथ सिंह, कुलपति, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति डॉ एल एन हर्ष ने सीमित समय में प्रगति की उसकी भुरी–भुरी प्रशंसा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी वर्ग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा माननीय नवनियुक्त कुलपति प्रो बी आर चौधरी साहब का स्वागत एवं नागरिक अभिनंदन किया। इस शुभअवसर पर कृषि महाविद्यालय जोधपुर की छात्राओं द्वारा रंगारंग नृत्य प्रस्तुतिया दी गई।

1.4.12 स्वतंत्रता दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 73 वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री छगनलाल श्रीमाली, कुलसचिव कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात् कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, देश भक्ति कविताएँ, गीत तथा भाषण प्रस्तुत किए गए। माननीय कुलसचिव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए देश की

स्वतंत्रता के लिए शहीदों द्वारा दी गई कुर्बानी को याद किया एवं देशभक्तों को नमन किया। इस दौरान कृषि विश्वविद्यालय, कृषि महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र के कर्मचारी, अधिकारी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहें।

1.4.13 तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के निदेशक का भ्रमण

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड, जोधपुर के उच्च स्तरीय अधिकारियों के बीच औपचारिक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड, जोधपुर के ग्रुप जनरल मेनेजर श्रीमान सुनील वाधवा एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के माननीय कुलपति डॉ बी आर चौधरी के मध्य औपरिक बैठक के दौरान दोनों संस्थानों के मध्य आपसी सहयोग की जरूरत पर जोर दिया गया। श्री वाधवा ने प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड, जोधपुर को कृषि से संबंधित तकनीकी सहयोग की आव यकता को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय से अपेक्षा की और अपने परिसर को कृषि विश्वविद्यालय के माध्यम से हरित सौन्दर्यकरण में विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों की भागीदारी की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय के बहुमुखी विकास में हर सम्भव सहायता का भरोसा दिया। इस बैठक में प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड, जोधपुर के श्री आर एल मीणा, उप जनरल मैनेजर (वित्त) एवं श्री आर एस चौहान, जनरल मैनेजर मानव संसाधन ने आगे के परस्पर सहयोग के लिए विस्तृत चर्चा की और साथ ही आगे की कार्ययोजना बनाने की रूपरेखा तैयार करने की राह पर चर्चा की।

1.4.14 प्रो. आर पी सिंह का कृषि विश्वविद्यालय भ्रमण

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर की स्मार्ट कक्षा कक्ष एवं स्वच्छता गतिविधियों से प्रभावित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. आर पी सिंह ने दिनांक 07.12.2019 को कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय जोधपुर को इन कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्वच्छता अंकेक्षण में प्राप्त हुई उल्लेखनीय सराहना के लिए बधाई दी। अनुसंधान एवं विस्तार निदेशालय के अवलोकन उपरांत प्रो सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की किस्म एमपीएमएच–17 व तिल की किस्म आरटी–372 आने वाले समय में सफलता की नई ऊंचाईयां छुएगी।

1.4.15 लूणी विधायक श्री महेन्द्र जी बिश्नोई का विश्वविद्यालय दौरा

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रबंध मण्डल के सदस्य एवं माननीय लूणी विधायक श्री महेन्द्र जी बिश्नोई के प्रथम आगमन पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. बी.आर.

चौधरी साहब ने स्वागत किया। माननीय कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न परियोजनाओं के बारे में विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया व विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में माननीय विधायक को अवगत कराया। कृषि महाविद्यालय, जोधपुर द्वारा संचालित अन्तर कक्षा खेल–कूद प्रतियोगिता 2019 में शिरकत की और कबड्डी के फाइनल मैच का विधिवत उद्घाटन किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा संचालित बाजरा समन्वयक परियोजना के अनुसंधान प्रक्षेत्र फार्म का भ्रमण कर बाजरा पर हो रहे विभिन्न अनुसंधानों व मरूस्थलीय क्षेत्र में अच्छा उत्पादन देने वाली बाजरा किस्मों की जानकारी प्राप्त की। माननीय विधायक ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं व कार्यक्रमों की प्रशंसा की और राजस्थान सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को हर संभव सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।

2. अनुसन्धान निदेशालय

2.1 संस्थागत ढांचा

कृषि अनुसंधान निदेशालय का मुख्य कार्य प्रयोगों की योजना, समन्वय, निगरानी एवं आवश्यकता जनित कृषि उत्पादन तकनीकी व प्रौद्योगिकी का विकास करना हैं। निदेशालय की देखरेख में अनुसंधान के कार्य शस्य जलवायु खण्ड की कृषि आवश्यकतानुसार शोध कार्य किये जाते हैं। कृषि अनुसंधान के विभिन्न कार्य कृषि जलवायु खण्ड अनुसार नीचे दर्शाए केन्द्रों के माध्यम से किये जा रहे हैं।

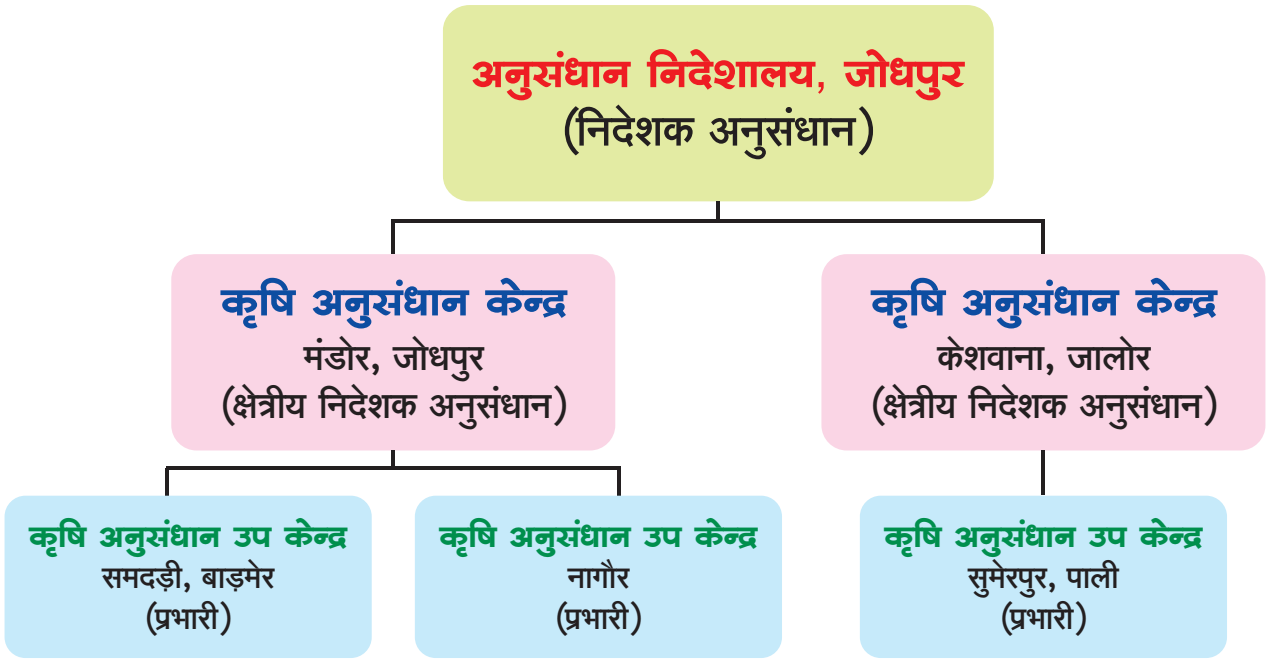

2.2 अनुसंधान निदेशालय कार्यक्षेत्र

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के क्षेत्राधिकार में राजस्थान के 6 जिले शामिल हैं, जिसमें कृषि जलवावीय खण्ड 1–अ (शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र) में बाड़मेर व जोधपुर जिले, खण्ड 2–ब (लूणी नदी का अंर्तवर्ती मैदानी क्षेत्र) में पाली, सिरोही व जालोर जिले तथा खण्ड 2–अ (अंर्तक्षेत्रीय जलोत्सरण का अर्न्तवर्ती मैदान क्षेत्र) में नागौर जिला शामिल हैं। निदेशालय के प्रत्येक केन्द्र व उप–केन्द्र के लिए उस क्षेत्र की कृषि परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए नेतृत्व, उत्तरदायित्व एवं सत्यापितकरण निर्धारित हैं।

2.3 अनुसंधान निदेशालय के प्रमुख उद्देश्य

- खरीफ एवं रबी की प्रमुख फसलों की उपयुक्त किस्मों की पहचान, विकास व उन्नत उत्पादन व संरक्षण तकनीकी विकसित करना।
- मुख्य फसलों की जल्दी पकने, सूखा सहने तथा कीड़े व रोगों के प्रति सहनशील/प्रतिरोधी किस्में विकसित करना।
- फसल उगाने हेतु वर्षा आधारित स्वस्थाने नमी संरक्षण तकनीकी विकसित करना।
- समन्वित खरपतवार, पौषक तत्व, कीड़े एवं बिमारियों के रोकथाम का प्रबन्धन, विभिन्न फसलों की फसल ज्यामिति, अन्तराशस्य और मिलवां फसल प्रणाली विकसित करना।
- विभिन्न फसलों के लिए दबाव सिंचाई प्रणाली का स्वचलनीकरण।
- विभिन्न फसलों विशेषकर सब्जियों, मसालों एवं औषधीय फसलों में जैविक कृषि तकनीकी विकसित करना।

- बागवानी फसलों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकीयों का विकास करना।
- कृषि जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन हेतु प्रयास करना।
- विभिन्न कृषि क्रियाओं का मशीनीकरण कर लागत कम करना।
- उन्नत किस्मों के बीज का उत्पादन करना।

2.4 प्रमुख उपलब्धियाँ

कृषि अनुसंधान केन्द्रों पर क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (ZREAC) आवश्यकता आधारित अनुसंधान कार्यक्रमों की योजनाऐं बनाने व उत्पादन एवं संरक्षण सिफ़ारिशों को अंतिम रूप देने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है। अतः जेड.आर.ई.ऐ.सी. द्वारा राज्य के कृषि जलवायु खंड I–अ तथा II–ब द्वारा वर्ष 2019–20 में सिफ़ारिश की गई की प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं :–

2.4.1 खरीफ 2019

1. निम्नलिखित किस्मों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज में शामिल किया गया–
   - मूंग – जी.ए.एम. 5 तथा जी.एम. 6
   - उड़द –एम.यू. 2 तथा पी.यु. 1
   - अरण्डी – जी.सी.एच. 8
2. मूंग की बीज उपज में वृद्धि हेतु फूल आने की अवस्था पर यूरिया के 2 प्रतिशत घोल व सेलिसिलिक अम्ल के 75 पीपीएम का पर्णीय छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।
3. तिल में 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर दर से जिंक सल्फेट (हेप्टाहाइड्रेट) व फेरस सल्फेट का बुवाई के समय मृदा अनुप्रयोग प्रभावी पाया गया।
4. बाजरा में 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से जिंक सल्फेट (हेप्टाहाइड्रेट) का बुवाई के समय मृदा अनुप्रयोग व फेरस सल्फेट का 0.5 प्रतिशत की दर से खड़ी फसल में 30 व 45 दिनों की अवस्था पर पर्णीय छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।
5. मूंगफली में खरपतवार नियंत्रण हेतु पेन्डीमेथालिन 30 ईसी + इमेजाथापर 2 ईसी (पूर्व मिश्रित) का 750 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के तुरन्त बाद (प्री–ईमरजेन्स) अथवा खड़ी फसल में सोडियम एसीफ्लूरफेन 16.5 प्रतिशत + क्लोडिनाफॉप प्रोपार्जिल 8 ईसी (पूर्व मिश्रित) का 180 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 15–20 दिनों की अवस्था पर छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।
6. तिल में अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा व पाउड्री मिल्ड्यु रोग की रोकथाम हेतु ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25 प्रतिशत + टेबूकोनाजोल 25 प्रतिशत (पूर्व मिश्रित) का 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर पर्णीय छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।
7. मूंग में रस चूसक कीड़ो की रोकथाम हेतु *वर्टीसिलियम लेकानी* का 10 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर पर्णीय छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।
8. नीम की खली 150 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर + नीम के पत्तों के रस का छिड़काव 10 प्रतिशत की दर से + ताजा गौ–मूत्र 15 प्रतिशत घोल का छिड़काव मूंग में कीट की संख्या को कम करने में प्रभावी पाया गया।

2.4.2 रबी 2019-20

1. निम्नलिखित किस्मों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज में शामिल किया गया–
   - गेहूँ – राज. 4079
   - चना – जी.एन.जी. 2171
   - राया – गिरीराज व आर.एच. 749
2. जीरे की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु पेंडामैथालिन 38.7 सी.एस. 677 ग्राम सक्रिय तत्त्व प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई से पूर्व छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।
3. राया की फसल में बुवाई के समय 10 कि.ग्रा. सूक्ष्म दाने के रूप में (माईक्रोग्रेन्यूल्स) सल्फर 67 प्रतिशत डब्ल्यु.जी. + 14 प्रतिशत जिंक (पूर्व मिश्रित) तथा बुवाई के 25–30 दिन बाद खड़ी फसल में 7.5 किग्रा सल्फर 90 प्रतिशत डब्ल्यु डी जी प्रति हैक्टेयर की दर से मृदा पर शीर्ष भुरकाव करना प्रभावी पाया गया।
4. राया, इसबगोल व जीरे की फसल में मोयला नियंत्रण के लिए *वर्टीसिलियम लेकानी* 5 ग्रा प्रति लीटर पानी की दर से पर्णीय छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।

5. नीम के पत्तों के रस का 50 प्रतिशत की दर से बुवाई के 70, 80 एवं 100 दिन पश्चात चने में फली छेदक के प्रबंध के लिए छिड़काव प्रभावी पाया गया।

6. मेथी में ट्राईकोड्रमा विरिडि 4 ग्राम प्रति कि.ग्रा. की दर से बीज उपचार व ई.सी. का 2.5 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से मृदा उपचार, नीम के बीज के रस का 5 प्रतिशत घोल का छिड़काव बुवाई के 60 दिन पश्चात, निम्बेसिडिन के 1000 पी.पी.एम. घोल का (01 मिली लीटर प्रति लीटर पानी) बुवाई के 70 एवं 85 दिन पश्चात छिड़काव चुर्निल आसिता के नियंत्रण के लिए प्रभावी पाया गया।

2.4.3 तिल की उन्नत किस्म - आर.टी. 372

इस विश्वविद्यालय अन्तर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर द्वारा सफेद बीज वाली तिल नई किस्म आर.टी. 372 विकसित की गई। इस किस्म में औसतन 41 दिन में फूल आ जाते है तथा 87 दिन पकाव अवधि है। इस किस्म की औसत बीज उपज 610 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा तेल उपज 321 किलो प्रति हेक्टेयर होती है। यह किस्म अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा, जीवाणु पत्ती धब्बा और पाउड्री मिल्ड्यू रोगों के लिए प्रतिरोधी है तथा पत्ती मोड़क व कैप्सूल बोरर (एंटीगास्ट्रा) कीट के लिए सहनशील है। अतः बीज, तेल उपज और रोग प्रतिरोधी गुणों को देखते हुए, आर.टी. 372 को देश के जोन–1 में खरीफ मौसम की वर्षापोषित स्थिति के लिए राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड और कर्नाटक तथा तेलंगाना राज्यों के कुछ हिस्सों में उगाने हेतु जारी किया गया।

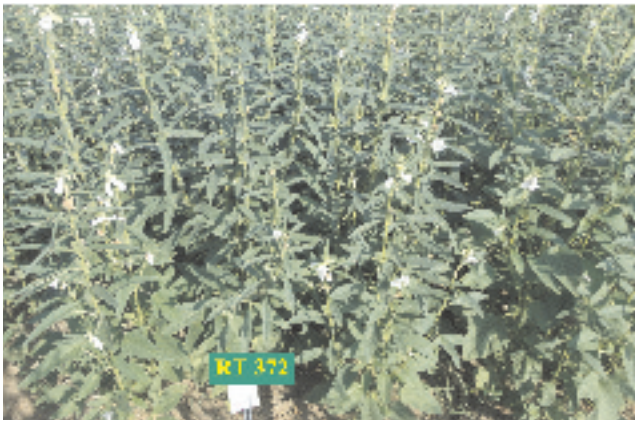

तिल किस्म आर.टी. 372

2.5 बीजीय मसालों पर सी.एस.एस. परियोजना

सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) कालीकट, केरल द्वारा पूर्णतः वित्त पौषित योजना, जो कि केन्द्रीय प्रायोजित योजना–मिशन फॉर इन्टीग्रेटेड होर्टीकल्चर डवल्पमेन्ट (एम.आई.डी.एच.) के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर पर संचालित की जा रही है। इस योजना के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:–

- बीजीय मसालों का उन्नत किस्मों का बीज उत्पादन तथा वितरण।
- बीज विधायन तथा भण्डारण हेतु बुनियादी ढाँचा विकसित करना।
- अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा प्रौद्योगिकी का प्रसार–प्रचार।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमीनार, कार्यशाला तथा किसान गोष्ठी इत्यादि का आयोजन कर उन्नत तकनीकियों का प्रचार–प्रसार करना।

उक्त उद्देश्यों के अंर्तगत विश्वविद्यालय द्वारा बीजीय मसालों पर कार्य किया जा रहा हैं। जिसका वर्ष 2019–20 में प्रगति विवरण निम्ननुसार हैं :–

- योजना के अंतर्गत बीजीय मसालों का उच्च गुणवत्तायुक्त बीजोत्पादन विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर किया गया जिनकी मात्रा निम्नानुसार हैं–

केन्द्र	बीज उत्पादन (क्विंटल)			
	जीरा	मैथी	सौंफ	सुवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र व कृषि महाविद्यालय, मण्डोर	29.2	4.46	8.45	4.63
कृषि अनुसंधान केन्द्र, केशवाना, जालोर	30.14	–	–	–
कृषि विज्ञान केन्द्र, केशवाना, जालोर	25.72	–	–	–
कुल	87.61	4.46	8.45	4.63

- अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा बीजीय मसालों की उन्नत कृषि तकनीकों का प्रचार–प्रसार करने हेतु जीरे के 40 प्रदर्शन 20 है. क्षेत्र में लगाये गये। इन प्रदर्शनों में जीरे की 31 प्रतिशत अधिक उत्पादकता दर्ज की गई। किसानों को विभिन्न आदान जैसे कि बीज, उर्वरक, खरपतवारनाशी, कीटनाशी, फफूंदनाशी इत्यादि प्रदान किये गये।

जीरा के 2018–19 के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों के लिए किसानों को आदान वितरण

- बीजीय मसाला फसलों की उन्नत तकनीकी का प्रचार–प्रसार करने हेतु दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 21 व 22 फरवरी को कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर पर आयोजन किया गया। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं सुपारी और मसाला विकास निदेशालय कालिकट के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'पश्चिमी राजस्थान में मसाला फसलों की उत्पादन तकनीकी' पर दो दिवसीय जिला स्तरीय संगोष्ठी में मसाला फसलों के महत्व के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इस संगोष्ठी में 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें प्रगतिशील किसान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के तकनीकी कर्मचारी व कृषि विभाग के अधिकारी सम्मिलित थे। इसके अलावा चार कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः समदड़ी (बाड़मेर), गुडामालानी (बाड़मेर), खाकर्की (नागौर) तथा बिलाड़ा (जोधपुर) में आयोजित किये गये, जिनमें कुल 400 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्नत कृषि क्रियाओं की जानकारी प्राप्त की।

विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते प्रतिभागी कृषकगण

2.6 क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड.आर.ई.ऐ.सी.) की बैठक

- कृषि जलवायु खण्ड 1–अ (पश्चिमी शुष्क मैदानी क्षेत्र) की क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (ZREAC) खरीफ–2019 की बैठक दिनांक 25 व 26 फरवरी 2019 को आयोजित की गई।
- खण्ड 2–ब (लूणी नदी का अन्तर्वर्ती मैदान क्षेत्र) की यह बैठक दिनांक 27 व 28 फरवरी 2019 को आयोजित की गई। बैठकों में राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड. आर.ई.ए.सी.) रबी–2019–19 खण्ड–1 अ की बैठक दिनांक 24–25 सितम्बर 2019 को तथा खण्ड 2–ब की बैठक दिनांक 19–20 सितम्बर 2019 को आयोजित की गई। इन बैठकों में दोनों कृषि जलवायु खण्डों स्थित राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

2.7 कार्यशाला/प्रशिक्षणों का आयोजन

कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर पर आत्मा परियोजना के अंतर्गत 11 कृषक प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया, जिसमें 325 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। इन प्रशिक्षणों में एक अर्न्तराज्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

- कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर पर कम प्रचलित दलहनी फसलों पर किसान प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन दिनांक 01.10.2019 को किया गया। यह कार्यक्रम किर्क हाउस ट्रस्ट (KIRK House Trust) प्रोजेक्ट के तहत् किया गया, जिसमें बावड़ी क्षेत्र के 60 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। इस परियोजना का उद्देश्य सूखा–सहिष्णु फसलों का भारत एवं अफ्रीकन देशों के बीच आदान–प्रदान करना तथा उनका यहां पर परीक्षण करने के पश्चात् अच्छी किस्मों को किसानों के बीच प्रचलित किया जाना ताकि इस सूखा क्षेत्र के लोगो को इन दलहनों के माध्यम से प्रोटीन की प्रचुर मात्रा में उपलब्ध करवाई जा सके।

क्र.सं.	प्रशिक्षण विवरण	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षणार्थी संख्या
अ.	**अर्न्तराज्य प्रशिक्षण**		
1.	समन्वित कृषि पद्धति (मंदसौर, मध्यप्रदेश)	7–11 जनवरी, 2019	25
ब.	**राज्य प्रशिक्षण**		
1.	राया व चने की फसलों में उत्पादन तकनीक व प्रबन्धन	18–19 जनवरी, 2019	30
2.	सब्जियों मे पोषक तत्व प्रबन्धन एवं बीजोपचार	21–22 जनवरी, 2019	30
3.	वर्षाकालीन फल एवं सब्जियों में समन्वित पोषण तत्व प्रबन्धन एवं बीज उपचार	22–23 अगस्त, 2019	30
4.	वर्षा ऋतु में पषुओं की देखभाल– सामान्य बीमारियों से बचाव के उपाय एवं प्रबन्धन	29–30 अगस्त, 2019	30
5.	दलहन फसलों में खरपतवार प्रबन्धन	6–7 सितम्बर, 2019	30
6.	फल उद्यानों का संस्थापन एवं प्रबन्धन	19–20 सितम्बर, 2019	30
7.	सब्जियों में समन्वित पोषक–तत्व प्रबन्धन एवं बीज उपचार, वर्षाकालीन फल एवं सब्जियों का परीरक्षण एवं सुखाना	21–22 नवम्बर, 2019	30
8.	जीरा एवं सौफ की उत्पादन तकनीकी	27–28 नवम्बर, 2019	30
9.	रबी फसलों में समन्वित पोषण प्रबन्धन एवं पौध संरक्षण	4–5 दिसम्बर, 2019	30
10.	ईसबगोल की फसल में ड्रिप सिंचाई पद्धति की स्थापना, लाभ एवं प्रबन्धन	30–31 दिसम्बर, 2019	30

- कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्– सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर के तत्वाधान में ओसियां के पड़ासला गांव में दिनांक 29.01.2019 को तथा नागौर के खुण्डाला गांव में दिनांक 30.01.2019 को सरसों "अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन" के माध्यम से जोधपुर संभाग में रेप–सीड एवं सरसों की उन्नत उत्पादन तकनीकी "मूल्यांकन और हस्तानान्तरण" परियोजना अर्न्तगत प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रक्षेत्र दिवस के दौरान पड़ासला, खुण्डाला व नागड़ी के 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया तथा कृषि की उन्नत जानकारी का लाभ उठाया। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के वैज्ञानिकों ने किसानों को सरसों की उन्नत उत्पादन तकनीकी, सरसों में लगने वाले प्रमुख रोग–कीटों के रोकथाम व नियन्त्रण की जानकारी दी।

पड़ासला, ओसियां, जोधपुर एवं खुण्डाला, नागौर में सरसों "अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के माध्यम से जोधपुर संभाग में सरसों की उन्नत उत्पादन तकनीकी मुल्यांकन व हस्तांतरण के लिए प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन।

पड़ासला, ओसियां, जोधपुर एवं खुण्डाला, नागौर में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

2.8 बीज उत्पादन

कृषि विश्वविद्यालय अधीनस्थ विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों/संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों पर खरीफ, रबी व जायद में विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के प्रजनक व ट्रयूथफुली लेवल्ड (सत्यापित) बीज के उत्पादन से विधायन तक के कार्य की देख रेख करता है। साथ ही जहाँ आवश्यकता हो वहाँ पर विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के आधार तथा प्रमाणित बीज उत्पादन व विधायन कार्य की देखरेख भी करता है। विश्वविद्यालय में उत्पादित बीज (प्रजनक/आधार बीज) को अन्य बीज उत्पादन संस्थानों जैसे राजस्थान राज्य बीज निगम, राष्ट्रीय बीज निगम तथा निजी बीज उत्पादन करने वाली कम्पनियों को उपलब्ध करवाता है तथा साथ ही अनुसंधान संस्थान व कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से राज्य के किसानों को सत्यापित/ प्रमाणित बीज उपलब्ध करवाने का कार्य भी करता है। विश्वविद्यालय की वर्ष 2018–19 में बीज उत्पादन प्रगति निम्नानुसार है–

प्रजनक बीजः वर्ष 2018 खरीफ में तिल की आर.टी. 346 व आर.टी. 351 का 7.55 क्विंटल एवं बाजरा के एम.पी.एम.एच. 17 व 21 के मादा व नर पैतृकों का 40.56 क्विंटल प्रजनक बीज (तालिका 1) तथा रबी में गेहूँ राज. 4079 का 16.37 क्विंटल प्रजनक बीज (तालिका 4) उत्पादित किया गया।

आधार/प्रमाणित बीजः विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2018 में तिल, आर.टी. 351 का 108.86 क्विंटल आधार बीज व बाजरा, एम.पी.एम.एच. 17 का 3.40 क्विंटल प्रमाणित बीज तथा रबी 2018–19 में जीरा का 5.14 क्विंटल आधार बीज उत्पादित किया गया ।

सत्यापित (ट्रयूथफुली लेवल्ड) बीजः खरीफ 2018 में विश्वविद्यालय के अलग–अलग केन्द्रों पर फसलों की विभिन्न किस्मों का कुल 376.35 क्विंटल टी.एल. बीज (तालिका 3) उत्पादित किया गया, जिसमें मूंग 369.13 क्विंटल, मोठ 3.29 क्विंटल एवं ग्वार 3.90 उत्पादित किया गया ।

विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर फसलों की अलग–अलग किस्मों का रबी 2018–19 में कुल बीज 248.01 क्विंटल उत्पादित किया गया जिसमें गेहुँ 70.94 क्विंटल, राया 32.98 क्विंटल, चना 73.30, जीरा 51.12 क्विंटल, सौंफ 5.07 क्विंटल, मैथी 3.56 क्विंटल, सुआ 2.45 क्विंटल तथा ईसबगोल 8.59 क्विंटल उत्पादित किया गया (तालिका 5)।

इसी के साथ विश्वविद्यालय के अथक प्रयासों द्वारा संकर बाजरा, एम.पी.एम.एच. 17 व 21 का जायद 2019 में 74.31 क्विंटल बीज मण्डोर, जालोर व सुमेरपुर केन्द्रों पर उत्पादित किया गया (तालिका 6)।

तालिका 1. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2018 में प्रजनक बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र		कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कुल बीज
		मण्डोर	जालोर		
बाजरा	एम.पी.एम.एच. 17 आई.सी.एम.ए. 04999	11.79	–	–	11.79
	आई.सी.एम.बी. 04999	9.16	–	–	9.16
	एम.पी.एम.एच. 17 (नर पैतृक) एम.आई.आर. 525–2	–	–	6.95	6.95
	एम.पी.एम.एच. 21 (मादा पैतृक) आई.सी.एम.ए. 93333	4.30	–	–	4.30
	आई.सी.एम. बी . 93333	1.90	–	–	1.90
	एम.पी.एम.एच. 21 (नर पैतृक) एम.आई.आर. 524	–	–	7.24	7.24
	एम.बी.सी. 2	–	1.22	–	1.22
	कुल बाजरा बीज उत्पादन	**25.15**	**1.22**	**14.19**	**40.56**
तिल	आर.टी. 346	2.73	–	–	2.73
	आर.टी. 351	4.82	–	–	4.82
	कुल तिल बीज उत्पादन	**7.55**	–	–	**7.55**
	कुल प्रजनक बीज उत्पादन	**32.70**	**1.22**	**14.19**	**48.11**

तालिका 2. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2018 में फसलवार आधार/प्रमाणित बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र/उप केन्द्र						कुल बीज
		बिलाड़ा	जालोर	सुमेरपुर	रसीयावास	नागौर	मौलासर	
बाजरा	एम.पी.एम.एच. 17	–	–	–	–	3.40	–	**3.40**
तिल	आर.टी. 351	14.98	2.54	63.38	21.69	1.69	4.58	**108.86**
कुल सी.एस./एफ.एस. उत्पादन		**14.98**	**2.54**	**63.38**	**21.69**	**5.09**	**4.58**	**112.26**

तालिका 3. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2018 में फसलवार सत्यापित बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र/उप केन्द्र						कृषि विज्ञान केन्द्र				कृषि महा–विद्यालय, मण्डोर	कुल बीज
		मण्डोर	जालोर	सुमेरपुर	रसीयावास	नागौर	समदड़ी	जालोर	सिरोही	नागौर	मौलासर		
मूंग	जी.एम. 4	16.81 +42.74	7.00	27.27	51.05	18.50	15.60		–		20.30	24.00	223.27
	जी.ए.एम. 5	2.48	–	9.05	63.43	2.08		5.0	–	5.00	–	–	87.04
	जी.एम. 6	10.01	3.92	32.65	–	–	–	–	–	–	–	–	46.58
	आई.पी.एम.02–03	–	–	–	–	–	–	–	1.00	–	–	–	1.00
	एम.एच. 421	–	–	–	–	–	–	–	0.89	1.73	8.65	–	11.27
	कुल मूंग बीज	**72.04**	**10.92**	**68.97**	**114.48**	**20.58**	**15.60**	**5.00**	**1.89**	**6.73**	**28.95**	**24.00**	**369.16**
मोठ	आर.एम.ओ. 435	0.69	–	–	–	–	2.60	–	–	–	–	–	3.29
ग्वार	आर.जी.एम. 112	3.90	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	3.90
कुल बीज उत्पादन		**76.63**	**10.92**	**68.97**	**114.48**	**20.58**	**18.20**	**5.00**	**1.89**	**6.73**	**28.95**	**24.00**	**376.35**

+बिलाड़ा फार्म

तालिका 4. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर रबी 2018–19 में प्रजनक/आधार बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर	कुल बीज
गेहूँ	राज. 4079 (प्रजनक बीज)	16.37	16.37
जीरा	जी.सी. 4 (आधार बीज)	5.14	5.14
	कुल बीज उत्पादन	**21.51**	**21.51**

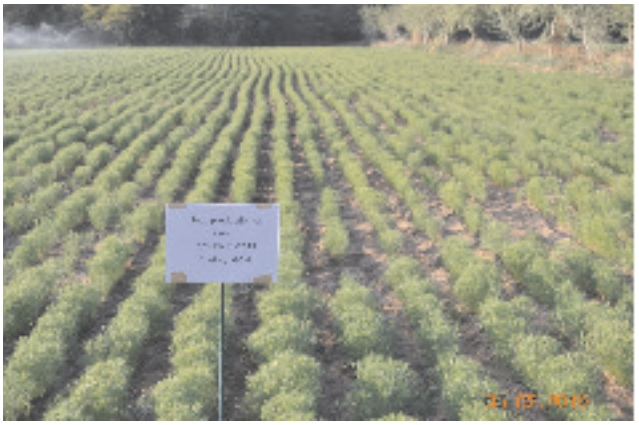

बीज उत्पादन फसलें रवी 2018–19

तालिका 5. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर रबी 2018–19 में फसलवार सत्यापित बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र		कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कृषि महा–विद्यालय, मण्डोर	कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही	कुल बीज
		मण्डोर	जालोर				
गेहूँ	राज. 4083	18.92	–	–	–	–	18.92
	जी.डब्ल्यू. 11	19.62	–	–	–	–	19.62
	+ जी.डब्ल्यू. 11	32.40		–	–	–	32.40
	कुल गेहूँ बीज	**70.94**	–	–	–	–	**70.94**
राया	एन.आर.सी.एच.बी.101	11.82	–	–	–	–	11.82
	आर.एच. 749	1.98	–	–	–	–	1.98
	सी.एस. 54	–	19.18	–	–	–	19.18
	कुल राया बीज	**13.80**	**19.18**	–	–	–	**32.98**
चना	जी.एन.जी. 1958	–	–	40.95	–	–	40.95
	जी.एन.जी. 1581	–	17.65	–	–	–	17.65
	आर.एस.जी. 974	–	–	–	–	14.70	14.70
	कुल चना बीज	–	**17.65**	**40.95**	–	**14.70**	**73.30**
जीरा	जी.सी. 4	1.45	28.74	–	5.51	2.55	38.25
	+ जी.सी. 4	12.87	–	–	–	–	12.87
	कुल जीरा बीज	**14.32**	**28.74**	–	**5.51**	**2.55**	**51.12**
सौंफ	ए.एफ. 2	5.07	–	–	–	–	5.07
मैथी	आर.एम.टी. 305	3.56	–	–	–	–	3.56
सुआ	ए.डी. 2	2.45	–	–	–	–	2.45
ईसबगोल	आर.आई. 1	8.59	–	–	–	–	8.59
कुल बीज उत्पादन (क्विंटल)		**118.73**	**65.57**	**40.95**	**5.51**	**17.25**	**248.01**

+बिलाडा फॉर्म

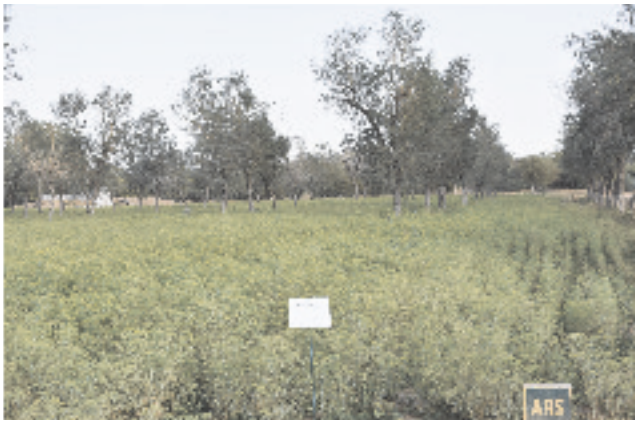

बीज उत्पादन फसलें रवी 2018–19

तालिका 6. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर जायद 2019 में संकर बाजरा बीज उत्पादन (क्विंटल)

किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र		कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कृषि महाविद्यालय, मण्डोर	कुल बीज
	मण्डोर	जालोर			
एम.पी.एम.एच. 17 (संकर)	34.35	14.34	24.02	1.60 (एम.पी.एम.एच. 21)	**74.31**

2.9 भा.कृ.अ.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना

अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के परियोजना समन्वयक का मुख्यालय कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर पर स्थित है। इस परियोजना द्वारा किए गए मुख्य अनुसंधान कार्यों का सारांश विषयवार निम्नानुसार है –

2.9.1 पादप प्रजनन

- परियोजना द्वारा विगत वर्ष में 01 किस्म (बी.एच.बी. 1602) भारत सरकार द्वारा अधिसूचित की गई तथा आठ किस्में क्रमशः पी.बी. 1852, जे.के.बी.एच. 1326, आर.एच. बी. 234, आर.एच.बी. 233, डी.एच.बी.एच. 1397, ए.एच. बी.1269, प्रोएग्रो 9450 एवं फूले महाशक्ति अधिसूचना के लिए स्वीकृत की गई।
- DUS परीक्षण के अन्तर्गत 34 प्रविष्टियाँ 26 विभिन्न लक्षणों के लिए परियोजना मण्डोर एवं महात्मा फूले कृषि विद्यापीठ, राहुरी में लगाई गई।
- अखिल भारतीय बाजरा अनुसंधान परियोजना–मण्डोर द्वारा पादप प्रजनन से संबधित 139 प्रयोग बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलता पूर्वक लगाऐ गये।

2.9.2 शस्य विज्ञान

- वर्ष 2019–20 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ. एस.एम.) कार्यक्रम के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा इस परियोजना के अंतर्गत 306.4 हैक्टेयर में अग्र पंक्ति प्रदर्शन राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु राज्यों में सफलतापूर्वक लगाये गये।
- बायोवर्सिटी इन्टरनेशनल के तहत बाजरे की विभिन्न किस्मों तथा कृषकों से प्राप्त किस्मों एवं 14 विभिन्न Landraces को कृषकों के खेत एवं परियोजना फार्म पर प्रदर्शन एवं अनुसंधान हेतु लगाये गये।
- अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना मंडोर द्वारा शस्य विज्ञान से संबंधित 03 प्रयोग बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलतापूर्वक लगाये गये।

2.9.3 पादप व्याधि विज्ञान

- वर्ष 2019 में परियोजना द्वारा पादप व्याधि विज्ञान के प्रयोगों के तहत कुल 333 संकर किस्म/पैतृक पंक्तियों का (Parental Line) बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर परीक्षण किया गया।

2.9.4 पादप कार्यिकी

- वर्ष 2019 में परियोजना द्वारा पादप कार्यिकी विभाग से संबधित 6 प्रयोग बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलता पूर्वक लगाये गये।

2.9.5 पादप जैव प्रौद्योगिकी

- वर्ष 2019 में परियोजना द्वारा जैव प्रौद्योगिकी के प्रयोगों के तहत 52 संकर किस्मों का डी.एन.ए. पृथक्करण किया गया एवं 120 एस.एस.आर. मार्करों की सहायता से उनका आण्विक निरुपण किया गया।

2.9.6 अन्य आयोजन

- भा.कृ.अ.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना की 54वीं वार्षिक बैठक का आयोजन 15–17

मार्च, 2019 के दौरान आईएआरआई, नई दिल्ली में किया गया।

- 16 सितम्बर, 2019 को केन्द्रीय शुष्क अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर में किसान मेला और किसान नवाचार दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें परियोजना समन्वयक इकाई ने भाग लिया और किसानों के समक्ष विभिन्न बाजरा की संकर किस्मों का प्रदर्शन किया एवं नवीन तकनीकों की जानकारी दी।

- भा.कृ.अ.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना द्वारा 1 अक्टूबर, 2019 को पी पी वी और एफ आर अधिनियम के तहत् डी यू एस परीक्षण तथा प्रशिक्षण एवं सहजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें किसानों, वैज्ञानिकों, राज्य कृषि विभाग और राज्य बीज निगम के अधिकारियों के साथ किसानों ने भी भाग लिया।

- पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण निगरानी टीम द्वारा दिनांक 19 अक्टूबर, 2019 को DUS परीक्षण प्रक्षेत्रों का अवलोकन किया गया।
- श्री महेन्द्र विश्नाई, विधायक और सदस्य प्रबन्ध मण्डल, कृषि विश्वविधालय, जोधपुर ने 11 अक्टूबर, 2019 को भा.कृ.अ.प.– अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के प्रक्षेत्रों का अवलोकन किया।

3 प्रसार शिक्षा निदेशालय

3.1 संस्थागत ढांचा

प्रसार शिक्षा का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण, प्रदर्शन, कृषि सलाह व अन्य प्रसार माध्यमों से प्रभावी कृषि प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण कर मानव संसाधन विकास, ग्रामीण समुदाय की समृद्धि, कृषक एवं कृषक महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक उत्थान, ग्रामीण युवाओं हेतु कृषि आधारित स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना है। यह कार्य कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अधीन कार्यरत प्रसार शिक्षा निदेशालय के माध्यम से 6 कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा संपादित किया जा रहा है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय का मिशन कृषकों की आय बढाना, आजीविका सुरक्षा, फसल विविधता जोखिम एवं कृषि की स्थिरता की गुणवत्ता में सुधार हेतु सामाजिक समानता एवं समावेश विकास करना।

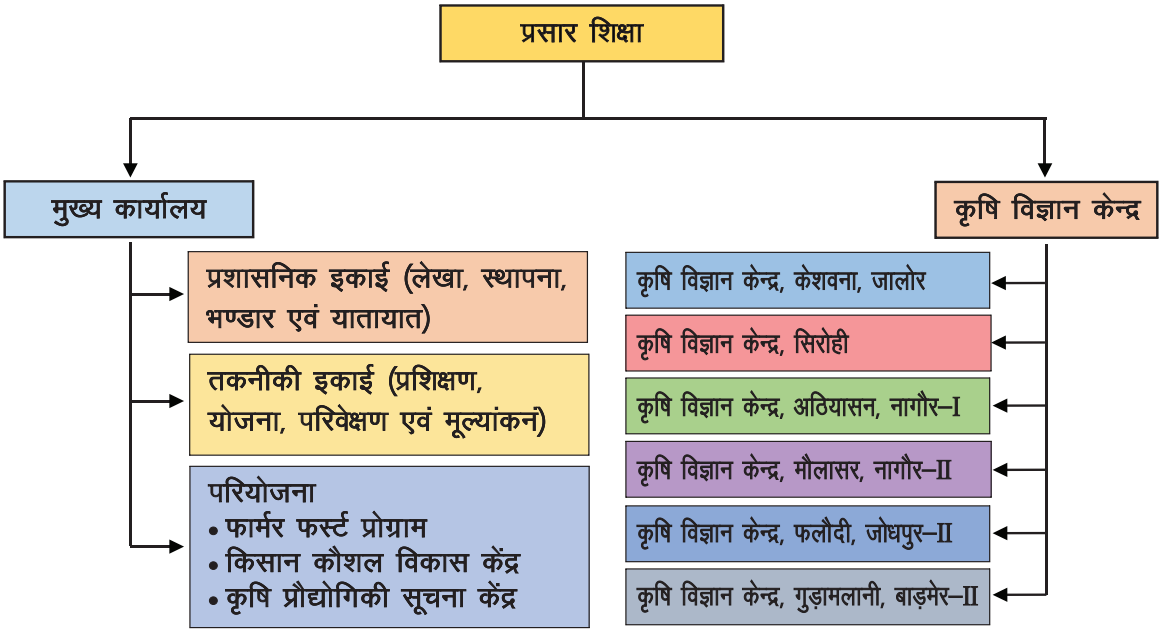

3.2 प्रसार शिक्षा निदेशालय के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं –

- विश्वविद्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्रों की विभिन्न गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन, परिवेक्षण व मूल्यांकन करना।
- कृषकों के प्रक्षैत्रों पर नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रसार के लिये प्रथम पंक्ति प्रदर्शन व परीक्षण आयोजित कर उनका मूल्यांकन एवं परिश्करण करना।
- राज्य के कृषक, कृषक महिलाओं एवं विद्यालय छोड़ चुके युवा वर्ग के कृषक बालकों एवं बालिकाओं हेतु लघु एवं दीर्घ अवधि के रोजगारोन्मुख प्रषिक्षण आयोजित करना।
- राज्य सरकार व गैर सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं व विभिन्न अधिकारियों के लिये अनुसंधान द्वारा विकसित तकनीकी के पाठ्यक्रम तैयार कर प्रशिक्षण देना।
- प्रौद्योगिकी के शीघ्र प्रसार हेतु कृषि साहित्य तैयार करना तथा विविध माध्यमों से कृषि सूचनाएं कृषकों तक पहुँचाना।
- जिला स्तर पर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों को सघन कृषि प्रोद्योगिकी सूचना केन्द्र के रूप में विकसित करना।
- कृषि विज्ञान केन्द्रों के फार्मों पर उन्नत बीज उत्पादन एवं उच्च तकनीकी पौधशालाएँ स्थापित करना।

3.2.1 कृषि विज्ञान केन्द्र

राजस्थान राज्य के 10 कृषि जलवायु खण्ड़ में से में तीन कृषि जलवायु खण्ड़ कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सेवा क्षेत्र में आते हैं। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा निम्नलिखित कृषि विज्ञान केन्द संचालित किये जा रहे हैं:–

कृषि जलवायु खण्ड	जिला	स्थान	स्थापना वर्ष	प्रक्षेत्र फार्म (हे.)
शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र–I अ	जोधपुर बाड़मेर	फलौदी गुड़ामालानी	2012 2012	20 20
लूनी नदी की अर्न्तवती मैदानी क्षेत्र–II ब	जालौर सिरोही	केशवना सिरोही	1985 1989	62 31
अन्तःस्थलीय जलोत्सरण के अर्न्तवती मैदान क्षेत्र–II अ	नागौर	अठियासन मौलासार	1992 2012	20 20

जबकि पाली तथा जोधपुर, स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों का संचालान केन्द्रीय शुष्क अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर तथा दांता–बाड़मेर का संचालान स्वयं सेवा संस्था श्योर द्वारा किया जा रहा हैं।

3.2.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्यरत कार्मिकों की स्थिति

कृषि विज्ञान केन्द्रों का नाम	व. वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	विषय विशेषज्ञ	फार्म प्रबन्धक / कार्यक्रम सहायक	स्टेनो, सहायक, एवं अन्य	कुल स्वीकृत पदों की संख्या	कुल रिक्त पदों की संख्या
अठियासन	1	4	3	4	16	4
गुड़ामालानी	1	2	3	2	16	8
केशवना	0	2	3	4	16	7
मौलासर	1	4	3	3	16	5
फलौदी	0	3	3	5	16	5
सिरोही	1	5	3	5	16	2
कुल योग	**4**	**20**	**18**	**23**	**96**	**31**

कुल स्वीकृत पदों की संख्याः 96 कुल रिक्त पदों की संख्याः 31

3.3 प्रसार शिक्षा निदेशालय की गतिविधियां

3.3.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

निदेशालय के तत्वाधान में हर वर्ष एक वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया जाता है जिसमें केन्द्र द्वारा की गई गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया जाता है तथा आगामी वर्ष हेतु कार्य योजना को मूर्त रूप दिया जाता है। इस बैठक में सक्षम अधिकारियों के साथ–साथ निदेशक अटारी एवं सभी संपर्क विभागों से अधिकारियों को आमंत्रित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

कृषि विज्ञान केन्द्र	दिनांक
कृषि विज्ञान केन्द्र केशवाना, जालौर	4 जुलाई, 2018
कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही	27सितंबर 2019
कृषि विज्ञान केन्द्र अठियासन, नागौर–I	25 अक्टुबर, 2018
कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी, बाड़मेर–II	13 सितंबर 2019
कृषि विज्ञान केन्द्र मौलासर, नागौर–II	26 अक्टुबर, 2018
कृषि विज्ञान केन्द्र फलोदी, जोधपुर–II	24अप्रैल 2018

कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी, बाड़मेर–II पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

3.3.2 कृषि विज्ञान केन्द्र की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में किया जाता है, जिसमें उस मास की गतिविधियों का मूल्यांकन तथा आगामी माह की कार्य योजना की रुपरेखा बनाई जाती है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय पर कृषि विज्ञान केन्द्रों की मासिक समीक्षा बैठक

प्रसार शिक्षा निदेशालय पर कृषि विज्ञान केन्द्रों की मासिक समीक्षा बैठक

3.3.3 कृषि प्रदर्शनी का आयोजन

स्थान	दिवस	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	अतिथि का भ्रमण
केंद्रीय शुष्क अनुसंधान संस्थान जोधपुर	राज्य स्तरीय किसान मेला	16 सितंबर 2019	2000	श्रीमान कैलाश चौधरी माननीय केन्द्रीय कृषि एवं कल्याण राज्य मंत्री भारत सरकार
नान्दडा कलां	कृषि प्रदर्शनी	08 नवम्बर 2019	1000	माननीय राज्यपाल राजस्थान श्रीमान कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल राजस्थान श्रीमान कलराज मिश्र के द्वारा कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन व स्मार्ट ग्राम के फोल्डर का विमोचन

3.4 प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित विशेष परियोजनाएं

3.4.1 फार्मर फर्स्ट परियोजना

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि विश्वविद्यालय को यह परियोजना स्वीकृत की गई जिसमें कुल बजट 121 लाख रूपये प्राप्त हुए जिसका संचालन जोधपुर जिले के तीन गांव बालरवा, मणाई व बिंजवाडिया में वर्ष 2016–17 से किया जा रहा है। इस परियोजना का संचालन विभिन्न मॉड्यूल – फसल आधारित मॉड्यूल, उद्यानिकी आधारित मॉड्यूल, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडयूल एवं मानव संसाधन प्रबंधन मॉडयूल द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना में नवीनतम तकनीकी कौशल आधारित ज्ञान पर एक हजार प्रर्दशनों, 25 कृषक प्रशिक्षणो, 5 कृषक वैज्ञानिक संवाद व अन्य प्रसार गतिविधियों का आयोजन कर ग्रामवासियों को लाभान्वित किया गया।

फसल आधारित मॉड्यूल, मूंग किस्म GAM-5 व बाजरा किस्म MPMH-17 का प्रर्दशन

3.4.2 किसान कौशल विकास केंन्द्र

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को स्वीकृत की गयी परियोजना के तहत कौशल विकास केन्द्र का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत कृषक व कृषक महिलाओं व ग्रामीण युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षणों द्वारा स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण हेतु किया जा रहा है।

3.4.3 कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कृषि विश्वविद्यालय को स्वीकृत किये गये इस केन्द्र से कृषकों को एकल खिड़की के रुप में सभी कृषि आदान व सेवाओं से संबंधित सुविधाए एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जायेगी।

किसान कौशल विकास केंन्द्र व
कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र के निर्माणाधीन भवन

प्रशिक्षण	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
स्वास्थ्य शिविर	18.01.2019	300
कृषक वैज्ञानिक संवाद	07.03.2019	100
पशुपालन जागरूकता एवं पशुचिकित्सा शिविर	30.05.2019	60
खरीफ फसलों की उन्नत खेती	04.07.2019	100
पौध रोपण अभियान के तहत पौध रोपण पर कृषक प्रशिक्षण	09.08.2019	150

स्मार्ट गाँव लूणी में स्वच्छता जागरूकता रैली

स्मार्ट गाँव लूणी में कृषक वैज्ञानिक संवाद

3.4.4 अन्त्योदय योजना के अर्न्तगत ग्राम गोद कार्यक्रम

राजभवन राजस्थान से प्राप्त निर्देशों के अनुसार जोधपुर जिले के लूणी गाँव को ग्राम गोद कार्यक्रम के अर्न्तगत कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा गोद लेकर स्मार्ट गाँव के रुप में विकसित किया जा रहा है। इस गाँव में निम्न लिखित प्रशिक्षण आयोजित किये गयेः–

3.4.5 क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं अटारी जोन–II जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत दलहनी फसलों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली के कुल 62 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में उपरोक्त सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा

मिशन के अन्तर्गत दलहनी फसलों पर लगाये गये अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों एवं अन्य कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया तथा दलहन फसलों के विशेषज्ञों द्वारा नवीनतम कृषि तकनीकी पर व्याखान दिये गये।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत
दलहनी फसलों पर क्षेत्रीय कार्यशाला

3.4.6 इनपुट डीलर्स के लिए कृषि प्रसार सेवा में डिप्लोमा

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा डीलर्स के लिए 40 कक्षा सत्रों एवं 8 क्षेत्र यात्राओं के साथ 48 सप्ताह की अवधि का डिप्लोमा पाठ्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इनपुट डीलरों को पर्याप्त कृषि तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ उन्हें पैरा विस्तार पेशेवरों में बदलने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। ताकि उन्हें क्षेत्र स्तर पर किसानों द्वारा दिन–प्रतिदिन की समस्याओं का समाधान करने में सक्षम बनाये जा सके।

3.4.7 प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक का आयोजन

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रतिवर्ष अपने मानद सदस्यों की उपस्थिति में कराई जाती हैं। जिसमें निदेशालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा की गई गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया जाता है तथा आगामी वर्ष हेतु कार्य योजना को मूर्त रूप दिया जाता है और बजट का अनुमोदन करवाया जाता हैं।

3 वीं प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक

3.5 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

प्रसार शिक्षा निदेशालय के प्रशासनिक नियंत्रण में छः कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा मुख्य गतिविधियों के तहत कृषक व कृषक महिला तथा ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण, विभिन्न विभागों के प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रशिक्षणों का आयोजन, नवीनतम कृषि तकनीकी को किसानों के खेतों पर समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन का आयोजन, प्रक्षेत्र प्रशिक्षण के साथ साथ अन्य प्रसार गतिविधियों का आयोजन कर जिले के कृषकों को उन्नत खेती के साथ साथ अधिक लाभ प्राप्त कर कृषकों को रोजगारोन्मुखी बनाने की ओर अग्रसर है।

3.5.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषक व कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

मुख्यतः कृषि विज्ञान केन्द्र तीन तरह के प्रशिक्षण आयोजित करवाता है जिसमे संस्थागत, असंस्थागत तथा प्रयोजित प्रशिक्षण प्रमुख होते है। इस वर्ष इन तीनों तरीकों के

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषक व कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

334 प्रशिक्षणों से कुल 11102 किसान, कृषक महिलाएं व प्रसार कार्यकर्त्ता लाभान्वित हुए।

कृषि विज्ञान केन्द्र	संस्थागत		असंस्थागत		प्रायोजित	
	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
केशवाना (जालोर)	18	484	22	589	16	500
सिरोही	34	258	31	1112	4	2821
अठियासन (नागौर प्रथम)	15	333	24	538	10	256
मौलासर (नागौर द्वितीय)	30	568	42	869	3	106
गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	15	492	15	453	12	535
फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	13	536	18	307	12	345
कुल योग	**125**	**2671**	**152**	**3868**	**57**	**4563**

3.5.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र	प्रसार कार्यकता	
	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
केशवाना (जालोर)	4	210
सिरोही	1	30
अठियासन (नागौर प्रथम)	2	53
मौलासर (नागौर द्वितीय)	2	46
गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	3	71
फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	2	52
कुल योग	**14**	**462**

3.5.3 समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

प्रत्येक प्रदर्शन में नवीनतम कृषि तकनीकी–उन्नत बीज, पंक्तिबद्ध बुवाई, बीजोपचार, जिंक सल्फेट का प्रयोग, पौध संरक्षण को प्रदर्शित किया जा रहा है।

कृषि विज्ञान केन्द्र	प्रदर्शनों की संख्या					
	अनाज की फसलें	दलहनी फसलें	तिलहनी फसलें	मसाला फसलें	औषधीय फसलें	अन्य
केशवाना (जालोर)	–	225	200	–	–	–
सिरोही	100	250	225	10	–	11
अठियासन (नागौर प्रथम)	–	192	185	10	25	41
मौलासर (नागौर द्वितीय)	57	150	211	38	–	28
गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	50	150	195	–	–	97
फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	45	108	38	35	30	–
योग	**152**	**1075**	**1054**	**35**	**30**	**2346**

कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा आयोजित समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

3.5.4 जल शक्ति अभियान मेलों का आयोजन

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित जल शक्ति अभियान मेलों का आयोजन दिनांक 03.09.2019 को किया गया। इसका उद्देश्य किसानों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित मेलों में लगभग 5000 किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की गई।

3.5.5 पशु टीकाकरण जागरूकता अभियान आयोजन

दिनांक 11.09.2019 को सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुओं में फैलने वाली खुरपका, मुँहपका

एवं ब्रुसोलिस रोग के नियंत्रण हेतु पशु चिकित्सा अधिकारी के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें पालतु पशुओं का टीकाकरण किया गया एवं कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी उपलब्ध कराई गई।

3.5.6 वृक्षारोपण दिवस

दिनांक 17.09.2019 को सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत किसानों को आमंत्रित कर वृक्षों और जंगल के महत्व के बारे जानकारी प्रदान की तथा प्रत्येक केन्द्र द्वारा 10,000 रूपये के वृक्षों की किसानों की मांग अनुसार वितरित किये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आयोजित वृक्षारोपण दिवस व पौध वितरण

3.5.7 स्वच्छता पखवाडे का आयोजन

दिनांक 02.10.2019 को गांधीजी की 150 वीं जयंती के अवसर पर एक सप्ताह तक सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों ने स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया और अपने केन्द्रो तथा गांवों में सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाये। इस कार्यक्रम में लगभग 2000 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्वच्छता पखवाडे का आयोजन

3.5.8 विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

दिनांक 05.12.2019 का सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन पर किसानों को आमंत्रित कर उन्हें मृदा स्वास्थ्य के बारे जागरूकता बढ़ाने हेतु व्याख्यान दिलाये गये। कृषि विज्ञान केन्द्रों पर चल रही मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। इस अभियान में लगभग 2500 किसानों ने भाग लिया।

3.5.9 जल एवं मृदा नमूना के परिक्षण

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर आधुनिक तकनीक से जल और मृदा नमूनों के परीक्षण (मय सूक्ष्म तत्वों की उपलब्धता के साथ) किया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र जालोर, सिरोही, अठीयासन, मौलासर, फलोदी एवं गुढ़ामालानी द्वारा लगभग 1000 मृदा और जल नमूनों का परीक्षण वर्ष 2019 के दौरान किया गया।

3.5.10 कृषि विज्ञान केंद्रों पर उन्नत बीज उत्पादन

कृषि विज्ञान केन्द्र	बीज उत्पादन (क्वि.)					
	अनाज की फसले	दलहनी फसलें	तिलहनी फसलें	मसाला फसलें	औषधीय फसलें	अन्य
केशवाना (जालोर)	29.96	47.74	5.04	25.72	–	–
सिरोही	–	18.12	2.55	–	–	40472 पौध. 17 बकरी
अठियासन (नागौर प्रथम)	–	6.73	–	–	–	–
गुड़ामालानी (बाड़मेर द्वितीय)	–	–	–	0.60	–	–
मौलासर (नागौर द्वितीय)	17.84	28.95	4.58	–	–	–
फलौदी (जोधपुर द्वितीय)	–	–	–	–	–	–

3.6 कृषि विज्ञान केंद्रों पर विशेष परियोजनाएं

3.6.1 दलहन फसलों का सीड हब

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र नागौर पर वर्ष 2016 में दलहन फसलों के सीड हब के लिए कुल 150 लाख रुपए की परियोजना स्वीकृत की गई जिसके अर्न्तगत 3 वर्षों में 2500 क्विंटल दलहन मूंग मोठ व चना का बीज उत्पादन किया जा रहा है वर्ष 2018–19 में मूंग, मोठ व चना की विभिन्न किस्मों का कुल बीज उत्पादन 149 क्विंटल लिया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र नागौर पर दलहन फसलों हेतु नव निर्मित सीड हब भवन

3.6.2 समन्वित कृषि प्रणाली

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर 6 लाख रुपए से वर्षा जल संग्रहण इकाई, वर्मी कंपोस्ट इकाई, अजोला इकाई व बकरी इकाई की स्थापना की जा रही हैं जिसको देखकर जिले के किसान इस तरह की कृषि प्रणाली अपनाकर मौसम की विशेष परिस्थितियों में भी लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थापित समन्वित कृषि प्रणाली मॉडयुल

3.7 प्रसार गतिविधियां

गतिविधि का नाम	गतिविधियों की संख्या						
	जालौर	सिरोही	अठियासन	मौलासर	फलौदी	गुड़ामालानी	योग
वैज्ञानिकों का किसानों के खेत पर भ्रमण	25	35	36	42	45	66	**249**
जाँच सेवा	15	18	13	11	11	15	**83**
कृषक वैज्ञानिक संवाद	4	5	6	5	8	6	**34**
प्रक्षेत्र दिवस	7	11	15	18	11	6	**68**
किसान मेला	4	6	4	3	5	4	**26**
किसान गोष्ठि	15	8	12	10	16	11	**72**

गतिविधि का नाम	गतिविधियों की संख्या						
	जालौर	सिरोही	अठियासन	मौलासर	फलौदी	गुड़ामालानी	योग
शैक्षणिक भ्रमण	2	2	3	2	4	3	**16**
फिल्म दिखाना	25	15	08	04	04	28	**84**
विशेष दिवस मनाना	7	7	10	5	8	7	**44**
व्याख्यान	95	56	74	80	110	115	**530**
रेडियों वार्ता	8	5	9	8	7	8	**45**
प्रेस विज्ञप्ति	25	30	21	25	30	35	**166**
प्रदर्शनी का आयोजन	4	4	5	6	5	5	**29**

3.8 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर विशिष्ट अतिथियों का भ्रमण

- केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भारत सरकार श्री कैलाश चौधरी द्वारा दिनांक 09.06.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र गुढ़ामालानी, बाड़मेर–II एवं दिनांक 20.10.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र अठियासन, नागौर–I का भ्रमण किया गया एवं वहाँ चल रहे किसान वैज्ञानिक संवाद तथा विकास कार्यो का अवलोकन किया गया।

- अक्षय उर्जा मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री भानुप्रताप यादव द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र गुढ़ामालानी, बाड़मेर–II किसान मेले (जल शक्ति अभियान) में दिनांक 23.09. 2019 को भाग लिया।

- सुपारी व मसाला अनुसंधान निदेशालय, कालीकट (केरल) के निदेशक डॉ. हेरी ने दिनांक 03.11.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र गुढ़ामालानी, बाड़मेर–II द्वारा आयोजित जीरे के प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- जालोर एवं सिरोही लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री देवजी भाई पटेल ने दिनांक 03.09.2019 कृषि विज्ञान केन्द्र केशवाना, जालौर द्वारा आयोजित जल शक्ति अभियान किसान मेले को बीजरोल सांचौर में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 03.09.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र नागौर–I जिला कलक्टर दिनेश कुमार यादव तथा नागौर–II पर श्री श्यामल मिश्र संयुक्त सचिव, जल शक्ति मंत्रालय एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् नागौर, श्री जवाहर सिंह चौधरी ने भाग लिया। श्री हमीर सिंह भायल, विधायक सिवाना एवं डॉ दिनेश प्रजापत, जिला उप प्रबंधक नाबार्ड ने कृषि विज्ञान केन्द्र, गुढ़ामालानी पर दिनांक 03.09.2019 को आयोजित जलशक्ति अभियान मे भाग लिया। कृषि विज्ञान केन्द्र, फलोदी द्वारा आयोजित जलशक्ति अभियान में 03.09.2019 को लोहावट प्रधान श्री भागीरथ चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

- दिनांक 02.10.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही द्वारा आयोजित स्वच्छता मेले में जिला वन अधिकारी श्रीमति सोनल जोरीहार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। दिनांक 02.10.2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र फलोदी द्वारा आयोजित स्वच्छता मेले में श्री पब्बाराम विश्नोई, विधायक, फलोदी ने भाग लिया।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भारत सरकार श्री कैलाश चौधरी द्वारा
कृषि विज्ञान केन्द्र अठियासन, नागौर–I पर किसान वैज्ञानिक संवाद में उदबोधन

4. कृषि शिक्षा

4.1 कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर की स्थापना वर्ष 2012 में कृषि उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से की गई। महाविद्यालय का भवन जो कि सभी आधारभूत सुविधाओं से युक्त हैं जिसमें आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाएँ (मृदा विज्ञान, शस्य विज्ञान, फसल संरक्षण, फसल सुधार एवं उद्यान विज्ञान), पुस्तकालय, आधुनिक (प्रोजेक्टर युक्त) व्याख्यान कक्ष, सम्मेलन कक्ष, संगणक कक्ष एवं इन्टरा नेटवर्क हैं। इस महाविद्यालय में कुल 263 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। जिनमें कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में 215, स्नातकोत्तर में 38 एवं पी.एच.डी. में 10 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं।

4.1.1 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

इस महाविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण इस प्रकार हैं:–

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
आचार्य	2	1	1
सह–आचार्य	5	2	3
सहायक आचार्य	17	12	5
योग	24	15	9

ब. गैर-शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
प्रयोगशाला सहायक+	4	4	–
निजी सहायक	1	1	–
कनिष्ठ लिपिक	1	1	–
फार्म मैनेजर	1	1	–
पम्प ऑपेरटर+	1	1	–
पुस्तकालय सहायक	1	–	1
कृषि पर्यवेक्षक	1	1	–
वाहन चालक (रेस्को द्वारा)	2	2	–
कार्यालय सहायक	1	1	–
क्रीड़ा प्रशिक्षक	1	1	–
तकनिकी सहायक	2	–	2
बुक लिफ्टर	1	–	1
चतुर्थ श्रेणी	1	1	–
योग	18	14	4

+ विरुद्ध पद

4.1.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की संख्या

4.1.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम

अ. छात्रों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	9	18	2	8	4	41
द्वितीय वर्ष	1	30	1	5	3	40
तृतीय वर्ष	6	21	–	6	4	37
चतुर्थ वर्ष	1	22	2	7	7	39
कुल योग	**17**	**91**	**5**	**26**	**18**	**157**

ब. छात्राओं की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	4	10	–	3	2	19
द्वितीय वर्ष	–	5	–	2	3	10
तृतीय वर्ष	–	9	–	2	1	12
चतुर्थ वर्ष	2	12	–	1	2	17
कुल योग	**06**	**36**	**–**	**8**	**8**	**58**

4.1.2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम

अ. छात्रों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
शस्य विज्ञान	–	–	2	2	1	1	–	–	–	–	6
उद्यानिकी	1	–	–	1	–	–	1	1	–	2	6
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	–	–	2	–	–	–	–	–	–	–	2
पादप रोग विज्ञान	–	–	2	1	–	–	1	1	–	–	5
प्रसार शिक्षा	–	–	3	–	–	–	–	–	–	–	3
कीट विज्ञान	–	–	2	–	–	–	1	–	–	–	3
कुल योग	**1**	**–**	**11**	**4**	**1**	**1**	**3**	**2**	**–**	**2**	**25**

ब. छात्राओं की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
शस्य विज्ञान	–	–	1	1	–	–	–	–	–	–	2
उद्यानिकी	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	1
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	1	1	1	2	–	–	1	–	–	1	7

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
पादप रोग विज्ञान	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	1
प्रसार शिक्षा	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	1
कीट विज्ञान	–	–	1	–	–	–	–	–	–	–	1
कुल योग	1	1	6	3	–	–	1	–	–	1	13

4.1.2.3 पी.एच.डी. कार्यक्रम

अ. छात्रों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
शस्य विज्ञान	–	–	2	–	–	–	–	1	–	–	3
उद्यानिकी	–	–	–	1	1	–	–	–	–	–	2
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	–	–	–	–	1	–	–	–	–	–	1
कुल योग	–	–	2	1	2	–	–	1	–	–	6

ब. छात्राओं की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
शस्य विज्ञान	–	–	–	1	–	–	–	–	–	–	1
उद्यानिकी	–	–	1	1	–	–	–	–	–	–	2
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	1	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1
कुल योग	1	–	1	2	–	–	–	–	–	–	4

4.1.2.4 कुल उत्तीर्ण विद्यार्थी जिन्होंने डिग्री पूरी कर ली हैं (वर्ष 2019)

डिग्री कार्यक्रम	सामान्य वर्ग	एस.बी.सी.	अ.पि.व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
स्नात्तक कार्यक्रम	5	1	30	9	5	50
स्नातकोत्तर कार्यक्रम						
शस्य विज्ञान	–	–	3	–	–	3
उद्यानिकी	–	–	2	2	–	4
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	–	–	4	–	–	4
कुल योग	–	–	9	2	–	11

4.1.3 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2019–20 की प्रगति

4.1.3.1 विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या एवं प्राप्तांक प्रतिशत				कुल विद्यार्थी	टिप्पणी
	50 से कम	51 से 60	61 से 70	70 से अधिक		
बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि						
प्रथम वर्ष	2	10	26	9	47	
द्वितीय वर्ष	–	6	17	26	49	
तृतीय वर्ष	–	4	27	26	57	
चतुर्थ वर्ष	–	2	23	26	51	
स्नातकोत्तर कार्यक्रम						
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	–	–	2	13	15	
स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष	–	–	1	11	12	
पी.एच.डी.	–	–	–	4	4	

4.1.3.2 छात्रवृत्ति विवरण 2019–20

अ. अनुसुचित जाति व जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति

सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु. जनजाति अनु.जनजाति	
पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	–	4	–	4	–	15	1	12	–
								कुल विद्यार्थी	37

ब. लड़कियों के लिए प्रोत्साहन राशि

सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	दिव्यांग	अनु.जाति	अनु. जनजाति
06	48	4	8	9
				कुल छात्राएँ 71

4.1.3.3 मेरिट/अन्य पुरस्कार

वर्ष 2019 के वार्षिकोत्सव में अब तक के सभी स्नातक उत्तीर्ण व अध्ययनरत विद्यार्थियों में से कक्षावार प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों तथा स्नातकोत्तर (विषयवार) के प्रथम वर्ष व अंतिम वर्ष के प्रथम रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

4.1.3.4 शैक्षणिक एवं शोध फार्म (बीज उत्पादन)

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के प्रक्षेत्र का क्षेत्रफल 12.74 हेक्टेयर है। यह प्रक्षेत्र सभी कृषि सुविधाओं से परिपूर्ण है। कृषि

से सम्बंधित इम्प्लीमेंट्स जैसे कल्टीवेटर, हेरों, डिस्क प्लाऊ, मल्टी–पर्पज़ थ्रेशर, कैस्टर थ्रेशर, ड्रिप इरीगेशन, स्प्रिंकलर, अंडरग्राउंड इरीगेशन पाइप, ट्यूबवेल, लेवेलर, ट्रेक्टर, वाटर टैंक, वाटरशेड और जी एल आर उपलब्ध है। वर्तमान में बटाई पद्धति से खेती की जा रही है। भविष्य में यहाँ छात्रों व अध्यापकों के अनुसंधान लगाये जाने सुनिश्चित किये गए हैं। साथ ही साथ कुछ प्रोजेक्ट के प्रयोग भी लगाये जाने हैं।

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के प्रक्षेत्र पर 2018–19 के दौरान निम्नलिखित फसलों एवं उनकी किस्मों का बीज उत्पादन किया गया:

विवरण	फसल	किस्म	उत्पादन (क्विंटल)
खरीफ 2018	मूँग	जी.एम.–4	27.32
रबी 2018–19	जीरा	जी.सी.–4	5.56
जायद 2019	संकर बाजरा	एम.पी.एम.एच. 21	1.60

4.1.4 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन/पखवाड़ा

4.1.4.1 गणतंत्र दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रांगण में 70वां गणतंत्र दिवस मनाया गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के अधिष्ठाता, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, कर्मचारी–गण व छात्र– छात्राओं ने भाग लिया। इस समारोह के मुख्य–अतिथि डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर ने सम्बोधित कर इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही छात्र–छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर इस उपलक्ष्य को हार्षोल्लास से मनाया।

4.1.4.2 महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती

महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस 2 अक्टूबर 2019 को मनाया गया। इस अवसर पर महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के योगदान को याद किया गया। डॉ. बी. आर. चौधरी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने अपने उद्‌बोधन में महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को साझा किया। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में छात्र–छात्राओं सहित कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके साथ ही इस अवसर पर ''रन फॉर यूनिटी'' और ''स्वच्छता अभियान'' के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

4.1.4.3 महाविद्यालय छात्र संघ का चुनाव

महाविद्यालय में 28 अगस्त 2019 को छात्रसंघ चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए। अधिष्ठाता व निर्वाचन अधिकारी प्रो. उम्मेद सिंह ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुआ। तदुपरान्त महाविद्यालय छात्रसंघ के पदाधिकारियों का चुनाव भी निर्वाचित कक्षा प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से निर्विरोध सम्पन्न किया। सभी निर्वाचित कक्षा प्रतिनिधियों व छात्रसंघ पदाधिकारियों को महाविद्यालय के अधिष्ठाता व निर्वाचन अधिकारी डॉ. उम्मेद सिंह ने पद की शपथ ग्रहण करवायी। चुने हुए छात्रसंघ पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की सूची इस प्रकार है–

छात्रसंघ पदाधिकारियों का नाम	पद
राधेश्याम खेरवा	अध्यक्ष
दशरथ सिंह चुण्डावत	सचिव
पूजा विश्नोई	संयुक्त सचिव

4.1.4.4 अकादमिक प्रबंधन प्रणाली कार्यशाला

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से सम्बद्ध कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में दो दिवसीय "अकादमिक प्रबंधन प्रणाली" विषय पर कार्यशाला का आयोजन 4–5 अक्टूबर को किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के तीनो महाविद्यालयों (मण्डोर, सुमेरपुर व नागौर), कृषि अनुसंधान संस्थान केन्द्र, मण्डोर एवं कुलपति सचिवालय से जुड़े शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग के 33 अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्‌घाटन माननीय कुलपति प्रो. बी. आर. चौधरी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के द्वारा किया गया। साथ ही भारत सरकार के संस्थान भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यशाला की शुरूआत राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से की गयी।

4.1.4.5 NAHEP टीम का महाविद्यालय निरीक्षण

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP) की टीम के द्वारा 09 मई 2019 को महाविद्यालय का भ्रमण एवं इस योजना के तहत हुए कार्यों का निरीक्षण किया गया। टीम के सदस्यों मे सुश्री इन्दिरा प्रकाश, पर्यावरण सुरक्षा विशेषज्ञ एवं

रणजीत कुमार साहू, सामाजिक सुरक्षा विशेषज्ञ के द्वारा महाविद्यालय के सभी कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, अन्य कक्षों तथा फिल्ड में योजना के तहत हुए कार्यों का विस्तृत जानकारी ली गई। इस दौरान महाविद्यालय के अधिष्ठाता और सभी आचार्यों व कर्मचारियों के द्वारा टीम का स्वागत किया गया तथा किए गये कार्यों की जानकारी दी गई।

4.1.4.6 संविधान दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीनस्त कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में संविधान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में डॉ एस के मूण्ड, एडीएसडब्ल्यु ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के बारे में बताया कि आजादी मिलते ही देश को चलाने के लिए संविधान बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया गया। संविधान निर्माण से पूर्व दुनिया भर के तमाम संविधानों को बारीकी से देखने–परखने के बाद डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार कर लिया। 26 नवंबर 1949 को इसे भारतीय संविधान सभा के समक्ष लाया गया। इसी दिन संविधान सभा ने इसे अपना लिया। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर के 125 वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से संविधान दिवस मनाया जा रहा है। 26 नवंबर, 2019 हमारे संविधान को अंगीकर करने की 70 वीं सालगिरह है। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। इसी आधार पर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र कहा जाता है।

4.1.4.7 नवप्रवेशित विद्यार्थियों का ओरिएन्टेशन कार्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा 01 अगस्त 2019 को कृषि स्नात्तक, स्नात्तकोत्तर एवं विद्या–वाचस्पति डिग्री कार्यक्रमों में नवीन प्रवेशित आगन्तुक विद्यार्थियों को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के पाठ्यक्रम, कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, खेलकूद, सांस्कृतिक, अकादमिक, अनुसंधान, एनएसएस, उपस्थिति नियम, परीक्षा नियमों इत्यादि की जानकारी हेतू अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रोफेसर सिंह द्वारा नवआगन्तुक विद्यार्थियों के लिए संदेश "कठिन परिश्रम, उच्च शिक्षा एवं समृद्ध जीवन" को नवआगन्तुको के साथ साझा किया। सभी आगन्तुकों का अभिनन्दन किया व विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अधिष्ठाता ने बताया कि अधिकतर छात्र–छात्राओं ने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को जेट–2019 में प्रथम व द्वित्तीय वरीयता दी हैं।

4.1.4.8 सेनेट्री नेपकिन वेंडीग मशीन का लोकार्पण

महिला स्वच्छता व स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर में आईसीआईसीआई बैंक द्वारा प्रदत सेनेट्री नेपकिन वेंडीग मशीन की स्थापना कृषि महाविद्यालय भवन जोधपुर में करवायी हैं। जिसका लोकार्पण 22 अक्टूबर 2019 को विश्वविद्यालय के प्रबंध मण्डल की सदस्या श्रीमति कीर्ति सिंह के कर कमलो द्वारा सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मौजूद माननीय कुलपति ने उपस्थित दानदाता बैंक अधिकारियों, अतिथियों व विश्वविद्यालय कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिला कर्मचारियों एवं छात्राओं को कार्यस्थल पर आकस्मिक परिस्थितियों में कोई परेशानी न हो इसके लिए विश्वविद्यालय में इस मशीन की स्थापना मेरी प्राथमिकता थी।

4.1.4.9 वार्षिकोत्सव व पारितोषिक वितरण समारोह

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में वार्षिकोत्सव 3 मई 2019 को मनाया गया। माननीय कुलपति प्राफेसर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में अभिभाषण किया और कहा कि भविष्य की चुनौतियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के रूप में समाधान करने हेतु अध्ययन और अध्यापन के नवाचार जैसे स्मार्ट शिक्षा, गुगल टीचिंग, ई–लर्निंग, ई–डायरी इत्यादि को अपनाना होगा। जीवन के मूल्यों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को समय के पाबंध रहने का संकल्प दिलाया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमान अशोक कुमार चौधरी, कार्यकारी निदेशक, एफ.डी.डी.आई. जोधपुर ने छात्रों को पारितोषिक वितरण किया एवं छात्रों को पढाई के साथ–साथ रसायन इस्तेमाल से फैलने वाली गंभीर बिमारियों के बारे में समाज में जागरूकता लाने के लिए आव्हान किया। कृषि महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में कृषि स्नात्तक एवं स्नात्कोत्तर के छह छात्रों को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पारितोषिक के साथ प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया तथा खेलकूद प्रतिस्पर्धा की विजेता टीम (कबड्डी, वालीबाल, क्रिकेट, एथेलिटिक्स) को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।

4.1.4.10 मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के विस्तार निदेशालय द्वारा वित्तपोषित "उच्च मूल्य वाली फसलों में सटीक जल प्रबंधन" विषय पर 22–29 नवम्बर 2019 तक आठ दिवसीय राष्ट्रीय मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय में किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्रीमान सुनील वाधवा, ग्रुप जनरल मेनेजर, तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड,

जोधपुर रहे। समारोह की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के माननीय कुलपति प्रो बी आर चौधरी ने की। प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ उम्मेद सिंह ने अपने स्वागतिय अभिभाषण में प्रशिक्षण का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और अवगत कराया कि छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, गोवा, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र व राजस्थान से लगभग 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

4.1.4.11 शैक्षणिक भ्रमण

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को प्रथम बार शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों का 51 सदस्यीय दल 16–25 जून 2019 दस दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण हेतु राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के विभिन्न शिक्षण संस्थानों का दौरा किया। दल में 30 छात्रों व 17 छात्राओं का नेतृत्व तथा मार्गदर्शन डॉ विनोद कुमार व डॉ रूपल धूत ने किया।

4.1.4.12 FAI द्वारा कृषि आदान उर्वरक पर विक्रेता प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 07 मई 2019 को कृषि अनुसंधान संस्थान के सभागार प्रांगण में भारतीय उर्वरक संघ (FAI) द्वारा कृषि आदान उर्वरक पर विक्रेता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जगपाल सिंह, सयुंक्त निदेशक कृषि निदेशालय जयपुर द्वारा जिले के विक्रेताओं को उर्वरक में गुण नियंत्रण, उर्वरक व्यवसाय हेतु FAI के कानूनी प्रावधानो के बारे में अवगत कराया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. डी. एस. यादव, निदेशक भारतीय उर्वरक संघ, एवं श्री एन. के. भादू महा प्रबंधक कृभको नोएडा ने आदर्श उर्वरक भण्डारण हेतु विक्रेताओं को वातावरण तापमान जैसे कारको पर ध्यान देने के साथ उपयुक्त गोदाम प्रबंधन करने का आवाह्न किया। इसके साथ ही POS मशीन के माध्यम से अनिवार्य रूप से किसानो को उर्वरक विक्रय करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में जिले के निजी उर्वरक विक्रेताओं, सहकारी समितियों के कर्मचारी, महाविद्यालय के छात्रों के साथ समस्त उर्वरक कंपनियों के अधिकारिओं ने भाग लिया।

4.1.4.13 योग दिवस

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में 21 जून 2019 को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस को सभी कर्मचारियों व विधार्थियों ने योगाभ्यास कर योग के दैनिक संकल्प के साथ मनाया। अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने योग को दैनिक जीवन में अनुसरण करने पर विचार करने पर बल दिया। योग की क्रियाओं से पूर्व इनको पी. टी. करवाई गई और गर्दन, बाजू, रीड की हड्डी, कमर व पेट को रोगमुक्त करने की योगक्रियाओं का प्रदर्शन किया। योग साधना का महत्व बताते हुए भ्रामरी, कपाल भांति, अनुलोम–विलोम, आदि प्राणायाम करायें और योग का आज की जीवन शैली में उनके महत्वों पर प्रकाश डाला।

4.1.4.14 पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

महाविद्यालय के नवनिर्मित पुस्तकालय के उद्घाटन व पुस्तक मेले का आयोजन 11 जनवरी 2019 को किया गया। पुस्तकालय का उद्घाटन प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. ईश्वर सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. वी. एस. जेतावत, शिक्षा निदेशक डॉ. बी. एस. राजपुरोहित, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. एस. आर. कुम्हार, अधिष्ठाता डॉ. उम्मेद सिंह द्वारा फीता काट कर किया गया। पुस्तक मेले में 16 से अधिक पुस्तक विक्रेताओं ने अपनी पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई। पुस्तक मेले में महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों व अन्य आचार्यों व कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

4.1.4.15 एच. सी एम. रीपा प्रशिक्षण

हरिश चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जोधपुर के तत्वाधान में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के विभिन्न अशैक्षणिक कर्मचारियों की कार्यनिर्वाह क्षमता बढ़ाने हेतु 12 दिवसीय (19–30, अगस्त 2019) प्रशासनिक व वित्तीय प्रशिक्षण का आयोजन एच सी एम – रीपा, जोधपुर में किया गया। इस आयोजन में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो कि कृषि विश्वविद्यालय,

जोधपुर की भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित परियोजना "राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.)" के अन्तर्गत प्रायोजित की गई। अधिष्ठाता ने प्रतिभागियों से अपने कार्य में निपुणता हासिल करते हुए विश्वविद्यालय के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

4.1.4.16 एन ए ए आर एम प्रशिक्षण

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "कृषि विश्वविद्यालय के अशैक्षणिक कर्मचारियों हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण" का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान – राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद एवम् कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 29 जून से 5 जुलाई, 2019 तक चला। पाठ्यक्रम निदेशक एवं अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय ने उद्घाटन समारोह में जानकारी दी कि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की वित्तीय, प्रशासनिक एवं प्रबंधन क्षमता बढाने हेतु भारतवर्ष के विषय विशेषज्ञ वित्तीय प्रबंधन, प्रशासनिक दक्षता, सतर्कता, निविदा, जेम, जी. एस. टी., सूचना का अधिकार, बौद्धिक सम्पदा, वित्तीय एवं लेखा नियम, राजस्थान सेवा नियम, राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। नार्म हैदराबाद के मुख्य प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी श्री एस जॉर्ज ने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण प्रशासनिक कार्यालयों के लिए आवश्यक हैं।

4.1.4.17 सद्भावना दिवस

20 अगस्त 2019 को "सद्भावना दिवस" का आयोजन किया गया। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमान राजीव गांधी जी के 75 (पचहत्तर) वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में "सद्भावना दिवस" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर ने सभी विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवम् अधिकारियों को "सद्भावना दिवस" की प्रतिज्ञा दिलायी। साथ ही संदेश दिया की भारतवर्ष के सभी वर्गों एवम् मानव जाति के कल्याण हेतु सभी लोगों को जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म, भाषा, रंग इत्यादि से भेदभाव किए बगैर सभी भारतवासियों को भावनात्मक एकता, राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सद्भावना तथा राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी छात्र–छात्राएं, अध्यापकगण, कर्मचारी एवम् अधिकारी उपस्थित रहे।

4.1.4.18 छात्र विदाई समारोह

कृषि स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को 16 अप्रैल 2019 को तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। इस अवसर पर तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा विदाई स्वरूप तोहफे में हर वरिष्ठ साथी को एक–एक पौधा वितरित किया और उसकी देखरेख सुनिश्चित करने का वादा किया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने सभी विद्यार्थियों को आर्शीवाद दिया तथा जीवन में उच्च कर्म करते हुए आगे बढने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

4.1.4.19 डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 128 वीं जयंती 14 अप्रैल 2019 को मनाई गई। इस दौरान अधिष्ठाता ने भारतीय संविधान के रचयिता, समाज सुधारक एवं संविधान निर्माण में बाबा साहेब द्वारा दिए गए अतुल्य योगदान की सराहना की। इस कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं तथा प्राध्यापकों ने बाबा साहेब के योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

4.1.4.20 छात्रों का 'लहरिया–2019' में सराहनीय प्रदर्शन

25 फरवरी 2019 को विद्यार्थियों ने एफ.डी.डी.आई जोधपुर (फेशन एंड फुटवेयर डिजाईन इन्स्टीट्युट, जोधपुर) के

वार्षिकोत्सव लहरिया–2019 में सम्पन्न हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। इसमें देशभर से लगभग 35 महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें भाग लेते हुए विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छः पुरस्कार अपने हिस्से में कर महाविद्यालय के साथ–साथ कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का भी नाम रोशन किया।

4.1.4.21 वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

19 अगस्त 2019 को महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रो. भगीरथ सिंह, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान कुलपति ने "एक कदम–एक पेड़ : एक पेड़– जिन्दगी अनेक" का नारा दिया तथा सभी से हर वर्ष एक एक पौधा लगाने का आह्वाहन किया।

4.1.4.22 मालेगांव कृषि महाविद्यालय महाराष्ट्र के विद्यार्थियों का परिसर में भ्रमण

कृषि महाविद्यालय, मालेगांव, नासिक, महाराष्ट्र के द्वितीय वर्ष के 50 विद्यार्थियों ने उनके 4 अध्यापकगणों के साथ दिनांक 27 मार्च 2019 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के परिसर का भ्रमण किया। जिसके दौरान उन्होंने अनुसन्धान प्रक्षेत्र, संरक्षित खेती एवम् विभिन्न फसलों की तकनीकियों की जानकरी ली।

4.1.5 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE)

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) के तहत बी.एस.सी (आनर्स) कृषि चतुर्थ वर्ष के 51 छात्र–छात्राओं का ओरिऐन्टेशन प्रोग्राम 10 से 16 जनवरी, 2018 तक आयोजित कर उन्हें ग्रामीण परिवेश अनुभव के लिए पाँच कृषि विज्ञान केन्द्र में 6 सप्ताह के लिए 17 जनवरी से 28 मार्च, 2018 तक भेजा गया। तदुपरांत औद्योगिक कार्य अनुभव के लिए छात्र–छात्राओं को 2 मार्च, 2018 से 27 मई, 2018 तक विभिन्न उद्योगों में 12 सप्ताह के लिए भेजा गया।

4.1.6 कृषि महाविद्यालय में संचालित मुख्य परियोजनाएं

4.1.6.1 राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP)

राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजना स्वीकृत की गई है जिसमें कुल 495.82 लाख की वित्तिय स्वीकृति पांच वर्षों के लिए (वित्तीय वर्ष 2017–18 से 2021–2022 तक) प्रदान की गई। इस परियोजना में विश्वविद्यालय के संघटक तीनों महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम, सीसीटीवी कैमरा, आधुनिक प्रयोगशाला उपकरणों की स्थापना के साथ नवीनीकरण, फ्यूमीगेशन चेम्बर, पशुशाला एवं कम्पोस्ट खाद इकाई की स्थापना की गई। इसके अन्तर्गत प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के समुचित विकास के लिए देश– विदेश के विभिन्न संस्थानों में सम्मेलनों, सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। विश्वविद्यालय के तीनों संघटक महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में हर विषय की प्रर्याप्त संख्या में पुस्तकें उपलब्ध करवानें में भी राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP) का प्रशंसनीय योगदान हैं।

4.1.6.2 एस सी – एस पी परियोजना

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित पोषित कुल 70 लाख रूपये की एस सी – एस पी परियोजना अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के कल्याण के लिए स्वीकृत की गई है। यह परियोजना अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए आई सी ए आर द्वारा स्वीकृत की गयी है। इस परियोजना में विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बुक बैंक, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय परीक्षाओं के लिए कोचिंग क्लासेज एवं भिन्न प्रकार प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाएगा। परियोजना के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा ग्रामिण अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे युवाओं में उद्यमिता का विकास हो सके। विद्यार्थियों को खाद्य प्रसंसकरण, मशरूम कल्टीवेशन, ब्रेन स्टोरमिंग सेसन, क्षमता निमार्ण प्रशिक्षण, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मुर्गी पालन एवं अन्य व्यवहारिक विकास के लिए प्रशिक्षण दिलाए जाएंगे। विद्यार्थियों को प्री पीजी आई सी ए आर एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए प्रावधान रखा गया है।

4.1.6.3 वैश्विक पर्यावरण सुविधा तथा जैव विविधता परियोजना (GEF)

कृषि विश्वविद्यालय को इस परियोजना में 32 हजार डालर वर्ष 2018 से तीन वर्षों के लिए GEF जैव विविधता के द्वारा कृषि महाविद्यालय मंडोर को प्रदान किये गये है। इस परीयोजना के अंतर्गत 283 लेंडरेसस की उत्पादकता का परीक्षण किया जा रहा है। जिसमें राजस्थान की प्रमुख फसलें बाजरा, मूंग, मोठ, सरसों व जीरा पर किसानों की मदद से जैव सुरक्षा एवं विभिन्नता पर काम किया जा रहा है।

4.1.7 खेल कूद प्रतियोगिता

4.1.7.1 अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय, नागौर द्वारा अन्तर महाविद्यालय खेलकूद

प्रतियोगिता का आयोजन 17–19 अप्रैल 2019 को किया गया। जिसमें कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन समस्त कृषि महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। कृषि महाविद्यालय मंडोर के 54 विद्यार्थियों द्वारा कबड्डी, फुटबाल, वॉलीबाल, बैडमिंटन, टेबल–टेनिस एवं ऐथेलेटिक्स आदि खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया। इस खेलकूद प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, मंडोर के बहुत से छात्र एवं छात्राऐं प्रथम स्थान पर विजयी रहे।

4.1.7.2 चार–दिवसीय अन्तर कक्षा खेल–कूद प्रतियोगिता

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में चार–दिवसीय अन्तर कक्षा खेल–कूद प्रतियोगिता आयोजन कि गयी। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.आर. चौधरी ने छात्रो को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल–कूद जीवन का अभिन्न अंग है, पढाई के साथ–साथ खेल–कूद प्रतियोगिता में भी बढ़–चढ़ कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर चार–दिवसीय खेल–कूद प्रतियोगिता, जिसमें फुटबाल, बॉलीवाल, कबड्डी, बेडमिंटन, शतरंज आदि का आयोजन किया गया।

4.1.8 छात्र प्लेसमेन्ट्स व अन्य संस्थानों में प्रवेश

महाविद्यालय के छात्र श्री शंकर लाल यादव एवं श्री सचिन का चयन बैंक में कृषि अधिकारी तथा श्री चेनाराम एवं श्री सत्यनारायण का चयन राष्ट्रीय बीज निगम में प्रबधंन प्रशिक्षणार्थी के पद पर हुआ है। कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के छात्र–छात्राओं ने जेट प्री–पीजी परीक्षा व ICAR में अच्छा प्रदर्शन कर देश के विभिन्न विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त किया। इनमें श्री सियाराम मीणा एवं श्री बसंत देशवाल ने IARI, नई दिल्ली में ICAR-JRF के तहत प्रवेश प्राप्त किया। श्री मालाराम ने CSKHPAU, पालमपुर में जैव प्रोद्यौगिकी विभाग, भारत सरकार की छात्रवृत्ति के तहत प्रवेश प्राप्त किया। श्री प्रमोद कुमार शर्मा ने RLBCAU, झाँसी, श्री रविन्द्र सैनी ने AAU, जौरहाट, सुश्री संजू चौधरी, श्री विरेन्द्र सिंह राजपूत तथा श्री धर्मेन्द्र सियाग ने RPCAU, समस्तीपुर, सुश्री सुरभी कंसल ने GBPUAT, पंतनगर, श्री मुकेश कुमार ने VNMKV, परभनी, श्री शक्ति सिंह राठौड. ने SKUAT, श्रीनगर, समस्तीपुर, सुश्री बलकेश कुमारी ने SKNAU, जोबनेर, समस्तीपुर, सुश्री बिमला जाखड़ ने BHU में प्रवेश प्राप्त किया। इनके अलावा जेट प्री–पीजी परीक्षा 2019 के तहत 15 विद्यार्थियों ने राज्य के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के विभिन्न संकायों में स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया।

4.1.9 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर जोधपुर द्वारा विद्यार्थीयों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने एवं उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक शैक्षणिक वातावरण जैसे नियमित कक्षाओं का संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल–कूद प्रतियोगिता, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन समय–समय पर किया जा रहा हैं। छात्र प्लेसमेन्ट्स के तहत बहुत से छात्र एवं छात्राओं का विभिन्न पदों पर चयन हुआ व अन्य संस्थानों में प्रवेश लिया है।

4.2 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर (पाली)

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड–2–बी में स्थित हैं। इस महाविद्यालय में कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में कुल 196 विद्यार्थी अध्यनरत् हैं, जिनमें प्रथम वर्ष के 57, द्वितीय वर्ष के 47, तृतीय वर्ष के 47 तथा अंतिम वर्ष के 45 विद्यार्थी हैं। इस वर्ष महाविद्यालय के 18 विद्यार्थियों ने भारत के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर में प्रवेश लिया है।

4.2.1 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

इस महाविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण इस प्रकार हैः–

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
आचार्य	1	–	1
सह–आचार्य	4	1	3
सहायक आचार्य	18	9	9

ब. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
प्रयोगशाला सहायक	4	3	1
निजी सहायक	1	–	1
कनिष्ठ लिपिक	1	1	–
फार्म मैनेजर	1	–	1

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
पम्प ऑपेरटर+	1	–	1
पुस्तकालय सहायक	1	–	1
कृषि पर्यवेक्षक	1	1	–
फार्म वर्कर	1	–	1
बुक लिफटर	1	–	1
खेल कोच	1	–	1
तकनीकी सहायक	2	1	1
सहायक अनुभाग अधिकारी	1	1	–
वाहन चालक'	–	–	–

+ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद के विरुद्ध कार्यरत

4.2.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की संख्या

4.2.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम

अ. छात्रों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	8	28	1	8	2	47
द्वितीय वर्ष	7	21	–	3	5	36
तृतीय वर्ष	4	19	–	8	7	38
चतुर्थ वर्ष	5	21	1	4	3	34
कुल योग	**24**	**89**	**2**	**23**	**17**	**155**

ब. छात्राओं की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	1	7	–	1	1	10
द्वितीय वर्ष	2	8	–	1	–	11
तृतीय वर्ष	1	5	–	–	3	9
चतुर्थ वर्ष	–	4	1	6	–	11
कुल योग	**4**	**24**	**1**	**8**	**4**	**41**

4.2.3 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2019-20 की प्रगति

4.2.3.1 बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या एवं प्राप्तांक प्रतिशत				कुल विद्यार्थी	टिप्पणी
	50 से कम	51 से 60	61 से 70	70 से अधिक		
प्रथम वर्ष	3	5	24	15	47	
द्वितीय वर्ष	–	3	33	12	48	
तृतीय वर्ष	–	6	30	9	45	
चतुर्थ वर्ष	–	–	11	32	43	

4.2.3.2 छात्रवृत्ति विवरण

कृषि विभाग राजस्थान सरकार द्वारा छात्राओं के अध्ययन हेतु प्रोत्साहन राशि स्वरूप कुल 43 छात्राओं को रु. 12,000/– प्रति वर्ष दी जा रही है। समाज कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति में अनुसुचित जाति, अनुसुचित जनजाति, अ.पि.व. एवं एस.वी.सी. के कुल 36 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की सुविधा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त 2 छात्रों को अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति एवं कई विद्यार्थियों ने श्रम विभाग, राजस्थान सरकार से देय छात्रवृत्ति हेतु आवेदन कर रखा है।

4.2.3.2.1 छात्रों द्वारा प्राप्त छात्रवृत्ति का विवरण 2019-20

छात्रवृत्ति का नाम	कुल छात्रों की संख्या	अनुदान के स्त्रोत
एससी/एसटी/ओबीसी/एसबीसी	**36**	समाज कल्याण और अधिकारिता विभाग
छात्राओं के लिए प्रोत्साहन राशि	**43**	कृषि विभाग
अल्पसंख्यक एवं निःशक्तता	**2**	अल्पसंख्यक मामलात विभाग
कुल छात्रवृतियॉ	**81**	

4.2.3.3 मेरिट/अन्य पुरस्कार

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रथम दीक्षान्त समारोह दिनांक 04.08.2019 को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के कुल 74 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की तथा वर्ष 2018 के बैच की छात्रा भावना सिंह राठौड़ को स्नातक स्तर पर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान लाने पर स्वर्ण–पदक प्रदान किया।

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के 6 छात्र–छात्राओं की कृषि विभाग, राजस्थान सरकार में सहायक कृषि अधिकारी के पद पर नियुक्ति हुई। श्री मनराज मीणा को राष्ट्रीय बीज निगम में नियुक्ति मिली है एवं प्रथम बैच में पास विद्यार्थी अमर चन्द शिवराण का बैंक ऑफ बडौदा में कृषि अधिकारी के रूप में नियुक्ति हुई।

4.2.4 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन/पखवाड़ा

4.2.4.1 गणतंत्र दिवस

कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर में गणतन्त्र दिवस का आयोजन दिनांक 26.01.2019 को प्रातः 8.00 बजे ध्वजारोहण कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

4.2.4.2 परीक्षा पर चर्चा में शामिल हुए विद्यार्थी

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर पर माननीय प्रधानमंत्री का प्रत्यक्ष संबोधन विद्यार्थियों के लिए दिनांक 29 जनवरी, 2019 को प्रसारित किया गया जिसमें महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

4.2.4.3 मतदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भारत निर्वाचन आयोग एवं श्रीमान् जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर), पाली से प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में लोकसभा आम चुनाव, 2019 को मद्देनजर रखते हुए, दिनांक 05.04.2019 को प्रातः 11:00 बजे मतदान को सुनिश्चित एवं निष्पक्ष मतदान करने हेतु सभी छात्र–छात्राओं एवं शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी एवं उपस्थित नागरिकों' को अधिष्ठाता डॉ. एस.डी. रतनू के सानिध्य में शपथ दिलाई गयी।

4.2.4.4 कृषि विस्तार सेवा में डिप्लोमा प्रशिक्षणार्थियों के दल ने महाविद्यालय का किया भ्रमण

कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर जोधपुर में प्रशिक्षण ले रहे विभिन्न क्षेत्रों के खाद बीज विक्रेताओं ने कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर का दिनांक 26 मई, 2019 को भ्रमण किया। खाद बीज विक्रेताओं ने इस केन्द्र के बीज उत्पादन इकाई नींबू, अनार, बैर एवं सब्जी उत्पादन, ग्वारफली, भींडी, टिंड्सी, चंवला इत्यादि फसलों के उत्पादन लेने की तकनीकी जानकारी ली। डॉ. एच. पी. परेवा ने मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में मृदा के परीक्षण, पानी की जांच, मृदा नमूना लेने का तरीका तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड

के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर टीम प्रभारी डॉ. आर.पी. जांगीड़ पूर्व निदेशक, कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर ने विभिन्न जानकारियां लेते हुए सभी कार्यों एवं कर्मचारियों की प्रशंसा की तथा महाविद्यालय के बहुत कम समय में प्रगति करने पर अधिष्ठाता महोदय को बहुत–बहुत बधाई दी।

4.2.4.5 विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर महाविद्यालय एवं ऐक्सिस बैंक के सयुक्त तत्वाधान में दिनांक 5 जून, 2019 को पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारीयों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारीयों को डॉ. रतनु एवं एक्सिस बैंक मैनेजर सुनिल व्यास ने शपथ दिलाई की अधिक से अधिक पेड़ लगायेगे एवं पानी बचायेगे, नदी तालाबों एवं कूडे–कचरें का उचित निस्तारण करेगें। इस अवसर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

4.2.4.6 कृषि वैज्ञानिकों ने किया क्षेत्र का भ्रमण

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के अधिष्ठाता डॉ. एस.डी. रतनू ने किसानों की समस्याओं एवं मौसम परिवर्तन को देखते हुए क्षेत्र में फैलने वाले कीट और बीमारियों के अवलोकन एवं किसानों को उनका निदान सुझाने हेतू डॉ. राजू लाल भारद्वाज, डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा, डॉ. सौरभ जोशी एवं डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा की टीम गठित कर दिनांक 13.06.2019 को किसानों की मांग पर जिले के बिलाड़ा एवं सौजत क्षेत्र में भेजा।

4.2.4.7 विश्व योग दिवस

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के मुख्य प्रांगण में 21 जून 2019 को विश्व योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सूर्य नमस्कार के साथ हुई। कार्यक्रम में भाग ले रहे अधिकारियों, विद्यार्थियों को योग की विभिन्न क्रियाऐं जैसे भुजंगासन, पद्मासन, गरूडासन, अर्ध चन्द्रासन का अभ्यास करवाया तथा उन्होंने कहा कि नियमित योग करने से असाध्य रोगों से भी निदान पाया जा सकता है।

4.2.4.8 रैगिंग विरोधी समितियों का गठन

यूजीसी नियमन के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग रोकने के लिए जून माह, 2019 को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में रैगिंग विरोधी समिति का गठन किया गया। सत्र की शुरुआत (जुलाई, 2019) में संस्था के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर रैगिंग विरोधी फ्लेक्स/बैनर चस्पा किए गए। रैगिंग संबंधी किसी भी शिकायत हेतु अधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों के फोन नंबर एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर कृषि महाविद्यालय एवं कन्या छात्रावास, परिसर में चस्पा किए गए।

4.2.4.9 उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु जुलाई माह के अन्त में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार द्वितीय वर्ष के छात्र– छात्राओं ने नवागंतुकों का स्वागत किया तथा सभी नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं का तिलक लगाकर, रोली बांधकर एवं मुंह मीठा कराकर अभिनंदन किया गया।

4.2.4.10 स्वच्छ भारत अभियान

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में स्वच्छता का संदेश प्रसारित करने के लिए पूरे वर्षभर ''स्वच्छ भारत अभियान'' का आयोजन किया गया। छात्रों ने इसके अंतर्गत महाविद्यालय के साथ–साथ आस–पास के क्षेत्रों की पूरे उत्साह से सफाई की। विद्यार्थीयों ने महाविद्यालय, फार्म, गर्ल्स छात्रावास, मेस, गेस्ट हाउस, अनुसन्धान परिसर, महाविद्यालय और के सामने रोड साइड क्षेत्र को पूरी तरह से साफ–सफाई कार्य किया।

4.2.4.11 पौधारोपण कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 27 जुलाई, 2019 को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम वर्ष के प्रत्येक छात्र–छात्रा को वर्ष के प्रारम्भ में ही चार पौधों को गोद लेकर चार साल तक उन पौधों की देखभाल करनी है। कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग 200 पौधें जैसे बोगनविलिया, गुलमोहर, चम्पा तथा अशोक आदि का रोपण किया गया।

4.2.4.12 स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में 73 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े धूम–धाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान अन्य शिक्षकों एवं अधिकारियों ने अपने विचार प्रकट किये। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत–प्रोत रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के समस्त कर्मचारीगण एवं विद्यार्थिगण उपस्थित रहें।

4.2.4.13 शिक्षक दिवस

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की याद में 5 सितंबर, 2019 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इसमें बी. एस.सी. (ऑनर्स) कृषि के विभिन्न सेमेस्टर्स के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने शिक्षक दिवस के इस अवसर पर संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया एवं विभिन्न प्रस्तुतियां दी।

4.2.4.14 कक्षा प्रतिनिधि चयन तथा महाविद्यालय छात्र संघ का चुनाव

कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर में छात्रसंघ चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए।

4.2.4.15 महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 को भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी की 150वीं जंयति पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। इस कार्यक्रम में संस्था के अधिष्ठाता डॉ.एस.डी. रतनू ने राष्ट्रपिता के राष्ट्र के निर्माण, स्वतंत्रता दिलवाने में योगदान एवं उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों एवं कार्मिकों ने महाविद्यालय परिसर एवं आस–पास के स्थानों को प्लास्टिक से मुक्त कर भविष्य में प्लास्टिक उपयोग नहीं करने की शपथ ली।

4.2.4.15.1 जल शक्ति अभियान का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 को भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी की 150वीं जंयति के साथ जल शक्ति अभियान का आयोजन भी किया गया। जलशक्ति अभियान के तहत जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए वर्तमान में प्रचलित नई तकनीकों जैसे बूंद–बूंद सिंचाई व फव्वारा पद्धति से सिंचाई कर अतिरिक्त क्षेत्र को सिंचित कर उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। पानी को अमूल्य बताते हुए मितव्ययता से खर्च करने की सलाह दी।

4.2.4.15.2 फिट इंडिया रन का आयोजन

भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों की पालनार्थ महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं समस्त कर्मचारियों ने फिट इंडिया रन कार्यक्रम के तहत दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 को लगभग तीन किलोमीटर की मैराथन दौड़ में भाग लिया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वयक ने नित्य प्रातःकालीन दौड़ का स्वयं के स्वास्थ्य एवं देश के उत्थान में महत्व बताया। इस कार्यक्रमों में महाविद्यालय के लगभग 200 छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

4.2.4.16 राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत् सात दिवसीय शिविर का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया। यह शिविर 21–27 जनवरी, 2019 तक चला जिसमें 48 स्वयंसेवकों को राष्ट्र की सेवा हेतु प्रशिक्षित किया एवं शिविर के दौरान होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। सात दिवसीय शिविर में स्वयं सेवकों द्वारा कालेज प्रागंण का सौंदर्यकरण के साथ–साथ जवाई बांध के मुहाने की सफाई का कार्य भी किया गया। शिविर के दौरान पौधारोपण, भूमि समतलीकरण, फुलों की क्यारियों का निर्माण बगीचों की साफ–सफाई, निराई–गुड़ाई एवं उद्यानिकी क्रियाओं द्वारा कॉलेज प्रागंण को हरा–भरा एवं सुंदर बनाने का कार्य किया गया।

4.2.4.17 विश्व मृदा दिवस का आयोजन

मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूकता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से 5 दिसंबर, 2019 को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की थीम ''मृदा क्षरण को रोंके, हमारे भविष्य को बचायें'' रखी गई। सभी ने इस अवसर पर प्रतिज्ञा ली कि वे अपने स्वयं के खेत से या अपने परिजनों के खेत से मृदा का नमूना लेगें।

4.2.4.18 अन्तर् कृषि विश्वविद्यालय युवा महोत्सव प्रतियोगिता 2018–19

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सभी विद्यार्थी दिनांक 03 फरवरी से 07 फरवरी 2019 तक सरदार कृषि नगर दांतीवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय अन्तर् कृषि विश्वविद्यालय युवा महोत्सव प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के दल ने वाद–विवाद, एकल डांस, एकल गान, समूह गान, राष्ट्रभक्ति गान, पेंटिग, संवाद, रंगोली, क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

4.2.4.19 अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता

कृषि महाविद्यालय, नागौर द्वारा तीन दिवसीय अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 17–19 अप्रेल, 2019 को किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्यतः–कबड्डी, बॉलीबाल, बेडमिन्टन, टेबल टेनिस, फुटबाल तथा एथलेटिक्स इत्यादि खेलों का समायोजन किया गया। इसी दौरान व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर छात्रा वर्ग में पूनम, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

4.2.4.20 वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

कृषि महाविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता, 2019–20 का शुभारम्भ दिनांक 09.10.2019 को

किया गया । इस दौरान 100, 200, 400, 800, 1500, 5000 मीटर दौड़, तस्तरी फेंक, त्रिकूद, लंबी कूद, भाला फेंक, गोला फेंक, कबड्डी, वॉलीबाल, चेस, बैंडमिंटन, टेबल टेनिस एवं क्रिकेट आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। व्यक्तिगत रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर छात्र वर्ग में अंकित एवं छात्रा वर्ग में सोनू सर्वश्रेष्ठ एथलीट का मैडल अपने नाम किया।

4.2.4.21 विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 17–19 नवम्बर,, 2019 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के तीन दिवसीय अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता, 2019–20 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. बी. आर चौधरी मुख्य अतिथि, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। इस प्रतियोगीता में तीनों महाविद्यालयों से 51 छात्राऐं एवं 114 छात्र, कुल 165 प्रतिभागी 19 विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिये।

4.2.5 आलौच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ

1. महाविद्यालय में नर्सरी ईकाई, हर्बल पार्क में ड्रिप सिंचाई सिस्टम, लॉन में पॉपअप सिंचाई सिस्टम और कुँचुऐं खाद की ईकाई की स्थापना की गई।
2. महाविद्यालय में छात्रों को नवीन सूचनार्थ हेतु ई–कियोस्क की स्थापना की गई।
3. महाविद्यालय में शस्य विज्ञान, प्रसार शिक्षा, आनुवांशिकी, कम्पयुटर, उद्यान विज्ञान, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान की प्रयोगशालाओं में विस्तार किया गया।
4. महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति के निर्देशानुसार शैक्षणिक वातावरण में सुधार के उपायों को लागू कर लिया गया है।
5. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के 7 छात्र–छात्राओं का कृषि विभाग, राजस्थान सरकार में सहायक कृषि अधिकारी के पद नियुक्ति हुए।
6. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता, 2019–20 का आयोजन किया गया।
7. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के कई छात्र–छात्राओं ने कृषि परिवेक्षक परीक्षा उत्तीर्ण की।

4.2.6 आधारभूत सुविधाएँ

4.2.6.1 छात्रावास

वर्तमान में महाविद्यालय में एक छात्रावास छात्राओं के लिए उपलब्ध हैं जिसकी क्षमता 51 है। इस छात्रावास में वर्तमान में 43 छात्राऐं आवास कर रही है। यह छात्रावास कृषि अनुसंधान उप केन्द्र के पुराने भवन में संचालित किया जा रहा हैं। छात्रावास में टेलीविजन, वाटर कुलर, रेफ्रीजरेटर एवं इन्डोर खेलों की पर्याप्त व्यवस्था है।

4.2.6.2 पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय ओपन सेल्फ पद्धति के द्वारा संचालित है एवं वर्तमान में 3677 पुस्तकें, उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में रेप्रोग्राफी की सुविधा उपलब्ध है। विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं एवं तथ्यों इत्यादि की जानकारी से अवगत करवाने हेतु हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र, अनुसंधान पत्रिकाएं तथा मेगजीन एवं पत्रिकाओं को भी उपलब्ध कराया जा रहा हैं।

4.2.6.3 वाहन सुविधा

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में एक बस, एक बोलेरो, दो ट्रेक्टर की सुविधा है।

4.2.6.4 कम्प्यूटर प्रयोगशाला

महाविद्यालय में सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला सूचारू रूप से संचालित की जा रही है साथ में इन्टरनेट की व्यवस्था भी है, जिसमें 30 कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध है।

4.2.6.5 केन्टीन

महाविद्यालय में केन्टीन सूचारू रूप से संचालित की जा रही है।

4.2.7 शैक्षणिक एवं शोध फार्म

महाविद्यालय में 20 है. क्षेत्र में शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान के लिए पूर्ण विकसित प्रक्षेत्र है जिसमें फसलों के साथ–साथ छात्रों को प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं संकाय अधिकारियों द्वारा विभिन्न शोध कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

4.2.8 छात्रोपयोगी सहशैक्षणिक गतिविधियां

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों तथा प्रायोगिक ज्ञान हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरोही का भ्रमण किया ।

4.2.9 छात्र प्लेसमेन्ट्स व अन्य संस्थानों में प्रवेश

4.2.9.1 छात्र प्रशिक्षण एवं प्लेसमेन्ट्स सेल

कृषि महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु प्रशिक्षण एवं प्लेसमेन्ट सेल कार्यरत है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों का प्लेसमेन्ट होता है। महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डॉ. सौरभ जोशी ने विद्यार्थियों को रोजगार से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी पूरे वर्ष दी। कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के बी.एस. सी (ऑनर्स) कृषि चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों हेतू 3 जून, 2019 में यूपीएल प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी के द्वारा कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया एवं उनमें से 06 विद्यार्थी सफल घोषित किये गये। इसी के साथ आगामी वर्षों में विद्यार्थियों के प्लेसमेंट हेतू कृषि क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न कम्पनियों एवं प्राईवेट बैंकिंग सेक्टर के साथ संपर्क स्थापित सुनिश्चित किया जा रहा है।

4.2.9.2 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के उत्तीर्ण छात्रों का राष्ट्रीय संस्थानों में नामांकन/प्रवेश

वर्ष 2019–20 में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर से 42 छात्रों ने बी.एस.सी. (आनर्स) कृषि में डिग्री उत्तीर्ण की उनमें से उच्च शिक्षा हेतु राष्ट्रीय संस्थानों में नामांकन / प्रवेश लिया है।

4.2.10 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर अपने शिक्षकगणों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सहायता से सफलता के नए आयाम पाने को अग्रेसित है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में नियमित कक्षाएं एवं अत्याधुनिक तकनीकों द्वारा शिक्षण, विद्यार्थियों के उत्साह एवं लगन को बढ़ाता है। वर्तमान सत्र में शिक्षा के साथ–साथ शारीरिक विकास पर भी सम्पूर्ण ध्यान केन्द्रित किया गया है जिसके नियमित खेलकूद गतिविधियां करना एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योगाभ्यास भी सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा प्रायोगिक शिक्षा पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया एवं इसके लिए आधारभूत सुविधाएं तैयार करवाई गई।

4.3 कृषि महाविद्यालय, नागौर

कृषि महाविद्यालय, नागौर की स्थापना वर्ष 2015 में हुई। महाविद्यालय में कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में कुल 190 व खाद्य प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर कार्यक्रम में 4 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। यह महाविद्यालय अपने नवनिर्मित परिसर में संचालित किया जा रहा है जो कि आधुनिक तकनीक द्वारा निर्मित किया गया है एवं उच्च तीव्रता के भूकम्प और तापीय विकिरणों के प्रति प्रतिरोधी है जिसमें आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाएँ (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन प्रयोगशाला, सामान्य विज्ञान प्रयोगशाला, मृदा विज्ञान प्रयोगशाला, पादप रोग विज्ञान प्रयोगशाला, कीट विज्ञान प्रयोगशाला, उधान विज्ञान प्रयोगशाला, खाद्य विज्ञान व प्रोद्योगिकी प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला), पुस्तकालय, आधुनिक (प्रोजेक्टर युक्त) व्याख्यान कक्ष, सम्मेलन कक्ष, अध्ययन कक्ष हैं। महाविद्यालय के कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के प्रथम बैच ने जून, 2018 में अपनी स्नातक डिग्री पूर्ण की तथा इस बैच के 10 विद्यार्थियों ने भारत के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर में प्रवेश लिया है।

4.3.1 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

इस महाविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण इस प्रकार हैं:–

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
आचार्य	2	–	2
सह–आचार्य	7	1	6
सहायक आचार्य	20	8	12
सह–पुस्तकालय अध्यक्ष	–	–	–

ब. गैर-शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
प्रयोगशाला सहायक	6	4	2
निजी सहायक	1	–	1
कनिष्ठ लिपिक	2	1	1
प्रयोगशाला तकनिकी सहायक	2	–	2
पम्प ऑपेरटर	–	–	–
पुस्तकालय सहायक	1	–	1
कृषि पर्यवेक्षक	1	1	–
वाहन चालक	–	–	–
कार्यालय सहायक	1	–	1
क्रीड़ा प्रशिक्षक	1	–	1
तकनिकी सहायक	2	–	2
बुक लिफ्टर	1	–	1
फार्म वर्कर	1	–	1
क्लास IV	4	–	4

4.3.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की संख्या

4.3.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम

अ. छात्रों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	3	21	1	10	1	36
द्वितीय वर्ष	1	13	–	5	1	20
तृतीय वर्ष	1	18	–	6	1	26
चतुर्थ वर्ष	6	20	3	4	1	37
कुल योग	**11**	**72**	**4**	**28**	**4**	**119**

ब. छात्राओं की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	2	17	–	2	1	22
द्वितीय वर्ष	1	14	–	–	–	15
तृतीय वर्ष	2	11	–	2	2	17
चतुर्थ वर्ष	–	9	1	–	–	10
कुल योग	**5**	**51**	**1**	**4**	**3**	**64**

4.3.2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम

अ. छात्रों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
	–	–	1	1	–	–	1	1	–	–	4
कुल योग	–	–	1	1	–	–	1	1	–	–	4

ब. छात्राओं की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
कुल योग	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–

4.3.3 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2019-20 की प्रगति

4.3.3.1 बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या एवं प्राप्तांक प्रतिशत				कुल विद्यार्थी	टिप्पणी
	50 से कम	51 से 60	61 से 70	70 से अधिक		
प्रथम वर्ष	–	–	–	–	58	परिणाम प्रतिक्षित
द्वितीय वर्ष	1	4	16	14	35	
तृतीय वर्ष	–	4	25	14	43	
चतुर्थ वर्ष	–	8	24	15	47	
स्नातकोत्तर कार्यक्रम						
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	–	–	–	–	2	परिणाम प्रतिक्षित
स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष	–	–	1	1	2	

4.3.3.2 छात्रवृत्ति विवरण

महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं स्कॉलरशिप में भी अपनी अग्रणी भूमिका अदा करते हैं। कृषि विभाग राजस्थान सरकार द्वारा छात्राओं के अध्ययन हेतु प्रोत्साहन राशि स्वरूप कुल 66 छात्राओं को रु. 12,000/– प्रति वर्ष दी जा रही है। इसके साथ ही एक छात्र को विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार द्वारा इन्सपायर स्कॉलरशिप दी जा रही है। राजस्थान पॉलिस विभाग द्वारा एक छात्र को स्कॉलरशिप दी जा रही है। समाज कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप में SC के 19, ST के 03, SBC के 01 एवं OBC के 4 छात्र –छात्राओं को स्कॉलरशिप प्रदान की जा रही है।

4.3.3.3 मेरिट/अन्य पुरस्कार

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा आयोजित संयुक्त पी. जी. प्रवेश परीक्षा में महाविद्यालय की बी.एस.सी. चतुर्थ वर्ष की छात्रा सुनिता कंवर ने राजस्थान में तृतीय स्थान हासिल किया।

4.3.4 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन/पखवाड़ा

4.3.4.1 महाविद्यालय व स्पाइसेज बोर्ड द्वारा क्रेता-विक्रेता के मध्य संवाद कार्यक्रम

राजस्थान में मसाला उधोग को बढ़ावा देने के उदेश्य से स्थानीय उत्पादों को अंतराष्ट्रीय बाजार में पहचान व किसानों को बाजार भाव दिलाने के उदेश्य से स्पाइसेज बोर्ड ने महाविद्यालय मे पहली बार क्रेता–विक्रेताओं के मध्य सीधा संवाद कार्यक्रम का आयोजन 24 जनवरी 2019 को किया गया जिसमें देशभर से 15 निर्यातक नागौर व जोधपुर के किसानों से मिले।

4.3.4.2 गणतंत्र दिवस

महाविद्यालय में गणतन्त्र दिवस का आयोजन ध्वजारोहण के साथ किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण इकाई के द्वारा देशभक्ति पूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

4.3.4.3 नेत्र परीक्षण शिविर

महाविद्यालय में निःशुल्क "नेत्र परीक्षण शिविर" का आयोजन 27 अप्रेल, 2019 को ASG नैत्र चिकित्सालय के अनुभवी चिकित्सों के तत्वावधान में किया गया, जिसमें महाविद्यालय के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 150 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

4.3.4.4 विश्व योग दिवस

योग दिवस का आयोजन 21 जून, 2019 को महाविद्यालय परिसर में डॉ. कानसिंह राठौड के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता महोदय ने योग से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया।

4.3.4.5 पौधारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय व वन विभाग नागौर के द्वारा जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन माननीय सुखराम विश्नोई, वन व पर्यावरण राज्य मंत्री की उपस्थिति में 08 अगस्त, 2019 को आयोजित किया गया। माननीय मंत्री महोदय ने उपस्थित विद्यार्थियों व जनमानस को वनों के सरक्षंण व वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताया व महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर भागीरथ सिंह की उपस्थिति में महाविद्यालय में 19 अगस्त, 2019 को एक कदम–एक पेड़, पेड़ एक–जिंदगी अनेक उदेश्य के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति ने विद्यार्थियों को अपने जीवन में चार पौधों को गोद लेकर चार साल तक उन पौधों की देखभाल करने का संदेश दिया।

4.3.4.6 स्वच्छ भारत अभियान

150 वीं महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छ कैम्पस, जल शक्ति कैम्पस, एवं जल शक्ति ग्राम के विषय को लेकर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने दिंनाक 03 अगस्त, 2019 को महाविद्यालय परिसर व उसके आस पास के क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त किया व महाविद्यालय छत की साफ–सफाई की। पौधों के चारों ओर थावले बनाये और पौधों को पानी पिलाया। अधिष्ठाता महोदय ने राष्ट्र पिता महात्मा गांधीजी की जीवनी के बारे में व स्वच्छता का दैनिक जीवन में महत्व के बारे में बताया। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहें।

4.3.4.7 स्वतंत्रता दिवस

महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्षोलास से मनाया गया जिसमें महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. महेश पूनिया ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान के बारे में बताया तथा विद्यार्थी जीवन में अनुशासन एवं संयम के महत्व को समझाया। इस उपलक्ष्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति पेश की।

4.3.4.8 कक्षा प्रतिनिधि चयन तथा महाविद्यालय छात्र संघ का चुनाव

कृषि महाविद्यालय, नागौर में छात्र संघ चुनाव 2019 सफलतापूर्वक अगस्त, 2019 में सम्पन किये गये। जिसमें कक्षानुसार कक्षा प्रतिनिधि निर्विरोध चुने गये तथा महाविद्यालय स्तर पर अध्यक्ष पद रिक्त रहा, सचिव पद पर सुश्री कविता मीणा एवं संयुक्त सचिव पद पर सुश्री कोमल राठौड़ निर्विरोध निर्वाचित किये गये।

4.3.4.9 शिक्षक दिवस

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की याद में 5 सितंबर, 2019 को शिक्षक दिवस का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के समापन पर अधिष्ठाता ने विद्यार्थीयों को अच्छे नागरिक बनकर देश की सेवा करके जीवन को सफल बनाने का संदेश दिया।

4.3.4.10 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर का सातवां स्थापना दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सातवें स्थापना दिवस पर 14 सितम्बर 2019 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय द्वारा गोद लिये हुए ग्राम गोगेलाव की जलसंरक्षण इकाई के आस–पास वाले क्षेत्र में साफ–सफाई की व ग्रामवासियों को ग्राम को स्वच्छ रखने का संदेश दिया एवं स्वच्छता का दैनिक जीवन में महत्व समझाया।

4.3.4.11 महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती

महाविद्यालय परिसर में 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. महेश कुमार पूनिया ने महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुये राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया।

4.3.4.12 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगाँठ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगाँठ महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर, उसके आस पास के क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त किया व महाविद्यालय की साफ–सफाई की।

4.3.4.13 रक्तदान शिविर

श्री बलदेव राम मिर्धा राजकीय महाविद्यालय नागौर में 02 अक्टूबंर, 2019 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे अधिष्ठाता डॉ. महेश कुमार पूनिया व महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रक्तदान किया।

4.3.4.14 राष्ट्रीय एकता दिवस

31 अक्टूबर, 2019 को सरदार पटेल जी के जन्म दिवस पर समस्त महाविद्यालय कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली।

4.3.4.15 स्वच्छता कार्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को बेन किये जाने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में दो सप्ताह का जागरूकता शिविर का आयोजन 13 से 26 नवम्बर 2019 को किया गया, जिसमें महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं व स्टाफ ने महाविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त किया तथा गोद लिये हुये ग्राम गोगेलाव में सिंगल यूज प्लास्टिक बेन करने हेतु जागरूकता रेली निकाल कर ग्रामीणों को जागरूक किया।

4.3.5 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE)

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के तहत बी.एस.सी (ऑनर्स) कृषि चतुर्थ वर्ष के 35 छात्र–छात्राओं का ऑरिऐन्टेशन प्रोग्राम जनवरी, 2019 में आयोजित कर उन्हें ग्रामीण परिवेश में ग्रामीण अनुभव के लिए कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, नागौर, कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन व मौलासर भेजा गया।

4.3.6 खेलकूद प्रतियोगिता

4.3.6.1 ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी खेलकूद प्रतियोगिता

महाविद्यालय ने प्रथम बार पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में आयोजित 19वाँ ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स व गेम्स मीट में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के चौदह विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलकूद स्पर्धाओं में भाग लिया ।

4.3.6.2 अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

महाविद्यालय द्वारा तीन दिवसीय अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 17–19 अप्रेल, 2019 को किया गया। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय नागौर, मंडोर, सुमेरपुर में चयनित छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के दौरान मुख्यतः–कबड्डी, बॉलीबाल, बेडमिन्टन, टेबल टेनिस, फुटबाल तथा एथलेटिक्स इत्यादि खेलों का समायोजन किया गया। इसी दौरान व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर छात्रों में रजनीश काजला सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

4.3.6.3 अन्तर कक्षीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

महाविद्यालय द्वारा तीन दिवसीय अन्तर कक्षीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 29–31 अगस्त, 2019 को किया गया। विद्यार्थियों द्वारा किए गए व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर छात्रों में छात्र रजनीश काजला तथा छात्राओं में छात्रा हंसा गुर्जर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

4.3.6.4 अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

महाविद्यालय में तीन दिवसीय अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकुद प्रतियोगिता का आयोजन 17–19 नवम्बर, 2019 को किया गया। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय नागौर, मंडोर, सुमेरपुर में चयनित छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने कब्बडी व टेबल टेनिस मे प्रथम, 400 मीटर रिले दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया व छात्र वर्ग में बॉलीबाल व फुटबॉल में द्वितीय, टेबल टेनीस मे प्रथम एंव ज्वैलियन थ्रो में महाविद्यालय के छात्र प्रथम स्थान पर रहे।

4.3.7 आलौच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ

- महाविद्यालय के नवीन परिसर में आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन प्रयोगशाला, सामान्य विज्ञान प्रयोगशाला, मृदा विज्ञान प्रयोगशाला, पादप रोग विज्ञान प्रयोगशाला, कीट विज्ञान प्रयोगशाला, उधान विज्ञान प्रयोगशाला, खाद्य विज्ञान व प्रोद्योगिकी प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं स्थापित की गई है जिनमें विभिन्न प्रायौगिक कक्षाएं संचालित की जा रही है।
- महाविद्यालय में सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला इन्टरनेट सुविधा सहित सूचारू रूप से संचालित की जा रही है जिसमें 25 कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध है।

- महाविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं युक्त तीन डिजिटल कक्षा कक्ष को आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अनुरूप परिवर्तित किया गया है।
- विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय में आन्तरीक व बाहरी खेल मैदान में खेल से सम्बधित सुविधाए सुनिश्चित की गई हैं।

4.3.8 आधारभूत सुविधाएँ

महाविद्यालय में विशेष योग्यजनों की सुविधाओं को देखते हुए छः रेम्प का निर्माण करवाया गया है। विद्यार्थियों के उपयोग हेतु शीतल एवं शुद्ध जल की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। विद्यार्थियों के बैठने हेतु उच्च गुणवत्ता वाली टेबल एवं कुर्सी की व्यवस्था है। विद्यार्थियों के शिक्षण हेतु प्रत्येक कक्षा में LCD Projector एवं Speaker की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।

4.3.8.1 वाहन सुविधा

महाविद्यालय में एक बस, एक बोलेरो, एक ट्रेक्टर की सुविधा है।

4.3.8.2 छात्रावास

वर्तमान में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं हेतु छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं है परन्तु छात्र एवं छात्राओं हेतु शीघ्र ही छात्रावास बनवाना अपेक्षित है।

4.3.8.3 पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय आधुनिक सुविधाओं के साथ सुचारू रूप से संचालित है। इस पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 7000 के लगभग पुस्तकें उपलब्ध है। पुस्तकालय में नियमित रूप से हिन्दी व अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र उपलब्ध होते हैं व साथ ही साथ पुस्तकों का व्यवस्थापन विशेष क्रम में किया गया है।

4.3.8.4 शैक्षणिक एवं शोध फार्म

कृषि महाविद्यालय नागौर के अन्तर्गत शैक्षणिक एवं शोध कार्य हेतु लगभग 50 हैक्टेयर जमीन उपलब्ध है। जिसमें से लगभग 20 हेक्टेयर में मुंग की GAM–5 व 10 हेक्टेयर में मुंग की GM-4 किस्म, 10 हेक्टेयर में बाजरे की MPMH-21 किस्म का बीजोत्पादन किया गया। साथ ही एक ऐकड. में रोजा व लेमन ग्रास का क्षैत्र परीक्षण लगााया गया है।

4.3.9 छात्रोपयोगी सहशैक्षणिक गतिविधियां

4.3.9.1 विशेष अध्यापन का आयोजन व शैक्षणिक भ्रमण

महाविद्यालय के प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने 27 फरवरी 2019 को जायल क्षेत्र के विभिन्न प्रगतिशील किसानों के खेतो पर भ्रमण कर संकर बीज उत्पादन, मधुमक्खी पालन व कृत्रिम परागण किया, फसलों में लगने वाले हानिकारक व मित्र कीटों के बारे में जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने 17 अक्टूबर 2019 को नागौर क्षैत्र के विभिन्न टिड्डी प्रभावित किसानों के खेतो पर डॉ नेमाराम के मार्गदर्शन में क्षैत्र भ्रमण कर टिड्डी से होने वाले नुकसान, जीवन चक्र आदि के बारे में जानकारी ग्रहण की।

4.3.9.2 विशेष लेक्चर का आयोजन

महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु समय–समय पर विभिन्न उत्साहवर्धक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष लेक्चर का आयोजन अनुभवी शिक्षकगणों द्वारा किया गया है।

4.3.9.3 मानवीय मूल्य एवं नैतिकता पर लेक्चर का आयोजन

- कृषि महाविद्यालय, नागौर में राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर के निदेशक डॉ. गोपाल लाल ने विद्यार्थियों को मानवीय मूल्य एवं नैतिकता को अपने जीवन में अपनाने पर जोर दिया तथा वर्तमान समय में अवसाद व युवाओं में बढ़ती नशाखोरी से दुर रहने का संदेश दिया।
- डॉ. मन्जु कुमारी, सहायक प्राध्यापक, कृषि महाविद्यालय, नागौर के द्वारा बी.एस.सी. कृषि प्रथम वर्ष के छात्रों को पूरे सेमेस्टर में मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता पर अध्यापन कराया है।

4.3.9.4 कृषि महाविद्यालय नागौर प्रांगण में होनहार विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा आयोजित संयुक्त पी. जी. प्रवेश परीक्षा में कृषि महाविद्यालय, नागौर की बी.एस.सी. चतुर्थ वर्ष की छात्रा सुनिता कंवर ने राजस्थान में तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. महेश कुमार पूनिया ने बताया कि राजस्थान में एम.एस.सी. की सीटों पर प्रवेश के लिए 12 मई 2019 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था,

इस प्रवेश परीक्षा में महाविद्यालय के विद्यार्थियों का परिणाम उत्कृष्ठ रहा है।

4.3.9.5 रैगिंग विरोधी समितियों का गठन

यूजीसी नियमन के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग रोकने के लिए महाविद्यालय में रैगिंग विरोधी समिति का गठन किया गया। सत्र की शुरुआत में संस्था के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर रैगिंग विरोधी फ्लेक्स/बैनर लगाए गए हैं। रैगिंग सम्बंधित किसी भी शिकायत हेतु अधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों के फोन नंबर एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर महाविद्यालय परिसर में लगाए गए हैं।

4.3.9.6 उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

महाविद्यालय में नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु सत्र के आरम्भ में ही दिनांक 25 जुलाई, 2019 को उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया तथा सभी नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं का अभिनंदन किया गया। सम्बंधित प्रभारियों के द्वारा राज्य सरकार की स्वीकृत छात्रवृत्तियों, परीक्षा एवं अध्ययन सम्बन्धी नियम, आचरण संहिता, खेलकूद नियम, पुस्तकालय नियम एवं विभिन्न प्रक्रियाओं आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

4.3.10 छात्र प्लेसमेन्ट्स व अन्य संस्थानों में प्रवेश

महाविद्यालय में छात्र प्रशिक्षण एवं प्लेसमेन्ट सेल कार्यरत है जिसके माध्यम से छात्रों का प्लेसमेन्ट होता है। इस वर्ष 04 होनहार विद्यार्थियों का विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में प्लेसमेन्ट हुआ।

4.3.11 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, नागौर अपने नवीन परिसर एवं नवनियुक्त शिक्षकगणों की सहायता से सफलता के नए आयाम पाने को अग्रेसित है। वर्तमान सत्र में शिक्षा के साथ–साथ शारीरिक विकास पर भी सम्पूर्ण ध्यान केन्द्रित किया गया है, जिसमें नियमित खेलकूद गतिविधियां करना एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योगाभ्यास भी सुनिश्चित किया गया है। नागौर जिला मुख्यालय पर कृषि अनुसंधान उप केन्द्र के पास एक भव्य व मजबूत कृषि कॉलेज का निर्माण किया गया है, जिससे नागौर जिले व आस–पास के कृषि क्षेत्र का विकास होगा।

5. प्रकाशन

5.1 प्रमुख अनुसंधान पत्र

13. Dalal, K.C., Mehriya, M. L., Shukla, U. N. and Yadav, V. L. 2019. Response of cumin (*Cuminum cyminum* L.) to different drip irrigation and fertigation levels. *International Journal of Chemical Studies*, 7(6): 537-539.

14. Dalal, K.C., Mehriya, M.L., Shukla, U.N. and Yadav, V.L. 2019. Response of cumin (*Cuminumcyminum* L.) to different drip irrigation and fertigation levels. *International Journal of Chemical Studies,* 7(6): 537-539.

18. Jain, L. K. 2018. Technology and extension gaps in pearl millet productivity in Barmer district. *Indian J. Dryland Research and Development*, 33(2): 39-42.

19. Jain, L.K., Parewa, H.P. and Ratnoo, S.D. 2019. Impact of frontline demonstration on productivity and profitability analysis of cluster bean in Barmer district of Rajasthan. *Forage Research*, 44 (4): 283-286.

22. Kumar M, and Kumawat, S.R. 2019. Knowledge level of farmers about production technology in Nagaur District of Rajasthan . *Journal of Krishi Vigyan*, 8(1):187-90.

23. Kumar M., Bhardwaj, R. L. and Sharma, J. K. 2018. Effect of Different Methods of Defoliation on Growth, Flowering and Yield in Lasura (*Cordia myxa* L.). *Indian Journal of Arid Horticulture*, 13(1-2):112-15.

24. Kumar M., Singh, Garbar and Kumari, S. 2019. Impact of frontline demonstration on knowledge and adoption of mustard growers. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*, 8(5): 1814-1816.

28. Kumar, M., Bhardwaj, R.L. and Sharma, J.K. 2018. Effect of different method of defoliation on growth, flowering and yield of lasora. *Indian Journal of Arid Horticulture*, 13(1-2): 112-115.

30. Kumawat, S. R. and Kumar M. 2018. Adoption and Constraints of *Kharif* Pulses Production Technology in Western Rajsthan. *Ind. J. Extn. Educ. & Rural Development*, 26: 180-185.

31. Lavania P., Jingar S. C., Bugalia H. L., Meena S. M. and Kumar A. 2019. Effect of *Azolla*feeding as a supplement on milk and reproduction performance on zebu cattle under field condition. *International Journal of Chemical Studies*, 7(3): 3167-3168.

32. Mandiwal, M., Shukla, U.N., Yadav, V.L., Sarita and Borana, H. 2019. Effect of phosphorus and biofertilizers on plant height and yield of mungbean [*Vignaradiata* (L.) Wilczek]. *International Journal of Chemical Studies,* 7(4): 63-65.

33. Mehriya, M L., Ramesh and Kumar, M. 2019. Production technologies for sustainable cumin production in Western Rajasthan. *Indian Journal of Arecanut, Spices and Medicinal Plants,* 21(3): *25-30.*

34. Mehriya, M. L. and Khan, I. U. 2019. Effect of irrigation based on IW/CPE ratio and drip fertigation on secondary metabolites and antioxidant activity of cumin (*Cuminum cyminum*). *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*, 8(3): 2056-2060

43. Parewa, H.P., Meena, V.S., Singh, Ummed and Choudhary, A. 2018. Strategies to Improve Pulse Production in Rajasthan, India. *Indian Journal of Plant and Soil*, 5(2): 33-40.

44. Parewa, H.P., Moola Ram, Jain, L.K. and Choudhary, A. 2019. Impact of Organic Nutrient Management Practices on Yield Attributes, Yield and Economics of Wheat *(Triticum aestivum* L.). *International Journal of Bio-resource and Stress Management*, 10(3):257-260.

47. Sarita, Sharma, O.P., Shukla, U.N., Yadav, S.K. and Choudhary, H. 2019. Effects of fertility levels and stress mitigating chemicals on yield attributes and yield of mungbean (*Vignaradiata* (L.) Wilczek). *International Journal of Chemical Studies,* 7(2): 1421-1424.

48. Sarita, Sharma, O.P., Shukla, U.N., Yadav, S.K. and Kumawat, R. 2019. Effect of fertility levels and stress mitigating chemicals on nutrient uptake, yield and quality of mungbean [*Vignaradiata* (L.) Wilczek] under loamy sand soil of Rajasthan. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences* 8(5): 965-974.

50. Shukla, U.N. and Singh, S. 2019. Biochar: Its uses and effects on agriculture. *International Journal of Global Science Research* 6(2): 1057-1068.

53. Sutaliya R. 2019. Performance of Pearl millet advance hybrids to different levels of nitrogen under dry land conditions. *International Journal of Current Microbiology and Applied Science*, 8(7): 2245-2248.

55. Yadav, M., Kumhar, S. R., Choudhary, R. and Goyal, G. 2019. Assessment of yield criteria in wheat through correlation and path analysis. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*, 8(2): 1978-1981.

56. Yadav, V.L., Shukla, U.N., Raiger, P.R. and Mandiwal, M. 2019. Efficacy of pre and post-emergence herbicides on weed control in chickpea (*Cicer arietinum* L.). *Indian Journal of Agricultural Research,* 53(1) 2019: 112-115.

57. Yadav, V.L., Shukla, U.N., Choudhary, H. and Yadav, S.K. 2019. Efficacy of different pre and post-emergence herbicides on growth, yield and economics of chickpea (*Cicer arietinum* L.). *International Journal of Chemical Studies,* 7(3): 2490-2493.

58. एच.पी. परेवा, सौरभ जोशी, अनिरूद्ध चौधरी, एम.पी.वर्मा एवं नीशु जोशी. 2019. कृषि पद्धतियों के माध्यम से मृदा जैविक कार्बन का प्रबंधन. इंडियन जर्नल ऑफ प्लांट सॉयल, 6(1): 49–55

59. नीशु जोशी, वर्षा गुप्ता, सौरभ जोशी और एच.पी. परेवा. 2019. बायोचारः मृदा स्वास्थ्य में सुधार करके जलवायु परिवर्तन का मुकाबला कने का एक तरीका. इंडियन जर्नल ऑफ प्लांट एवं सॉयल (विशेष अंक), 6(2): 109–15.

5.2 प्रमुख पुस्तकें / पुस्तिका

1. Meena D.K., Meena N. R., Nidhi and Sharma S. 2019. Fundamentals of Human Ethics and Agriculture Extension. Scientific Publisher, New Delhi. pp. 282.

2. Rathore R.K. 2018. Gamma rays induced variability in mothbean. Archers & Elevators Publishing House, Banglore (ISBN:978-93-86501-53-0).

3. मोती लाल मेहरिया, सीता राम कुम्हार, मनमोहन सुंदरिया, रमेश एवं मनीष कुमार 2019. जीरा की वैज्ञानिक खेती (पृष्ठ क्रमांक– 1–24) प्रकाशकः सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कालीकट

4. हनुमान प्रसाद परेवा एवं अमिताव रक्षित. 2019. मृदा विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त। आई एस बी एन 978–93–89184–18–1, साईन्टिफिक पब्लिशर्स, जोधपुर, भारत, पेज 312.

5. भावना शर्मा, मुक्ता अग्रवाल. 2018. मोटापे से स्वास्थ्य की ओर, पब्लिशर्स– यूनिक ट्रेडर्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

5.3 प्रमुख पुस्तक अध्याय

1. Bhati, N.K, Tripathi, P, Jodha, R and Ranawat, R. 2019. End hunger, achieve food security and improved nutrition and promote sustainable agriculture, pp 41-100. *Sustainable development goals in Indian context: Interventions and Schemes* (Chayal K., Vatta L., Ranawat R. and Meena J., eds). Pustak Sansar, New Delhi.

7. Saharan, K., Singh, Ummed, Kumawat, K.C. and Praharaj, C.S. 2019. Cropping Systems Effect on Soil Biological Health and Sustainability. *In*: *Microbial Interventions in Agriculture and Environment Volume 3: Soil and Crop Health Management* (D.P. Singh, R. Prabha Eds.) Springer Nature Singapore Pte Ltd. pp. 225-262.

9. Shukla, U.N. and Mishra, M.L. 2019. Biochar: An emerging technology for sustainable agriculture, Page No.: 91-109, Book: *Sustainable Agriculture* (Meena R.S., ed.). Scientific Publishers, Jodhpur. ISBN: 978-95-8804-362-5.

10. Singh, Ummed, Bhat, S., Sharma, P., Praharaj, C.S. and Kumar, R. 2018. Scenario of Pulse Production in India. *In*: *Farm Mechanization for Production* (Khare et al. eds.). Scientific Publishers, Jodhpur). Pp. 1-15. ISBN: 978-93-87991-60-6.

11. Singh, Ummed, Gaur, P.M., Singh, G.I. and Chaturvedi, S.K. 2018. Mechanical Harvesting of Chickpea: Agronomic Interventions. *In*: (Khare et al. eds.). Scientific Publishers, Jodhpur. Pp. 196-204. ISBN: 978-93-87991-60-6.

Knowledge Paper

12. Singh B, Choudhary B R, Singh I, Singh U, Moond S K and Choudhary S. 2019. Knowledge Paper: Underutilized Fruits and Vegetables Production: Status and Future Prospects in Arid and Semi-arid Region of India. Agriculture University, Jodhpur-342304, Rajasthan, India. pp. 30.

13. Singh B, Choudhary B R, Singh I, Singh U, Moond S K and Choudhary S. 2019. Knowledge Paper: Seed Spices Value Chain: Status and Future Prospects in Rajasthan. Agriculture University, Jodhpur-342304, Rajasthan, India. pp. 19.

5.4 लोकप्रिय प्रकाशित लेख

विश्वविद्यालय से सत्र 2019–20 में कुल 46 लोकप्रिय लेख प्रकाशित हुए।

5.5 तकनिकी बुलेटिन

1. ईश्वर सिंह एवं महेन्द्र कुमार. 2019. गोदित स्मार्ट ग्राम नेवरा रोड़ की गतिविधियों का ब्योरा। प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, 21/2019. पृष्ठ संख्या 12.
2. मोती लाल मेहरिया, सीता राम कुम्हार, मनमोहन सुंदरिया, रमेश एवं नीलम गेट. 2019. पश्चिमी राजस्थान में मसाला उत्पादन तकनीक, प्रकाशक – क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर राजस्थान – प्रशिक्षण मेनुअल.
3. मोती लाल मेहरिया, सीता राम कुम्हार, मनमोहन सुंदरिया, रमेश एवं नीलम गेट. 2019. बीजीय मसाला फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकी, प्रकाशक – क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर राजस्थान – कृषक प्रशिक्षण मेनुअल 1/2019.
4. मोती लाल मेहरिया, सीता राम कुम्हार, मनमोहन सुंदरिया, रमेश एवं नीलम गेट. 2019. बीजीय मसाला फसलों की वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकी, प्रकाशक – क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर राजस्थान – कृषक प्रशिक्षण मेनुअल 2/2019.
5. मोती लाल मेहरिया, सीता राम कुम्हार, मनमोहन सुंदरिया, रमेश एवं नीलम गेट. 2019. मसाला फसलों में उत्कृष्ट कृषि कार्य एवं गुणवताप्रबंधन, प्रकाशक – क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर राजस्थान – कृषक प्रशिक्षण मेनुअल 3/2019.
6. मोती लाल मेहरिया, सीता राम कुम्हार, मनमोहन सुंदरिया, रमेश एवं नीलम गेट– मसाला फसलों में पोषण एवं पौध संरक्षण प्रबंधन, प्रकाशक. 2019. क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर राजस्थान – कृषक प्रशिक्षण मेनुअल 4/2019.
7. Jat AR, Reddy KK, Choudhary RR, Radhakrishnan T, Singh SP, Yenagi BS, Yadav MR, Parthipan T, Mehriya ML, Reddy M and Mamatha K. 2019. Production Technologies Being Followed by Progressive Groundnut Farmers in India. ICAR- Directorate of Groundnut Research. (1/2019)
8. Singh, Ummed and Choudhary, Santosh. 2019. Precision Water Management in High Value Crops: An Option for Efficient Use of Water for Doubling Farmers Income in Arid Region, Training Manual, College of Agriculture, Agriculture University, Jodhpur, Rajasthan- 342 304, India. pp.1-198.

5.6 प्रायोगिक गाइड/प्रशिक्षण पुस्तिका

1. प्रदीप पगारिया, एल.आर. चौधरी, 2019. 15 दिवसीय गैर–आवासीय खुदरा उर्वरक विक्रय प्राधिकार प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रकाशक कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी। पृष्ठ संख्या 1–66.
2. प्रदीप पगारिया, हरि दयाल चौधरी, 2019. 15 दिवसीय गैर– आवासीय खुदरा उर्वरक विक्रय प्राधिकार प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रकाशक कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी। पृष्ठ संख्या 1–66.
3. Nema Ram. 2019. Practical Manual on Fundamentals of Entomology (ENTO 121). College of Agriculture, Nagaur (Agriculture University-Jodhpur).
4. Hansa Lakhran and Rohitash Bajiya. 2019. Practical Manual on Weed Management (AGRON 313). College of Agriculture, Nagaur (Agriculture University-Jodhpur).
5. Seema Chahar, Rekha Sodani and Sunita Yadav. 2019. Manual for soil and plant analysis. Lambart Acd. Publ.
6. Manju Kumari. 2019. Practical manual on Bio-agents and Integrated disease management (PPATH-4411). College of Agriculture, Nagaur (Agriculture University-Jodhpur).
7. Manju Kumari. 2019. Practical manual on Diseases of Field and Horticulture crops and their management-I (PPATH-312). College of Agriculture, Nagaur (Agriculture University-Jodhpur).

5.7 फोल्डर्स

विश्वविद्यालय से सत्र 2019–20 में कुल 36 फोल्डर्स प्रकाशित हुए।

5.8 संगोष्ठी, सम्मेलन, सेमिनार में प्रकाशित शोध पत्र/सारांश

विश्वविद्यालय से सत्र 2019–20 में कुल 42 शोध पत्र सारांश प्रकाशित हुए।

5.9 सम्मेलन/कार्यशाला में वैज्ञानिकों की भागीदारी

विश्वविद्यालय से सत्र 2019–20 में कुल 23 वैज्ञानिकों ने विभिन्न सम्मेलन व कार्यशालाओं में भाग लिया।

5.10 टेलीविजन/रेडियो वार्त्ता

विश्वविद्यालय से सत्र 2019–20 में कुल 4 टेलीविजन व रेडियो वार्त्ता प्रसारित की गई।

6. पुरस्कार एवं सम्मान

1 शक्ति सिंह भाटी, सहायक प्राध्यापक, सूत्रकृमि विज्ञान को 11–13 दिसम्बर, 2019 को मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में भारतीय सूत्रकृमि विज्ञान संस्था, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

2 डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा, सहायक प्राध्यापक (मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन), कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर के अनुशासित रहते हुए पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा से विश्वविद्यालय में सराहनिय कार्य करने पर गणतन्त्र दिवस, 2019 के उपलक्ष पर माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

3 डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा, सहायक प्राध्यापक (मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन), कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर को राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), दुर्गापुरा में आयोजित तीन दिवसीय ''स्थायी कृषि और ग्रामीण विकास के लिए पादप और पशु विज्ञान में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (7–9 दिसम्बर, 2019) में सर्वश्रेष्ठ (द्वितिय) मौखिक प्रस्तुति देने पर पुरस्कार मिला।

4 डॉ. आर. एल. भारद्वाज, एसोसिएट प्रोफेसर को नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (5–9 नवंबर, 2019) में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति देने पर पुरस्कार मिला।

5 डॉ. सौरभ जोशी, सहायक प्राध्यापक (पादप जैव प्रौद्योगिकी) को फोटो बायोलोजी फायटोकेमेस्ट्री एवं पादप जैव प्रौद्योगिकी विषय पर आयोजित अर्न्तराष्ट्रीय (8–9 मई, 2019) सम्मेलन में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

6 डॉ. नीशु जोशी को अनुसंधान निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ''जैविक खेती में अनुसंधान एवं विकास – वर्तमान स्थिति एवं भविष्य योजना'' 01–21 जून, 2019 में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

7 डॉ. नेमाराम, सहायक प्राध्यापक एवं साथियों को 12–13 मार्च, 2019 को स्वामी केशवानन्द कृषि विश्वविद्याालय, बीकानेर द्वारा आयोजित किसानों के सामाजिक, आर्थिक सशक्तीकरण के लिए कृषि में उद्यमिता और नवाचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति हेतु प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

8 डॉ. आर.के. राठौड़ को यूथ वर्ल्ड मैग्जीन, नई दिल्ली द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्टार डायमन्ड अचीवर्स अवार्ड 2019 से पुरस्कृत किया गया।

9 डॉ. आर.के. राठौड़ को संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र, भारत, भुटान एवं हार्टफुलनेस संस्थान, चैन्नई द्वारा आयोजित सम्पूर्ण भारतीय निबंध प्रतियोगिता के लिए कुशल सेवाये देने के लिए पुरस्कृत किया गया।

10 Dr Piyush Pradhan received best oral presentation award in the International Conference on Agrcultural and Bilogical Research, Malaysia 19-20 March, 2019.

11 Dr U N Shukla awarded appreciation award for the outstanding on the occasion of republic Day, AU Jodhpur.

12 Dr. Hari Ram Choudhary, SMS (Agronomy), KVK, Athiyasan, Nagaur-I is awarded by "Mahima Best Ph.D. Thesis Award" for outstanding research contribution in the field of Agronomy in the International Conference on Climate Change and its impact on global food security and sustainability of agriculture and quot at Banaras Hindu University, Varanasi (Uttar Pradesh) during November 23-24, 2019.

13 Dr. L.R. Choudhary, SMS Agriculture Extension, KVK, Gudamalani received NADCL Young Scientist Award in IPASSARD-2019, Organized at RARI, SKNAU Jaipur during December 07-09, 2019.

14 Dr. M L Mehriya. Distinguished Scientist Award 2019 for his outstanding contribution and recognition in the field of "Agronomy" on the occasion of International Conference on 3rd Global Meet on Science and Technology for Ensuring Food and Nutritional Security (GMSC- 2019) held at NRCSS, Ajmer during Dec. 01-03, 2019.

15 Dr. Manish Kumar received 2nd best Oral presentation award in the session B-IV during International Conference (Sugarcon-2019) on Green Technologies for sustainable Development of Sugar and Integrated Industries held at ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow, Uttar Pradesh, India from 16-19th February, 2019.

16 Dr. Manish Kumar received 3rd best poster award in poster session of National symposium on Recent Cheelenges and opportunities in sustainable Plant Health Management during 26-28 February, 2019, at held at Department of Mycology and Plant Pathology, BHU, Varanasi.

17 Dr. Nishu Kanwar Bhati received Young Scientist Award by Indian Society of Extension Education at ISEE National seminar on Holistic approach for enhancing agricultural growth in changing rural scenario held at SKRAU, Bikaner for extension research and field extension services.

18 Dr. Sewa Ram Kumawat, Senior Scientist & Head awarded best KVK Scientist Award on 16 Nov. 2019 at SKRAU Bikaner by the Indian Society Extension Education, IARI New Delhi in the National seminar, 2019 on "Holistic Approach for Enhancing Agricultural Growth in Changing Rural Scenario" From 14-16 Nov. 2019.

7. प्रबन्ध मण्डल, अकादमिक परिषद व अध्ययन मण्डल

प्रबन्ध मण्डल

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रबंध मंडल में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य हैं–

1. डॉ बी.आर. चौधरी, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, पदेन अध्यक्ष
2. प्रमुख शासन सचिव, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, पदेन सदस्य
3. प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, पदेन सदस्य
4. प्रमुख शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, पदेन सदस्य
5. प्रमुख शासन सचिव, पशु पालन विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, पदेन सदस्य
6. श्री महेन्द्र बिश्नोई, माननीय विधायक (लूणी) जोधपुर, सदस्य
7. डॉ आर. पी. जांगीड, पूर्व निदेशक अनसंधान, एसकेआरएयू बीकानेर, सदस्य
8. डॉ आर. एस. चावडा, पूर्व प्रोफेसर, मृदा विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, सदस्य
9. श्री ललित देवडा, प्रगतिशील किसान, जोधपुर, सदस्य
10. श्री राजेन्द्र कलवानिया, कृषि उद्यमी, जोधपुर, सदस्य
11. श्रीमति कीर्ति सिंह, महिला समाजिक सेविका, सदस्य
12. डॉ रामअवतार शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, काजरी, जोधपुर, सदस्य
13. डॉ ईश्वर सिंह निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, सदस्य
14. डॉ एस. डी. रतनू, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपूर, सदस्य
15. डॉ उम्मेद सिंह, प्रौफेसर कृषि महाविद्यालय मंडोर जोधपुर,
16. श्री वी. पी. सिंह, कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, सदस्य सचिव

अकादमिक परिषद

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की अकादमिक परिषद में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य हैं–

1. प्रो. बी.आर. चौधरी, माननीय कुलपति महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पदेन अध्यक्ष
2. डॉ. सीताराम कुम्हार, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – पदेन सदस्य
3. डॉ ईश्वर सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
4. डॉ. बलवंत सिंह राजपुरोहित, निदेशक प्राथमिकता निगरानी मूल्यांकन, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
5. डॉ वीरेन्द्र सिंह जेतावत, निदेशक छात्र कल्याण, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
6. डॉ वीरेन्द्र सिंह जेतावत, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
7. डॉ बी.एस. भीमावत, संकाय अध्यक्ष, एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मंडोर, जोधपुर– पदेन सदस्य
8. डॉ. सवाई दान रतनू, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली– पदेन सदस्य
9. डॉ. महेश कुमार पूनिया, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नागोर– पदेन सदस्य
10. डॉ. मन मोहन सुन्दरिया, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर– पदेन सदस्य
11. डॉ. सीताराम कुम्हार, विभागाध्यक्ष, पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
12. डॉ. ईश्वर सिंह, विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
13. डॉ. बी.एस. भीमावत, विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
14. डॉ. सवाई दान रतनू, विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
15. डॉ. एस.के. मूड, विभागाध्यक्ष, उद्यान विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य

16. डॉ. जीवाराम वर्मा, विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
17. श्री विजय पाल सिंह, माननीय कुलसचिव महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सदस्य
18. डॉ धूरेन्द्र सिंह, प्रभारी, फसल सुधार (प्लांट बायोटेक्नोलोजी), CIAH बीकानेर – नामांकित प्रख्यात कृषि शिक्षाविद्
19. डॉ. एस.आर. मालू, सेवानिवृत प्रोफेसर, (पादन प्रजनन एवं आनुवांशिकी) – सहयोजित सदस्य
20. डॉ. जी.एन. परिहार, सेवानिवृत प्रोफेसर, (शस्य विज्ञान) व पूर्व अधिष्ठाता एवं निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सहयोजित सदस्य
21. डॉ. एम.पी. राजोरा, प्रधान वैज्ञानिक, काजरी, जोधपुर – सहयोजित सदस्य
22. डॉ. एस.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, (प्लांट पैथोलोजी) – सहयोजित सदस्य
23. डॉ. सीताराम कुम्हार, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर – सचिव

अध्ययन मंडल (कृषि संकाय)

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अध्ययन मंडल (कृषि संकाय) में निम्नलिखित सदस्य हैं–

1. डॉ. एस.डी. रतनू, अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : अध्यक्ष
2. डॉ. बी. आर. चौधरी, निदेशक अनुसंधान एवं विभागाध्यक्ष अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
3. डॉ. ईश्वर सिंह, प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं विभागाध्यक्ष, शस्य विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
4. डॉ. बी. एस. भीमावत, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
5. डॉ. वी. एस. जैतावत, आचार्य, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
6. डॉ. उम्मेद सिंह, अधिश्ठाता, कृशि महाविद्यालय मंडोर, जोधपुर : सदस्य
7. डॉ. एस. के. मुण्ड, विभागाध्यक्ष, उद्यानिकी, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
8. डॉ. एम. के. पुनिया, ओ. एस. डी., एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय नागौर : सदस्य
9. डॉ. जे. आर. वर्मा, विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
10. डॉ. पंकज लवानिया, प्रभारी, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन : सदस्य
11. डॉ. आर. सी. मीणा, प्रभारी, सामान्य विज्ञान विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
12. डॉ. एच. पी. परेवा, प्रभारी, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
13. डॉ. सुरेश एन. वी., प्रभारी, कृषि वानिकी एवं वनस्पति विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
14. डॉ. दमा राम, प्रभारी, पुस्तकालय विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
15. डॉ. एल. नेताजीत सिंह, प्रभारी, सांख्यिकी विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
16. डॉ. पी. आर. पाटिल, प्रभारी, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
17. डॉ. निशा चौधरी, प्रभारी, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : सदस्य
18. डॉ. विपिन चौधरी, मुख्य वैज्ञानिक, आई. सी. ए. आर., काज़री, जोधपुर : बाह्य नामांकित सदस्य
19. डॉ. मोहर सिंह मीणा, मुख्य वैज्ञानिक, आई. सी. ए. आर., अटारी, जोधपुर : बाह्य नामांकित सदस्य
20. डॉ. एस. आर. कुम्हार, निदेशक, शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर : नामांकित सदस्य
21. डॉ. एस. आर. कुमावत, सह आचार्य, प्रसार शिक्षा : नामांकित सदस्य
22. डॉ. एम. एम. कुमावत, सह आचाय, कीट विज्ञान : नामांकित सदस्य
23. डॉ. नीशु जोशी, सहायक आचार्य, शस्य विज्ञान, ए. आर. एस. एस., सुमेरपुर : नामांकित सदस्य
24. डॉ. एस. सी. मीणा, सहायक आचार्य, पादप रोग विज्ञान, कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर : नामांकित सदस्य
25. डॉ. बी. एस. राजपुरोहित, आचार्य, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर, विशिष्ट आमंत्रित
26. डॉ. सौरभ जोशी, सहायक आचार्य, पादप जैव प्रौद्योगिकी, कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर, विशिष्ट आमंत्रित
27. डॉ. विनोद कुमार, सहायक आचार्य, जैव रसायन, कृषि महाविद्यालय जोधपुर, विशिष्ट आमंत्रित
28. डॉ. मनमोहन सुन्दरिया, सह आचार्य, कीट विज्ञान, कृषि अनुसंधान केन्द्र मंडोर जोधपुर : सदस्य सचिव

मेड़तासिटी डेगाना सिटीज

जीरा उत्पादन के लिए जलवायु अनुकूल

किसान उन्नत कृषि तकनीक से लें जीरे की अधिक पैदावार

जीरे के निर्यात में पांच वर्ष में 8 गुना वृद्धि गर्व की बात

रबी फसलों का अवलोकन, रोग से बचाने के तरीके सुझाए

नवाचार से मसाला फसलों से अधिक लाभ संभव

विदेशों में बढ़ रही है मसालों की मांग : डॉ. सीताराम

किसानों को दी मसाला फसल की जानकारी

अच्छी गुणवत्ता के मसालों के लिए जैविक खेती जरूरी: डॉ. मूलाराम

विवि को अन्तरराष्ट्रीय क्रिक हाउस ट्रस्ट से मिला प्रोजेक्ट

अफ्रीकी दालों पर काम करेगा हमारा कृषि विश्वविद्यालय

दैनिक भास्कर

आधुनिक देशों की तर्ज पर अब नागौर के किसान करेंगे उत्पादन की खेती

जीरा, धनिया व सौंफ उत्पादन में राजस्थान देश में प्रथम

मसाला उत्पादन तकनीक पर दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

किसानों को बताए सर्दी से फसलों को बचाने के तरीके

... खेती में किसानों को अपनानी होगी तकनीक

प्रगतिशील किसानों को गुणवत्तायुक्त उत्पादन से कराया अवगत

कृषि कॉलेज के विद्यार्थियों ने टिड्डी प्रभावित क्षेत्रों का किया भ्रमण, नुकसान की ली जानकारी

भास्कर संवाददाता | नागौर

नागौर. विद्यार्थियों ने टिड्डी प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए।

कृषि कॉलेज के बीएससी तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने जिले के मेड़ता व मकराना क्षेत्रों में बाजरा, ग्वार, तिल व मूंग की फसलों में पश्चिमी राजस्थान में प्रोमिनेन्स टिड्डी के आक्रमण व वर्तमान स्थिति को देखने के लिए खेतों में जायजा लिया। भ्रमण के दौरान कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ नेमाराम ने विद्यार्थियों व किसानों को टिड्डी के जीवन चक्र, नुकसान व नियंत्रण के बारे में जानकारी दी। कृषि अनुसंधान उपकेंद्र नागौर के डॉ [illegible] ने बताया कि टिड्डी दल दिन के समय हवा की दिशा में एक स्थान से दूसरे स्थान पर उड़ता रहता है। रात्रि को पेड़ों व फसलों पर बैठकर फसल को नुकसान पहुंचाता है। भ्रमण के दौरान डॉ रतन लाल शर्मा, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता ने प्रायोगिक कार्य के लिए टिड्डी का संग्रहण विद्यार्थियों व किसानों के साथ मिलकर किया। कृषि विभाग के राजेंद्र सिंह, रामनिवास व शिवराम ने भी किसानों को इस बारे में अवगत करवाया ताकि सही समय पर इसका नियंत्रण किया जा सके।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)